हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

धमाकों से दहला पाक

हमले से पहले सेना का संदेश

पहलगाम का बदला: आधी रात भारत ने किया 'ऑपरेशन सिंदूर'

पीओके और पाक में आतंकियों के 9 ठिकानों पर एयर स्ट्राइक, 30 मरे

22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमला का जवाब भारत ने एयर स्ट्राइक से दिया। आधी रात 'ऑपरेशन सिंदूर' को लॉन्च किया। इस ऑपरेशन में भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान और पाक में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर टारगेटेड स्ट्राइक की है। यह कार्रवाई रात डेढ़ बजे के आसपास अंजाम दी गई. ये हमला बहावलपुर, कोटली और मुजफ्फराबाद में किया गया है। हाफिज सईद के ठिकानों को उड़ाया गया है हमले में करीब 30 मरे व कई घायल हुए हैं।

नई दिल्ली ▶▶| एजेंसी

भारतीय वायु सेना ने अत्यन्त सटीक तरीके से इन ठिकानों को निशाना बनाया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्लानिंग को बहुत ही रणनीतिक रूप से तैयार किया गया ताकि आतंकवादियों की गतिविधियों को करारा जवाब दिया जा सके। इस ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान की सैन्य सुविधाओं को नहीं छुआ गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि कार्रवाई का असल मकसद आतंक को खत्म करना है, न कि पड़ोसी मुल्क के साथ संघर्ष को बढ़ाना। वायु सेना की तरफ से ये स्ट्राइक भारत के कमोबेश 300 लोकेशन पर होने वाले मॉक ड्रिल से कुछ घंटे पहले किया गया है। एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान में आफरा तफरी मच गई। मस्जिदों से ऐलान किया गया नागरिक घर में रहें।

पाक ने माना 3 लोगों की मौत 12 घायल

जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया गया।

पीआईबी के मुताबिक, ये कदम पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के बाद उठाए गए हैं, जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी. भारत अपनी इस प्रतिबद्धता पर खरा उतरा है कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा. पीआईबी ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आगे की जानकारी जल्द ही दी जाएगी।

9 जगहों पर की गई स्ट्राइक

कुल 9 जगहों पर सटीक हमले किए गए। इनमें मुजफ्फराबाद, बहावलपुर और कुछ अन्य स्थानों का जिक्र है, जहां धमाकों की आवाजें सुनी गईं। यह भी बताया गया कि इन हमलों के लिए खास सावधानी बरती गई ताकि किसी नागरिक या सैन्य ठिकाने को नुकसान न पहुंचे।

आज दी जाएगी ऑपरेशन सिंदूर की पूरी जानकारी

रक्षा मंत्रालय ने कहा, "भारत ने गजब की संयम और परिपक्वता के साथ लक्ष्य चुना और ऑपरेशन को अंजाम दिया। यह कदम यह साबित करता है कि भारत अब आतंक के खिलाफ किसी भी हद तक जाने को तैयार है और जो भी दोषी हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।" आज दिन में 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

पाक मस्जिदों से ऐलान, नागरिक घर में रहें

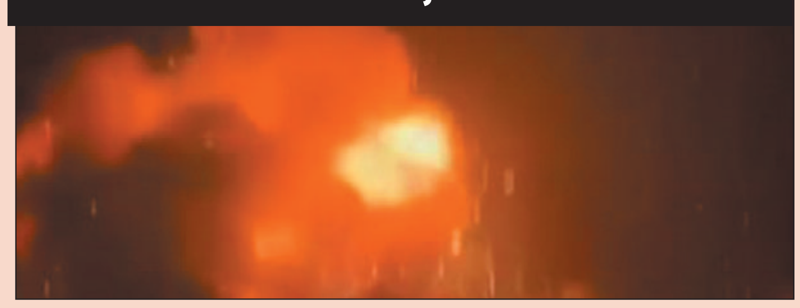

पहलगाम हमले का वायु सेना ने लिया बदला!

पहलगाम में आतंकियों ने बैसरन घाटी को निशाना बनाया था और इस दौरान 26 टूरिस्ट की आतंकियों की गोलीबारी में मौत हो गई थी. इस हमले के बाद भारत ने अंजाम भुगतने की चेतावनी दी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकियों को कड़ी सजा देंगे।

40 लाख आवेदनों में मांगें ज्यादा हैं, शिकायतें कम, यह प्रदेश में सुशासन का प्रमाण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हमारे सुशासन तिहार में 40 लाख आवेदन आए हैं। पहली नजर में यह बहुत ज्यादा दिखते हैं। लेकिन जब इनका अध्ययन करेंगे तो पाएंगे कि इसमें मांग के आवेदन ज्यादा हैं और शिकायतें कम। यह इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश में सुशासन है। शासन और प्रशासन को लेकर शिकायतें कम होना अच्छी बात है। जो आवेदन आएं हैं उनमें सबसे ज्यादा पीएम आवास, उज्जवला योजना और पेयजल से जुड़े हैं। हमारी सरकार सभी आवेदनों का निराकरण करने का काम करेगी। सुशासन तिहार के व्यस्ततम दौरे के बीच मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने सार्थक संवाद किया। प्रस्तुत हैं प्रमुख अंश।

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ सार्थक संवाद

- *लोग इतनी गर्मी में विदेश यात्रा की योजना बनाते हैं, आपने गांव की यात्रा की योजना बनाई और पूरे मंत्रिमंडल को भी झोंक दिया, आखिर इसके पीछे का कारण क्या है?*
- *पिछले चुनाव में भाजपा पर भरोसा करके जनता से बहुत बड़ा जनादेश दिया है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता से कहा था, भाजपा की सरकार बनाएं आपके सब काम हों। अब हम सब कामों को करने का काम कर रहे हैं। हमने अपने वादों को मोदी की गारंटी का नाम दिया था। डेढ़ साल हुए हैं हमारी*

▶▶| शेष पेज 8 पर

छत्तीसगढ़ की दो महिला खिलाड़ियों में गजब का हौसला

67 और 70 साल की दादी ने जीते उम्र से अधिक पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

जिस उम्र में बुजुर्ग महिलाएं ठीक से चल फिर नहीं पातीं, उस उम्र में छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले की दो दादी खिलाड़ी अम्मा बनकर मैदानों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। दोनों के घर रखे मेडल और सम्मान पत्र बताते हैं कि उम्र के इस पड़ाव में भी ये दादी अम्मा अपनी उम्र से भी ज्यादा पदक जीत रही हैं। आज विश्व एथलेटिक्स दिवस पर हरिभूमि में पढ़िए 70 वर्षीय एथलेटिक्स शकुंतला सिंह और 67 वर्षीय एथलेटिक्स कलमा देवी मंगतानी की कहानी।

विश्व एथलेटिक्स दिवस विशेष

कुछ दिन बैसाखी के सहारे चली उम्र की संख्या से दोगुने मेडल जीते

कमल देवी मंगतानी, उम्र 67 साल

मनेन्द्रगढ़ के बस स्टैंड इलाके के वार्ड क्रमांक 11 में रहने वाली कमला देवी मंगतानी की उम्र 67 साल है। 40 साल से वे डायबिटीज की मरीज हैं। एक समय ऐसा था जब कमला देवी मंगतानी को चलने के लिए बैसाखी का सहारा लेना पड़ता था, यहां तक कि डॉक्टरों ने उन्हें घुटना बदलने तक कि बात कह दी थी, लेकिन कमला देवी मंगतानी के हौसले के आगे बैसाखी पीछे चली गई और वो

▶▶| शेष पेज 8 पर

नर्स की नौकरी से लेकर गोल्ड मेडल एथलेटिक्स

शकुंतला सिंह, उम्र 70 साल

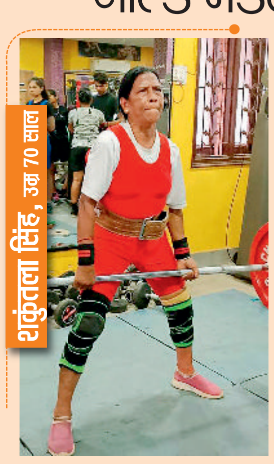

मनेन्द्रगढ़ के वार्ड क्रमांक 15 में रहने वाली 70 वर्षीय महिला रिटायरमेंट लेने के बाद जो कर रही हैं वह किसी हैरत से कम नही है। इस उम्र में भी रोजाना मैदान में जाकर 2 घंटे की प्रेक्टिस जिसमें 1400 मीटर की दौड़ करने के बाद नियमित अभ्यास करती हैं। सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली पेंशन से वे अपना अभ्यास जारी रखे हुये हैं। एसईसीएल हसदेव क्षेत्र के साऊथ झगराखाण्ड चिकित्सालय में नर्स की नौकरी से रिटायरमेंट के बाद भी इन्होंने खेल जारी रखा और शॉटपुट, हैमर थ्रो, भाला फेंक, जेवलिन थ्रो जैसे खेलों में कई मेडल जीते। देश के बाहर नेपाल में भी इन्होंने मेडल

▶▶| शेष पेज 8 पर

बीते वर्ष बीएड में 2,53,649 और डीएलएड में 3,05,629 आवेदनों के साथ बना था रिकॉर्ड

व्यापमं की प्रवेश परीक्षाओं में घटे डेढ़ लाख अभ्यर्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बीते कई शैक्षणिक सत्रों से महाविद्यालयों में दाखिले के दौरान अंतिम चरणों में प्रवेश परीक्षा की अनिवार्यता समाप्त किए जाने की प्रथा का असर आवेदन संख्या में दिखने लगा है। व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित की जा रही प्रवेश परीक्षाओं में इस बार लगभग 1.5 लाख परीक्षार्थी बीते वर्ष की तुलना में घट गए हैं। अकेले बीएड और डीएलएड में ही 85 हजार कम आवेदन व्यापम को प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त बीएससी नर्सिंग और पीपीएचटी में भी आवेदन संख्या बीते वर्ष की तुलना में घटी है। दाखिले के वक्त दी जाने वाली छूट के कारण प्रवेश परीक्षा की गंभीरता समाप्त होती जा रही है।

शिक्षाविदों के अनुसार, इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम से लेकर नर्सिंग और फॉर्मेसी के कोर्स में भी छात्रों का रूझान धीरे-धीरे कम होने लगा है। इसके स्थान पर विद्यार्थी परंपरागत पाठ्यक्रमों की पढ़ाई कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को तवज्जो दे रहे हैं। इसके कारण प्रवेश के अंतिम चरण तक भी सीटें नहीं भर पाती हैं। ऐसे में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम सहित कई कोर्स में अंतिम दौर में प्रवेश परीक्षा की बाध्यता समाप्त कर 12वीं के आधार पर एडमिशन दिए जा रहे हैं, ताकि छात्र संख्या बढ़ सके।

कोर्ट के आदेश ने बदली डीएलएड की स्थिति

प्राथमिक कक्षाओं में अध्यापन के लिए डीएलएड की डिग्री ही मान्य किए जाने संबंधित न्यायालय के आदेश के बाद स्थिति में परिवर्तन हुआ है। पूर्व में बीएड के लिए छात्रों की दीवानगी अत्यधिक थी, अब रूझान डीएलएड पाठ्यक्रम को लेकर अधिक हो गई है। पिछले साल की तुलना में इस बार भी बीएड की तुलना में डीएलएड के लिए अधिक आवेदन मिले हैं, जबकि प्रदेश में बीएड की 14,400 तथा डीएलएड की 6,720 सीटें हैं। बीते वर्ष दोनों ही पाठ्यक्रमों में रिकॉर्ड आवेदन प्राप्त हुए थे।

ऐसी है स्थिति

- पिछले वर्ष बीएड के लिए रिकॉर्ड 2 लाख 53 हजार 649 आवेदन प्राप्त हुए थे। इस वर्ष 1 लाख 90 हजार आवेदन मिले हैं, जो बीते वर्ष की तुलना में 63 हजार कम है।
- डीएलएड के लिए पिछले वर्ष 3 लाख 5 हजार 629 आवेदन मिले थे। इस बार 2 लाख 83 हजार आवेदन मिले हैं, जो पिछले साल से 22 हजार कम हैं।
- बीएससी नर्सिंग के लिए 52 हजार 628 आवेदन 2024 में मिले, जबकि इस बार 45 हजार ही मिले हैं।
- इसी तरह पीपीएचटी के लिए पिछली बार 37 हजार 76 आवेदन मिले थे, जो इस बार 31 हजार में सिमट गए।
- प्रीएमसीए के लिए बीते वर्ष 7295 आवेदन मिले थे। इस बार सिर्फ 4400 आवेदन मिले थे।
- पीईटी के लिए 22,854 छात्रों ने पिछले वर्ष फॉर्म भरा था। पीईटी सहित बोस्ट बेसिक नर्सिंग व अन्य प्रवेश परीक्षाओं की आवेदन संख्या में बीते वर्षों की तुलना में प्रभावित हुई है।

करेंगुट्टा में मारी गई एक और महिला नक्सली

जगदलपुर। बीजापुर जिले में फोर्स द्वारा नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे सबसे बड़े एंटी नक्सल आपरेशन के दौरान सोमवार को एक और वर्दीधारी महिला नक्सली को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में मार गिराया। इससे पूर्व 24 अप्रैल को सुरक्षाबलों ने 24 लाख के इनामी 3 वर्दीधारी महिला माओवादियों को मार गिराया था। गौरतलब है कि तेलंगाना-बीजापुर के सरहद स्थित करेंगुट्टा की पहाड़ में पिछले 15 दिन से नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन चलाया है। अभियान के दौरान अब तक 4 वर्दीधारी महिला नक्सलियों के शव और दर्जनों हथियार व गोला बारूद बरामद किया जा चुके हैं। अनुमान है कि अभियान के दौरान कई शीर्ष माओवादी कैडर के या तो मारे गए हैं या गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

GALGOTIAS UNIVERSITY STUDENTS OUTPERFORM GLOBALLY

10 students won Apple's WWDC 25 Swift Student Challenge on a Worldwide Platform

Abu Shahma Ansari | Aditya Rai | Arnav Chauhan | Avineet Singh Juneja | Harshit Gupta | Kavyansh Pratap Singh | Mayank Verma | Praveen Shrivastav | Raj Pratap Singh | Nalinish Ranjan

AMONGST THE WORLDS BEST

TOP RANKED IN QS ASIA & THE WORLD UNIVERSITY RANKINGS 2025

G-SCALE
GALGOTIAS STUDENT CENTERED ACTIVE LEARNING ECOSYSTEM
• Critical Thinking • Collaboration • Engagement • Experiential Learning

IN CONSULTANCY COLLABORATION WITH
InsPIRE at **NANYANG TECHNOLOGICAL UNIVERSITY SINGAPORE**

AN HONOUR BEYOND WORDS. A LEGACY BEYOND BOUNDARIES.

We will continue to carry forward the vision of our Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi Ji of making India a Vishvaguru & Viksit Bharat and the dream of our Dynamic Leader, Hon'ble Chief Minister of UP, Shri Yogi Aditya Nath Ji of making the State of Uttar Pradesh a truly Global Knowledge Superpower.

Her Excellency Smt. Anandiben Patel, Hon'ble Governor Of Uttar Pradesh felicitating Dr Dhruv Galgotia, CEO, Galgotias University for the University's exceptional performance in the QS Asia-World University Rankings 2025.

ALWAYS LEADING BY EXAMPLE

Transforming Galgotias University as one of the leading **"Industry Integrated Learning Campuses"** in India; supported by multiple centers of excellence including

wipro | SAMSUNG | LG | Infosys | iOS Development Centre | hp | Tech Mahindra | intel | ITMI | T-Series

iOS Development Centre Powered by Apple and Infosys

The Edge That Sets Us Apart

Amongst **#98** in India (Management Category) | **#50** in India (Pharmacy Category)

By NIRF Ranking 2024 — nirf NATIONAL INSTITUTIONAL RANKING FRAMEWORK — शिक्षा मंत्रालय Ministry of Education Government of India

TOP 3 in India for filing MAXIMUM PATENTS

NAAC A+ (Accreditation in First Cycle) | Ranked Platinum+ Band: Institution of Prominence OBE Rankings 2024 | NBA Accredited Tier 1 for Computer Science Engineering, Mechanical Engineering, Electronics, & Communications Engineering, B.Pharm and MBA | School of Business AACSB Business Education Alliance Member

5th Ranked Amongst the Top Private Universities by Times B School Survey 2025

Apply Today for Career Focussed 2025-26 UG/PG/DIPLOMA/Ph.D. Programmes

Engineering | Computer Applications | Biosciences & Technology | Clinical Healthcare | Forensic Science | Design | Education | Nursing | Liberal Education
Media and Communications Studies | Law | Agriculture | Basic Sciences | Finance & Commerce | Pharmacy | Allied & Health Sciences | Business | Aviation
Logistics & Supply Chain Management | Hospitality & Tourism | Polytechnic | Vocational Education

Launched India's 1st and Finest
AI led Active Learning Campus
@ Galgotias University

GALGOTIAS UNIVERSITY

GALGOTIAS INCUBATION CENTRE
FOR RESEARCH INNOVATION STARTUP AND ENTREPRENEURS
Government of UP Recognized Incubator

- Launchpad for 100+ Promising Startups
- Several of our Startups are already generating revenue in crores of rupees.
- Over 30 Industry Partnerships & 80+ Mentors empowering startups with invaluable resources and expertise

For the complete list of programmes offered and to apply online visit www.galgotiasuniversity.edu.in
9810162221 / 9582847072
9717300418 / 0120-4370000

#GetYourSelfPlaced

बिलासपुर

बुधवार, 7 मई 2025

वैशाख शुक्ल पक्ष दशमी

वर्ष : 25, अंक : 46

पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 4.00***

मौसम

अधि. 37.2
न्यून. 23.4

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

ऐसा है परीक्षार्थियों का गणित

कक्षा- दसवीं

नियमित छात्र
3 लाख 23 हजार 227

स्वाध्यायी छात्र
7 हजार 330

लड़कों की संख्या
1 लाख 50 हजार 17

लड़कियों की संख्या
1 लाख 80 हजार 536

कक्षा- बारहवीं

नियमित छात्र
2 लाख 34 हजार 294

स्वाध्यायी छात्र
6 हजार 774

लड़कों की संख्या
1 लाख 2 हजार 732

लड़कियों की संख्या
1 लाख 38 हजार 336

बिना पूर्व सूचना माशिम आज जारी करेगा 10वीं-12वीं के नतीजे, पहली बार दोपहर तक इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आज दोपहर 3 बजे दसवीं-बारहवीं के परीक्षा परिणामों की घोषणा की जाएगी। सामान्यतः माशिम द्वारा परीक्षा परिणाम जारी किए जाने के सप्ताह भर पूर्व छात्रों को इसकी सूचना दी जाती है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। माशिम द्वारा किसी भी तरह की कोई सूचना परीक्षा परिणामों को लेकर जारी नहीं की गई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा परीक्षा परिणाम जारी किए जाने की सूचना जनसंपर्क विभाग द्वारा देर रात सार्वजनिक की गई। अन्य वर्षों की तरह इस बार भी दसवीं और बारहवीं दोनों ही कक्षाओं के परिणाम एक साथ ही जारी किए जा रहे हैं। इस बार छात्रों को अपने परिणाम देखने के लिए दोपहर 3 बजे तक का इंतजार करना होगा। सामान्यतः माशिम दोपहर 12 बजे अपने नतीजे जारी करता रहा है।

12वीं बोर्ड परीक्षा 1 मार्च से शुरू होकर 28 मार्च तक चली थी। वहीं 10वीं बोर्ड की परीक्षा 3 मार्च से शुरू होकर 24 मार्च तक चली। छात्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की आधिकारिक वेबसाइट पर अपने परिणाम देख सकेंगे। खबर लिखे जाने तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि मुख्यमंत्री ऑनलाइन रिजल्ट जारी करेंगे अथवा मंडल कार्यालय में उपस्थित होकर परिणाम जारी करेंगे। गौरतलब है कि पूर्व शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के संसद जाने के बाद शिक्षा मंत्रालय सीएम के पास ही है। ऐसे में उनके द्वारा ही नतीजे जारी किए जाएंगे।

खास खबर

माशिम द्वारा छात्रों के लिए जारी नहीं की गई किसी भी तरह की पूर्व सूचना

जारी होगी मेरिट लिस्ट

सीबीएसई द्वारा छात्रों में स्वस्थ प्रतियोगिता को बढ़ावा देने के लिए मेरिट लिस्ट जारी करने की प्रथा बंद कर दी गई है। ना तो केंद्रीय स्तर और ना ही राज्य स्तर पर मेरिट लिस्ट जारी की जा रही है। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा मौजूदा सत्र से इस प्रथा को बंद करने पर विचार किया जा रहा था। अन्य राज्यों में अपनाई जा रही प्रणाली को जानने पत्राचार भी किया गया था, लेकिन बाद में मेरिट लिस्ट जारी करने का निर्णय लिया गया। आज नतीजे जारी होने के साथ ही दोनों कक्षाओं की अस्थायी मेरिट लिस्ट भी जारी की जाएगी।

- दसवीं में 3 लाख 30 हजार और बारहवीं में 2 लाख 40 हजार छात्र हुए हैं शामिल

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

केंद्र सरकार की नई योजना शुरू, सात दिन के बाद उठाना होगा खर्च

सड़क हादसे के पीड़ितों का तुरंत होगा मुफ्त इलाज, 7 दिन में डेढ़ लाख तक की मदद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

देश में सड़क दुर्घटना में घायल होने वाले लोगों और उनके परिवारजनों के लिए केंद्र सरकार ने बड़ी राहत का ऐलान किया है। केंद्र सरकार ने मंगलवार को अधिसूचना जारी कर देशभर में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम की घोषणा की है। पीड़ितों को निर्दिष्ट अस्पतालों में पहले सात दिन के लिए डेढ़ लाख रुपए तक के कैशलेस उपचार की सुविधा मिलेगी।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, (सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना, 2025) योजना पांच मई से लागू हो गई है। इस योजना का उद्देश्य समय पर चिकित्सा सहायता न मिलने के कारण हर वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या को कम करना है। अधिसूचना में कहा गया, किसी भी सड़क पर मोटर वाहन से दुर्घटना का शिकार होने वाला कोई भी व्यक्ति इस योजना के प्रावधानों के अनुसार कैशलेस उपचार का हकदार होगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) को पुलिस, अस्पतालों और राज्य स्वास्थ्य एजेंसियों के साथ समन्वय कार्यक्रम के लिए कार्यान्वयन एजेंसी बनाया गया है। अधिसूचना में कहा गया, पीड़ित को दुर्घटना की तारीख से अधिकतम सात दिन की अवधि के लिए किसी भी निर्धारित अस्पताल में प्रति पीड़ित एक लाख 50 हजार रुपये तक की राशि के कैशलेस उपचार का अधिकार होगा। अधिसूचना के अनुसार, इस योजना के अंतर्गत निर्दिष्ट अस्पताल के अलावा किसी अन्य अस्पताल में उपचार केवल पीड़ित की हालत स्थिर करने के उद्देश्य से और दिशानिर्देशों के अनुसार ही होगा। ⏭ शेष पेज 8 पर

कितना और कैसे मिलेगा इलाज?

सरकार के इस स्कीम का नाम 2025 कैशलेस ट्रीटमेंट ऑफ रोड एक्सीडेंट विक्टिम्स स्कीम है। इसके तहत हर तरह के सड़क हादसे में घायल व्यक्ति का 1.5 लाख रुपये तक का इलाज करवाया जाएगा। इस स्कीम के तहत इलाज केवल 7 दिनों के लिए होगा। इसका यह मतलब है कि अगर आपको हादसे के बाद तुरंत अस्पताल ले जाया गया, तो पहले 7 दिनों तक का इलाज फ्री में किया जाएगा।सड़क हादसे में घायलों का इलाज उन अस्पतालों में किया जाएगा, जिन्हें सरकार ने चुने हैं। अगर आप किसी और अस्पताल में इलाज के लिए जाते हैं, तो वहां पर सिर्फ स्टेबलाइजेशन ही इस स्कीम के तहत होगा और वो भी कुछ खास गाइडलाइन के हिसाब से होगा।

फाइल फोटो

कैशलेस इलाज स्कीम क्या है

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने एक नोटिफिकेशन एक नोटिफिकेशन जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि अगर कोई सड़क हादसा मोटर वाहन की वजह से होता है, तो उसमें घायल व्यक्ति का इलाज इस स्कीम के तहत किया जाएगा। इसके तहत घायल का कैशलेस इलाज किया जाएगा, चाहे उसके साथ हादसा किसी भी सड़क पर हुआ है। इसके लिए घायल को किसी तरह का कोई पेमेंट करने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि सरकार और अस्पताल आपस में हिसाब करेंगे।

क्या फायदा होगा?

- इस स्कीम के शुरू होने के बाद हादसे के बाद घायल को इलाज को लेकर होने वाले पैसे की टेंशन नहीं होगी। इसके तहत अब 1.5 लाख रुपए तक का इलाज फ्री में मिलेगा।
- हादसे के तुरंत बाद अस्पताल में भर्ती होने के बाद शुरू के 7 दिन तक का इलाज फ्री में किया जाएगा, जो इमरजेंसी में बहुत काम आएगा।
- सरकार के चुने यानी डेजिग्नेटेड अस्पतालों में पूरा इलाज किया जाएगा, लेकिन बाकी जगहों पर बेसिक इलाज ही मिलेगा।
- इस स्कीम में सिर्फ मोटर वाहन से होने वाले हादसों पर लागू है। अगर हादसा किसी और वजह से हुआ, तो इसका लाभ नहीं मिलेगा।
- सात दिन से ज्यादा इलाज करवाने पर आपको उसके लिए पैसे खर्च करना पड़ेगा।

एक बार मिली अनुकंपा, फिर नहीं बदलेगा पद, सरकार ने जारी किया फरमान

बिलासपुर हाईकोर्ट ने पारित किया था अनुकंपा पर आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अनुकंपा नियुक्ति के एक मामले में बिलासपुर हाईकोर्ट द्वारा पारित आदेश के बाद छत्तीसगढ़ सरकार ने भी इसी आधार पर एक और आदेश जारी कर साफ कर दिया है कि आवेदक को एक बार अनुकम्पा नियुक्ति दिए जाने के बाद पद परिवर्तन की मांग स्वीकार नहीं की जाएगी। अनुकम्पा नियुक्ति आवेदक का अधिकार नहीं है, बल्कि दिवंगत शासकीय सेवक के आश्रित सदस्य को दी गई एक रियायत है, ताकि तत्काल निर्मित वित्तीय संकट को कम किया जा सके। इसे नियमित रोजगार का तरीका नहीं माना जा सकता, यह केवल अपवादिक व्यवस्था है।

ये है मामला- बिलासपुर हाईकोर्ट ने 25 अप्रैल को अनुकंपा नियुक्ति के एक प्रकरण की सुनवाई करते हुए आदेश पारित किया है। यह मामला अनुकंपा नियुक्ति के एक आवेदक ⏭ शेष पेज 8 पर

सरकार ने जारी किया आदेश

हाईकोर्ट का आदेश आने के बाद राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में सभी विभागों, राजस्व मंडल, सभी विभागाध्यक्ष, सभी संभागायुक्त, सभी कलेक्टरों के लिए निर्देश जारी किया है। सरकार ने कहा है कि प्रचलित अनुकम्पा नियुक्ति निर्देश के तहत निर्धारित सीमा में पदों की उपलब्धता एवं अन्य प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं के पूर्ति के अधीन ही अनुकम्पा नियुक्ति दी जा सकती है तथा आवेदक को एक बार अनुकम्पा नियुक्ति दिए जाने के पश्चात पद परिवर्तन की मांग स्वीकार नहीं की जा सकती, जैसा कि अनुकम्पा नियुक्ति निर्देश-2013 की कंडिका 20(1) में प्रावधानित है। सरकार ने हाईकोर्ट द्वारा पारित आदेश का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया है।

खबर संक्षेप

सीयूईटी-यूजी परीक्षा स्थगित होने की संभावना

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी)-स्नातक (यूजी) की आठ मई को होने वाली परीक्षा के स्थगित होने की संभावना है। नई तारीखों की आधिकारिक घोषणा जल्द होने की संभावना है। परीक्षा गुरुवार को शुरू होने वाली थी, लेकिन एजेंसी ने अब तक विषयवार 'डेटशीट' की घोषणा नहीं की है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-यूजी आयोजित करने का कार्य अभी-अभी पूरा किया है, जो पिछले साल जांच के दायरे में थी और परीक्षा की शुचिता को लेकर सवाल उठे थे। देश में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश द्वार माने जाने वाले सीयूईटी-यूजी में इस साल रिकॉर्ड 13.5 लाख आवेदन आए हैं।

आंधी बारिश से गई 14 की जान

अहमदाबाद। गुजरात के विभिन्न हिस्सों में बीते 24 घंटे के दौरान आंधी, बिजली गिरने और बारिश से संबंधित विभिन्न घटनाओं में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। आईएमडी ने आगामी कुछ दिनों तक तेज हवाएं चलने और बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। गुजरात के 253 तालुकों में से 168 में सोमवार को असमय बारिश हुई। खेड़ा, गांधीनगर, मेहसाणा और वडोदरा जिलों में 25 से 40 मिमी तक वर्षा दर्ज की गई। एसईओसी के अनुसार, सोमवार को अहमदाबाद, आनंद, खेड़ा, दाहोद, अरावली और वडोदरा जिलों में बारिश से संबंधित घटनाओं में 13 लोगों की मौत हुई, जबकि रविवार को अहमदाबाद के विरमगाम क्षेत्र में बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हुई थी।

बाइक-कार की जोरदार टक्कर, छह की मौत

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर जिले के मदनापुर क्षेत्र में एक मोटरसाइकिल और कार की जबरदस्त टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। मोटरसाइकिल पर सवार रवि (20), आकाश (20), दिनेश (19) तथा अभिषेक (19) को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान चारों ने दम तोड़ दिया। बरेली-इटावा मार्ग पर काविलपुर गांव के पास कार और मोटरसाइकिल की आमने-सामने से टक्कर हो गई। टक्कर की वजह से कार अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे खड्ड में जा गिरी।

बर्फानी बाबा के अद्भुत दर्शन

- **07** फीट शिवलिंग की ऊंचाई
- **03** जुलाई से अमरनाथ यात्रा
- **09** अगस्त को संपन्न होगी यात्रा

जम्मू। जम्मू कश्मीर में स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा में हर साल प्राकृतिक रूप से बनने वाली हिम शिवलिंग की पहली तस्वीर सामने आ गई है। इस बार शिवलिंग ने बड़ा आकार लिया हुआ है। शिवलिंग की इस बार ऊंचाई करीब 7 फीट है। साल भर लाखों की तादाद में श्रद्धालु अमरनाथ गुफा में बनने वाली इस हिम शिवलिंग की पहली तस्वीर का इंतजार करते हैं।

38 दिनों की अमरनाथ यात्रा

आगामी 3 जुलाई से अमरनाथ यात्रा शुरू होने जा रही है। यह यात्रा करीब 38 दिनों तक चलकर 9 अगस्त को छड़ी मुबारक के साथ रक्षाबंधन के दिन पूरी होगी।

माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करेंगे 75 भारतीय

काठमांडू। विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए सोमवार तक 55 देशों के 441 पर्वतारोहियों को अनुमति प्रदान की गई है। इनमें 79 महिलाएं भी शामिल हैं। नेपाल पर्यटन विभाग के निदेशक हिमाल गौतम के अनुसार, अब तक 55 देशों के 44 अभियानों को एवरेस्ट (8,848.86 मीटर) पर चढ़ने की अनुमति दी गई है। इनमें 75 भारतीय पर्वतारोही हैं, जिनमें 12 महिलाएं हैं। नेपाल सरकार ने इस सीजन में एवरेस्ट पर चढ़ने की अनुमति से 653.8 मिलियन नेपाली रुपये की रॉयल्टी एकत्र की है। पर्यटन विभाग ने इस वसंत ऋतु में 1,095 पर्वतारोहियों को एवरेस्ट सहित 26 विभिन्न पर्वत चोटियों पर चढ़ने की अनुमति दी है।73 देशों के 114 अभियानों को पर्वतारोहण की अनुमति मिली है।

एसयूवी-ट्रैक्टर की टक्कर में आठ बारातियों की मौत

एजेंसी ⏭ कटिहार

विवाह समारोह से लौटते वक्त हादसा

इनकी हो गई मौत- मृतकों की पहचान रूपेश राज (14), प्रिंस कुमार (18), टुनटुन कुमार (21), सिको कुमार, ज्योतिष कुमार (17), अजय कुमार (25), राधा मंडल (26) और धीरज पोद्दार (28) के रूप में हुई।

बिहार के कटिहार जिले में एसयूवी और ट्रैक्टर की टक्कर में आठ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। हादसा सोमवार और मंगलवार की मध्य रात्रि को समेली प्रखंड कार्यालय के पास हुआ, जब कार सवार लोग विवाह समारोह से लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि हादसे के शिकार लोगों की पहचान के प्रयास जारी हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर एक एसयूवी और विपरीत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर के बीच टक्कर में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि मरने वालों में सभी पुरुष थे। शर्मा ने बताया कि पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और हादसे के शिकार लोगों को नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां आठ लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि घायलों का उपचार किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि स्थानीय लोगों के अनुसार ये सभी सुपौल के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि माना जा रहा है कि ये सभी एसयूवी में सवार थे। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की जांच जारी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

पानी ही नहीं, हवा में भी दुश्मन को देगा जवाब

दुश्मनों की उड़ेगी नींद, आ रहा आईएनएस तमाल!

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान युद्ध के खौफ में है। पाकिस्तान को हर समय यह डर सताता रहता है कि भारत उस पर कभी भी हमला कर सकता है। पाकिस्तान की नेवी ने समुद्री रास्ते से पूरे मुल्क की घेराबंदी कर रखी है।

पाकिस्तान युद्ध में भारत से जीतने के ख्वाब देख रहा है, लेकिन पाकिस्तान नौसेना को बार फिर मुंह की खानी पड़ सकती है, क्योंकि भारतीय नौसेना के बेड़े में मल्टी रोल स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट 'तमाल' की एंट्री होने जा रही है।

रूस में नौसेना के क्रू को 'तमाल' का इस्तेमाल करने की ट्रेनिंग दी जा रही है। इस शिप की डिलीवरी अगले साल जून में होनी थी, लेकिन अब इसकी डिलीवरी इसी महीने के अंत में 28 मई तक की जाएगी। 'तमाल' को रूस के यांतर शिपयार्ड में बनाया जा रहा है। इसे दुनिया की सबसे घातक वॉरशिप में गिना जाता है। इस वॉरशिप से दुनिया की सबसे खतरनाक एंटी शिप मिसाइल ब्रह्मोस को दागा जाएगा। इससे पहले आईएनएस तुशील भारतीय नौसेना में शामिल हो चुका है।

आईएनएस तमाल की खासियतें

- आईएनएस तमाल की खासियतों पर बात करें तो इसे तलवार भी कहा जाता है।
- समंदर में 30 नॉटिकल मील प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली 'तमाल' एक बार में 3000 किलोमीटर तक की दूरी तय करने में सक्षम है।
- 'तमाल' को खासतौर पर एंटी सबमरीन वॉरफेयर के हिसाब से डिजाइन किया गया है।

2016 में हुआ था समझौता

बता दें कि रूस और भारत के बीच 2016 में एक समझौता हुआ था, जिसके तहत रूस को 4 तलवार क्लास स्टेल्थ फ्रिगेट्स बनाने का जिम्मा सौंपा गया था। 9 दिसंबर 2024 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आईएनएस तुशील को भारतीय नौसेना में शामिल किया था। अब इसी कड़ी में दूसरी वॉरशिप आईएनएस तमाल भी भारतीय नौसेना के जंगी बेड़े का हिस्सा बनने जा रही है।

आखिरी इंपोर्टेड वॉरशिप

बता दें कि भारतीय नौसेना में तलवार क्लास के वॉरशिप 2003 से ही शामिल होने लगे थे। भारतीय नौसेना के पास इस क्लास के 6 जंगी जहाज मौजूद हैं। इनमें से 4 को ब्रह्मोस मिसाइल से लेस किया जा चुका है और 2 को ब्रह्मोस से लेस करने की तैयारी चल रही है। आईएनएस तमाल भारतीय नौसेना का आखिरी इंपोर्टेड वॉरशिप होगा। इंडियन नेवी ने यह साफ कर दिया है कि इसके बाद कोई भी वॉरशिप बाहर से नहीं खरीदा जाएगा।

पटाखा निर्माण इकाई में आग, दो की मौत

भद्रक। ओडिशा के भद्रक जिले में एक पटाखा निर्माण इकाई में आग लगने से मंगलवार को एक लड़के सहित कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

यह घटना भद्रक ग्रामीण पुलिस थाने के अंतर्गत चांदबाली रोड पर हलाडीहा बाईपास पर घटी। मृतकों की पहचान एसके मुसरफ (12) और रायतुन बीबी (40) के रूप में हुई है। दोनों पुरुना बाजार पुलिस थाने के अंतर्गत हलाडीहा बाईपास के रहने वाले थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि गंभीर रूप से घायलों में शामिल रंजीता जेना (24) काजीमहला की रहने वाली हैं, जबकि सुल्ताना बीबी (45) और अरजिफा खातून (20) पुरुना बाजार थाना क्षेत्र के अंतर्गत हलाडीहा बाईपास की निवासी हैं। भद्रक जिले के मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी (सीडीएमओ) डॉ. सुधांशु शेखर बल ने बताया कि गंभीर रूप से घायल लोगों को पहले भद्रक जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में उन्हें कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। सीडीएमओ ने बताया कि घटना में घायल हुए दो अन्य लोगों का इलाज कर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पटाखा निर्माण इकाई में जोरदार विस्फोट हुआ, जिससे वह मलबे में तब्दील हो गई। उन्होंने बताया कि आग तेजी से फैली और कुछ ही मिनटों में पूरी इकाई को अपनी चपेट में ले लिया।

चिंतन

सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों के लिए कैशलेस योजना वरदान

देश में सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को निर्दिष्ट अस्पतालों में पहले सात दिन के लिए डेढ़ लाख रुपये तक के कैशलेस उपचार की सुविधा मानव सुरक्षा के लिहाज से जनकल्याणकारी कदम है। विश्व में सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं भारत में होती हैं। तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद सड़क हादसे कम नहीं हो रहे हैं, ये सालाना स्तर पर प्रति वर्ष करीब 12 फीसदी की दर से बढ़ रहे हैं। प्रति वर्ष औसत 4.5 लाख से अधिक सड़क हादसे हो रहे हैं। इनमें करीब दो लाख लोगों की अकाल मृत्यु हो जाती है और करीब 4.5 लाख लोग घायल हो जाते हैं। मौतों में 9 फीसदी व घायलों में 15 फीसदी की बढ़ोत्तरी दर्ज हो रही है। सड़क दुर्घटना के बाद अगर पीड़ितों को जल्द अस्पताल पहुंचा दिया जाय तो हजारों लोगों को मौत से और लाखों लोगों को अपंग होने से बचाया जा सकता है। देखा गया है कि सड़क दुर्घटना के सबसे अधिक शिकार परिवार के कामकाजी व युवा होते हैं। इसलिए हादसे का समाज पर आर्थिक असर गहरा है। ऐसे में पांच मई से लागू सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना घायलों की जीवनरक्षा के लिए वरदान साबित होगी। अक्सर देखा जाता है कि पैसे के चलते अस्पताल इलाज करने में आनाकानी करते हैं। सड़क हादसे के पीड़ितों के लिए नकदी रहित इलाज योजना व्यापक प्रभाव पैदा करेगी। इस योजना का उद्देश्य समय पर चिकित्सा सहायता न मिलने के कारण हर वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या को कम करना है और पीड़ितों को संभावित स्थाई अपंगता से बचाना है। देशभर में किसी भी सड़क पर मोटर वाहन से दुर्घटना का शिकार होने वाला कोई भी व्यक्ति इस योजना के प्रावधानों के अनुसार कैशलेस उपचार का हकदार होगा। इस योजना के अंतर्गत निर्दिष्ट अस्पताल के अलावा किसी अन्य अस्पताल में उपचार केवल पीड़ित की हालत स्थिर करने के उद्देश्य से और दिशानिर्देशों के अनुसार ही होगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) को पुलिस, अस्पतालों और राज्य स्वास्थ्य एजेंसियों के साथ समन्वय कार्यक्रम के लिए कार्यान्वयन एजेंसी बनाया गया है। राज्य सड़क सुरक्षा परिषद उस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के लिए योजना के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी होगी और निर्दिष्ट अस्पतालों को शामिल करने, पीड़ितों के उपचार, उपचार पर निर्दिष्ट अस्पताल को भुगतान एवं संबंधित मामलों के लिए पोर्टल को अपनाने तथा उपयोग के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के साथ समन्वय करने को लेकर जिम्मेदार होगी। सरकार ने योजना के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए सड़क सचिव के अधीन 11 सदस्यीय एक संचालन समिति भी गठित की है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 14 मार्च, 2024 को सड़क दुर्घटना पीड़ितों को कैशलेस उपचार प्रदान करने के लिए चंडीगढ़ में एक पायलट कार्यक्रम शुरू किया था, जिसे बाद में छह राज्यों तक विस्तारित किया गया। हाल में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था कि वर्ष 2023 में 4.80 लाख सड़क दुर्घटनाओं में 1.72 लाख लोगों की मौत हो गई। देश में 5 साल में सड़क हादसों में 7.77 लाख मौतें हुई हैं। वर्ष 2021 तक एक दशक में करीब 13 लाख से अधिक लोगों की मृत्यु सड़क हादसे में हुई व 50 लाख लोग घायल हुए थे। सरकार ने वर्ष 2024 तक सड़क हादसे में 50 फीसदी कमी लाने का लक्ष्य रखा था, पर यह नहीं हो सका। देर से ही सही, पर सरकार जागी है और हादसे पीड़ितों के इलाज के लिए कैश्लेस योजना लेकर आई, लेकिन इस योजना के दुरूपयोग को रोकने के उपाय भी सुनिश्चित करने होंगे।

विश्लेषण
कृष्ण प्रताप सिंह

भारत से दुश्मनी पाकिस्तान के डीएनए में शामिल है और इस दुश्मनी का अक्लमंदी से विलोम सम्बन्ध है। तभी तो उसके लिए इशारा तो क्या, वह 'सीख' भी काफी नहीं सिद्ध हो पा रही, जो उसके राष्ट्रपति (सदर) फील्ड मार्शल अयूब खां ने भारत से 1965 के युद्ध में तब दी थी, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के नेतृत्व में भारत ने उन्हें दिन में तारे दिखाते हुए अपनी सेनाएं लाहौर तक पहुंचा दी थीं। भारत पर नाहक हमले के अपने दुस्साहस का ऐसा जवाब पाकर अयूब खां ने अपने मंत्रियों से कहा था कि मैं पाकिस्तान 50 लाख कश्मीरियों के लिए 10 करोड़ पाकिस्तानियों की ज़िंदगी कभी ख़तरे में नहीं डालेगा, लेकिन पाक तभी से इसे समझने से लगातार इनकार करता रहा है।

भारत से दुश्मनी पाक के डीएनए में

कहावत है कि अक्लमंद के लिए इशारा काफी होता है, लेकिन यह कहावत जैसे पाकिस्तान पर लागू नहीं होती। इसलिए कि भारत से दुश्मनी उसके डीएनए में शामिल है और इस दुश्मनी का अक्लमंदी से विलोम सम्बन्ध है। तभी तो उसके लिए इशारा तो क्या, वह 'सीख' भी काफी नहीं सिद्ध हो पा रही, जो उसके राष्ट्रपति (सदर) फील्ड मार्शल अयूब खां ने भारत से 1965 के युद्ध में तब दी थी, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के नेतृत्व में भारत ने उन्हें दिन में तारे दिखाते हुए अपनी सेनाएं लाहौर तक पहुंचा दी थीं। भारत पर नाहक हमले के अपने दुस्साहस का ऐसा जवाब पाकर अयूब खां की घिग्घी कुछ इस तरह बंध गई थी कि वे अपने मंत्रिमंडल की बैठक में भी उसका बंधना नहीं भुला पाये थे। तब उन्होंने अपने मंत्रियों से कहा था कि मैं चाहता हूँ कि यह समझ लिया जाए कि पाकिस्तान 50 लाख कश्मीरियों के लिए 10 करोड़ पाकिस्तानियों की ज़िंदगी कभी ख़तरे में नहीं डालेगा...कभी नहीं। लेकिन पाकिस्तान तभी से इसे समझने से लगातार इनकार करता रहा है।

दरअसल, 22 दिनों के उस युद्ध में पाकिस्तान के 3,800 सैनिक मारे गए थे और भारत ने उसके 1840 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लिया था। अयूब के लिए यह कब्जा सर्वथा अकल्पनीय था क्योंकि हमले से पहले उन्होंने सोचा था कि जो भारत अभी तीन साल पहले चीन से लड़कर बुरी तरह मुंह की खा और भारी नुक़सान उठा चुका है, उसका मनोबल इतना कम होगा कि पाकिस्तान के सामने दो दिन भी मुश्किल से टिक पायेगा।

अयूब लाल बहादुर शास्त्री के ठिगने कद को लेकर प्रायः उनका मजाक उड़ाया करते और कहा करते थे कि यह आदमी तो बात करने लायक ही नहीं है। इसीलिए उन्होंने हमले से पहले प्रस्तावित अपनी दिल्ली यात्रा रद कर दी थी और शास्त्री जी पाकिस्तान गये तो उनका यथोचित आदर भी नहीं किया था। वे इस गुमान में फूले हुए थे कि उनके हमले के बाद शास्त्री भारत की सेनाओं को अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कराने या उनसे लाहौर की तरफ नया मोर्चा खुलवाने का सपना तक नहीं देख पायेंगे, जबकि पाक चहलकदमी करते हुए दिल्ली पहुंच जायेगा। दरअसल, 1947-48 के प्रथम जम्मू-कश्मीर युद्ध में अयूब का देश गिलगिट व बाल्टिस्तान समेत कश्मीर के लगभग एक तिहाई हिस्से पर कब्जा जमाकर उसे बरकरार रखने में कामयाब हो गया था, क्योंकि 01 जनवरी,1949 को संयुक्त राष्ट्र संघ का युद्धविराम प्रस्ताव औपचारिक तौर पर लागू होने तक भारत की सेनाएं वहां से उसे खदेड़ नहीं पाई थीं। जहां तक खदेड़ पाई थी, संयुक्त राष्ट्र संघ ने वहीं तक भारत की नियंत्रण रेखा बना दी थी। यह और बात है कि अपने हजारों सैनिक खोकर पाक को इस कब्जे की बड़ी क़ीमत चुकानी पड़ी थी। अयूब को लगता था कि 1965 में पाक सेनाएं कहीं ज्यादा तेजी से भारतीय इलाके पर कब्जा कर लेंगी और भारत के उनको पीछे हटा पाने से पहले ही युद्धविराम के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ जायेगा और एक नई वास्तविक नियंत्रण रेखा बन जायेगी। लेकिन जिन शास्त्री जी को वे सटियाते नहीं थे, उनके द्वारा युद्ध के दौरान निष्कंप भाव से और तेजी से लिये गये फ़ैसलों ने अंततः अयूब को नानी याद दिला दी। शास्त्री जी ने भारतीय सेनाओं से कहा कि वे देश की रक्षा के लिए कुछ भी उठा न रखें और उन्हें

सिर्फ यह बतायें कि इसके लिए उन्हें क्या-क्या चाहिए। उनकी इस सदाशयता के उत्साह से भरी भारतीय सेना ने छह सितंबर,1965 की सुबह अमृतसर के रास्ते पाकिस्तानी पंजाब में घुसकर लाहौर तक पहुंचने का अपना अभियान शुरू किया तो दुश्मन को उसकी भनक तक नहीं लगने दी और कुछ ही घंटों में डोगराई के उत्तर में बड़े क्षेत्र पर क़ब्ज़ा कर इच्छोगिल नहर को पार कर लिया। अयूब ख़ां को इसकी खबर हुई तो उनकी आंखों के आगे अंधेरा छाने लगा।

उन्होंने आईएसआई के प्रमुख ब्रिगेडियर रियाज़ हुसैन को फ़ोन किया तो पाया कि इस बाबत उन्हें कोई जानकारी ही नहीं थी। बहरहाल, इसके बाद मजाक उड़ाने की बारी शास्त्री जी की थी। 26 सितंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान पर एक सभा में उन्होंने कहा, 'सदर अयूब ने एलान किया था कि वे दिल्ली तक चहलक़दमी करते हुए पहुंच जाएंगे। वो इतने बड़े आदमी हैं, लहीम-शहीम हैं। मैंने सोचा कि उनको दिल्ली तक पैदल चलने की तकलीफ़ क्यों दी जाए। हम ही लाहौर की तरफ़ बढ़कर उनका इस्तक़बाल करें।' यह तो सुविदित ही है कि बाद में ताशकंद में वार्ता की मेज पर अयूब ने गिड़गिड़ाते हुए शास्त्री जी से कहा कि समझौते में कुछ तो ऐसा कर दें, जिससे बेचारे पाकिस्तान जाकर मुंह दिखा सकें। शास्त्री जी ने कहा कि माफ कीजिए, सदर साहब, मैं आपकी यह सेवा नहीं कर सकता। यों धूल चाटने के बावजूद पाकिस्तान को नहीं सुधरना था और वह नहीं सुधरा। 1971 में पूर्वी पाकिस्तान (अब बंग्लादेश) के साथ अपने अंतर्विरोध नहीं सुलझा सका तो वहां भीषण कत्लोगारत के बाद तीन दिसम्बर, 1971 को खुन्नस में भारत पर एक और हमला कर दिया। फिर तो उसकी ऐसी शामत आई कि 16 दिसम्बर, 1971 को ढाका में जनरल अमीर अब्दुल्ला खान नियाजी के नेतृत्व में उसके 93 हजार से ज्यादा शस्त्र सज्जित सैनिकों को घुटनों के बल आकर आत्मसमर्पण कर देना पड़ा। दुनिया के इतिहास में अन्य किसी भी युद्ध में इतनी बड़ी संख्या में सैनिकों ने आत्मसमर्पण नहीं किया। वह भी जब उनके पास गोला-बारूद, हथियारों और रसद की कोई कमी नहीं थी। इस युद्ध के फलस्वरूप पाकिस्तान दो टुकड़ों में बंट गया। उसका पूर्वी हिस्सा बंगलादेश नाम से नया राष्ट्र बन गया। अनंतर, उसने कुटिलतापूर्वक भारत में आतंकवाद को प्रश्रय देने और उसके जरिये छद्म युद्ध लड़ने का रास्ता अपना लिया। फ़रवरी, 1999 में उसने दोहरी चाल चलकर एक ओर भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को लाहौर बुलाकर दोनों देशों के बीच नए रिश्ते की शुरुआत का समझौता किया, तो दूसरी ओर कश्मीर में कारगिल की पहाड़ियों पर अपने सैनिकों की घुसपैठ करा दी। इस युद्ध में बुरी तरह हार के बाद नवाज शरीफ सरकार का तख्ता पलट हो गया और सेनाध्यक्ष परवेज मुशर्रफ ने सत्ता अपने हाथ में ले ली।

पाकिस्तान की बार-बार हारकर भी न सुधरने की प्रवृत्ति की कोई भी कहानी उसके विदेशमंत्री, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति रहे जुल्फिकार अली भुट्टो के जिक्र के बगैर पूरी नहीं हो सकती। जब 1974 में भारत ने पोखरन में पहला परमाणु परीक्षण किया तो उन्हें फिर बहुत मिर्ची लगी। तब प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी घास खाकर गुजर कर लेंगे, लेकिन परमाणु बम बनाएंगे। लेकिन इससे पहले कि वे अपना यह 'सपना' पूरा कर पाते उनके सेना प्रमुख जनरल जिया-उल-हक ने उनको सत्ता से बेदखल कर दिया और एक राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की हत्या के मामले में उन पर मुकदमा चलाकर 4 अप्रैल, 1979 को फांसी पर लटका दिया। अब, इस सबसे कोई सबक लिये बिना भुट्टो के नाती बिलावल भुट्टो जरदारी, भारत द्वारा सिंधु नदी जल समझौते को निलंबित करने से चिढ़कर कह रहे हैं कि सिंधु में पानी बहेगा या उनका (भारतीयों का) खून। यह तो हद है भाई।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

सोशल मीडिया
सुनील कुमार महला

ट्रोलर्स दूसरों की निजता व गरिमा का भी ख्याल रखें

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले में अपने पति, भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल को खोने वाली हिमांशी नरवाल को हाल ही में ट्रोलर्स ने निशाना बनाया। दरअसल, वह लगातार शांति की अपील कर रही थी और उन्होंने पत्रकारों के सामने यह बात कही थी कि-'हम नहीं चाहते कि लोग मुसलमानों या कश्मीरियों के ख़िलाफ़ जाएं। हम शांति चाहते हैं और केवल शांति। बेशक, हम न्याय चाहते हैं, जिन्होंने ग़लत किया है उन्हें सज़ा मिलनी चाहिए।' यह बहुत ही अफसोसजनक है कि मुसलमानों या कश्मीरियों के खिलाफ नफरत न फैलाने की अपील करने वाली हिमांशी नरवाल को ट्रोलर्स द्वारा निशाना बनाया गया और उन पर अभद्र टिप्पणियां की गईं, यहां तक कि उन्हें हिंसा की धमकियां भी दी गईं। हिमांशी नरवाल ही नहीं, एक बच्ची से दरिंदगी के खिलाफ सड़क पर उतरे लोगों की मर्यादाहीन भाषा पर एतराज जताने वाली शैला नेगी को भी अभद्र टिप्पणियों और धमकियों का सामना करना पड़ा। यहां पाठकों को यह बताता चलूं कि नैनीताल में मचे बवाल (मुस्लिमों को गाली दे रहे प्रदर्शनकारियों से भिड़ने पर) के बीच एक स्थानीय महिला शैला नेगी का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ। वीडियो के वायरल होने के बाद शैला नेगी को रेप तक की धमकी दी गई। बहरहाल, इससे बड़ी बात भला और क्या हो सकती है कि सोशल मीडिया आज धमकियों का प्लेटफार्म बन चुका है। वास्तव में, सोशल मीडिया पर आज किसी को भी ट्रोल करना, किसी व्यक्ति विशेष पर ऊल-जलूल और अभद्र टिप्पणियां करना, धमकियां देना, जो भी मन में आए वह कंटेंट डाल देना जैसी बातें आम हो चली हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय में हम पाश्चात्य संस्कृति में जीने लगे हैं और भारतीय संस्कृति और इसके नैतिक मूल्यों, आदर्शों और प्रतिमानों को लगातार भूलते चले जा रहे हैं। सच तो यह है कि सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के साथ ही आज हमारे समाज से नैतिक मूल्यों में निरंतर गिरावट देखी जा रही है। आज सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से लोगों में सहानुभूति की कमी, साइबर बुलिंग (बिना किसी डर के दूसरों को निशाना बनाना) और व्यक्तिगत जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। लोग अब अपनी निजता का सम्मान नहीं करते हैं और दूसरों की भावनाओं की बिल्कुल भी परवाह नहीं करते हैं कि वे एक सार्वजनिक मंच पर क्या कह रहे हैं और वास्तव में उन्हें क्या कहना चाहिए और क्या नहीं कहना चाहिए तथा इसका समाज और देश पर क्या और किस कदर प्रभाव पड़ सकता है? वास्तव में होना तो यह चाहिए कि सोशल मीडिया पर हम दूसरों के प्रति सम्मान और सहानुभूति दिखाएं, और उनके विचारों का सम्मान करें। सोशल मीडिया पर ग़लत सूचनाओं, जानकारी को शेयर ना करें और सोशल मीडिया पर अपने समय को सीमित करते हुए हम व्यक्तिगत जीवन को प्राथमिकता दें। आज ट्रोलर्स सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर ऐसा बर्ताव करते हैं, जिसके सामने कोई नियम-कायदा, नैतिकता या मर्यादा नहीं टिकती। हिमांशी नरवाल और शैला नेगी इसी ट्रेंड का शिकार हुई। वास्तव में ट्रोलर्स को अपनी बात रखने, अपनी अभिव्यक्ति देने की अपनी आजादी तो नजर आती है, लेकिन इस दौरान उन्हें सामने वाले के अधिकार और उसकी गरिमा, नैतिकता आदि का ध्यान नहीं रहता। यह बात ठीक है कि किसी व्यक्ति विशेष की बातों से सहमत या असहमत हुआ जा सकता है, लेकिन इसे व्यक्त करने का तरीका शालीन, सभ्य व नैतिकता को ध्यान में रखने वाला होना चाहिए। वास्तव में सोशल मीडिया पर कंटेंट जानकारी परक, अच्छा, प्रासंगिक, विशिष्ट, मर्यादित होना चाहिए। कहना ग़लत नहीं होगा कि सोशल मीडिया पर अमर्यादित और अभद्र भाषा का इस्तेमाल तो बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। हमें यह याद रखना चाहिए कि सोशल मीडिया का दायरा बहुत ही व्यापक है और जब हम कोई बात ऐसे मंच पर कहते हैं तो यह बहुत दूर तक जाती है। इसलिए सोशल मीडिया इस्तेमाल करते समय इसके प्रभाव और पहुंच को लेकर हमेशा सतर्क व पूर्ण जागरूक रहना चाहिए। ऐसा भी नहीं है कि हिमांशी नरवाल और शैला नेगी को सोशल मीडिया पर सपोर्ट करने वाले लोग नहीं हैं लेकिन दुखद बात यह है कि ग़लत चीजों को सपोर्ट करने वाले लोग आज कहीं अधिक नजर आते हैं। आज जरूरत इस बात की है कि सोशल मीडिया के सही उपयोग पर गाइडलाइंस बनाईं जाएं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को अपनी सामग्री पर निगरानी रखने और गलत सूचना को रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए। वहीं,आम आदमी को भी चाहिए कि वे सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को समझें।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कैसे चेतना को विस्तृत करता है योग?

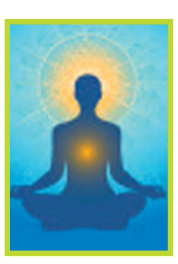

संकलित
दर्शन

योग के आठ अंग हैं और उनमें से मात्र एक अंग है शारीरिक मुद्राएं या आसन। योग मात्र व्यायाम नहीं है, इसमें मुख्य बात मन की समरसता को बनाए रखना है। जब आप कोई भी कार्य सजगता से करते हैं, तब आप इस बात के प्रति सजग होते हैं कि आप क्या कह रहे हैं। यही आपको योगी बनाता है। योग के प्रतिपादक पतंजलि ने बताया है कि योग का उद्देश्य दुख को आने से पहले ही दूर कर देना है। लालच, क्रोध, जलन, घृणा, निराशा आदि नकारात्मक भावनाओं को योग से मिटाया जा सकता है। जब आप खुश होते हैं, तब आप अपने भीतर एक विस्तार की भावना का अनुभव करते हैं। विफलता या अपमान की स्थिति में लगता है कि हमारे भीतर कुछ सिकुड़ गया है। इस पर ध्यान देना ही योग है, जिसका हमारे खुश हो जाने पर विस्तार होता है और जो हमारे दुखी हो जाने पर सिकुड़ जाता है। मन की इस स्थिति को परिवर्तित करने का रहस्य योग में है। यह आपको स्वतंत्र बनाता है। अपनी ही भावनाओं के द्वारा पीड़ित होने के बजाय आप जिस समय जैसा महसूस करना चाहते हैं, योग उसके लिए आपको शक्ति प्रदान करता है। योग निश्चित रूप से आपको अधिक जिम्मेदार बनाता है, क्योंकि योग से आपके भीतर ऊर्जा एवं उत्साह उत्पन्न होता है। आप तब जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते हैं, जब आप थके हुए और तनावग्रस्त होते हैं। यदि आपने अपनी थकान और तनाव को संभाल लिया, तब आप निश्चित रूप से अधिक जिम्मेदारी उठाएंगे और आपके भीतर हल्कापन भी बना रहेगा।

तुलसीदास जी द्वारा श्रीराम के दर्शन का उपाय

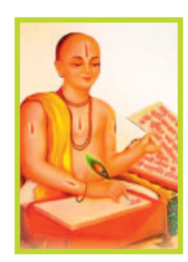

संकलित
प्रेरणा

एक ब्राह्मण दिनभर गोस्वामी जी के कुटिया के बाहर बैठकर लोभवश राम-राम रटता। संध्या के समय श्रीहनुमान जी उसे धन दे देते थे। एक बार उसने भगवान के दर्शन के लिए बड़ा हठ किया। गोस्वामी जी ने कहाः उसके लिए प्रेम और भाव चाहिए, संत की कृपा चाहिए। ऐसे ही एकदम भगवान नहीं मिलते। उसने कहाः आप समर्थ महापुरुष है, आप भगवान् के दर्शन करवा सकते है। वह हठ पर अड़ गया। गोस्वामी जी ने कहाः ठीक है यहाँ सामने इस पेड़ पर चढ़ जाओ, पेड़ के नीचे त्रिशूल गाढ़ दो और उस त्रिशूल पर कूद पडो। भगवान् के दर्शन हो जायेंगे। वह त्रिशूल गाडकर वृक्षपर चढ़ा, परंतु कूदने की हिम्मत नहीं हुई। एक घुडसवार उधर से जा रहा था, उसने पूछाः पेड़ पर क्या कर रहे हो? ब्राह्मण बोलाः तुलसीदास जी ने कहा है पेड़ पर से त्रिशूल पर कूदो तुम्हे भगवान् श्रीराम के दर्शन होंगे। उस व्यक्ति ने कहाः क्या सच में यह बात तुलसीदास जी के श्रीमुख से निकली है? ब्राह्मण बोलाः जी हाँ ! वह व्यक्ति तुरंत पेड़ पर चढ़कर त्रिशूलपर कूद पडा। उसे भगवान ने आकर हाथ से पकड़ लिया और उसे श्रीराम के दर्शन प्राप्त हो गये। हनुमान जी ने उसे तत्त्वज्ञान का उपदेश भी दिया। गोस्वामी जी ने सत्य ही कहा था, जिनमें प्रेम-भाव हो एवं संत की कृपा हो वही भगवान के दर्शन पाता है।

केदारनाथ दर्शन

रुद्रप्रयाग जिले में मंगलवार को केदारनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचे।

आज की पाती

क्या किसी की भूख की तस्वीर लेना जायज है?

आज का युग 'डिजिटल करुणा' का युग बन चुका है, जहां इनसानियत, परोपकार और सहानुभूति जैसे मूल्य अब मौन संवेदनाओं की बजाय कैमरे की फ्लैश में दर्ज होते हैं। पहले जहां 'नेकी कर दरिया में डाल' की परंपरा जीवित थी, अब वह बदलकर 'नेकी कर, सोशल मीडिया पर डाल' हो चुकी है। भलाई की भावना मनुष्य की सबसे पवित्र प्रवृत्तियों में से एक है। किन्तु आज के समय में यह गुण मंच पर आ चुका है– एक ऐसा मंच जहां तालियां हैं, टिप्पणियां हैं, और सबसे ज़रूरी, एक कैमरा है जो हर क्षण को 'दृश्य' बनाता है। एक समय था जब कोई वृद्ध भूखा दिखता, तो राह चलते लोग बिना कुछ कहे उसे कुछ खाने को दे जाते थे। लेकिन अब किसी की भूख बुझाने की भी तस्वीरें ली जा रही हैं। *– प्रणय शर्मा, दुर्ग*

ट्रेंड

अपूरणीय आध्यात्मिक क्षति

चंबल अंचल के सिद्ध संत, परम पूज्य श्री श्री 1008 माखनदास जी महाराज के ब्रह्मलीन होने का दुःखद समाचार मिला। महाराज जी ने अपनी तपस्या, सेवा और भक्ति से लाखों लोगों को प्रभु-मार्ग की ओर प्रेरित किया। उनका विछोह अंचल के लिए एक अपूरणीय आध्यात्मिक क्षति है।
-ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय संचार मंत्री

डिजिटलीकरण परियोजना

एनएआई ने ऐतिहासिक दस्तावेजों के डिजिटलीकृत पन्नों की 10 करोड़ की संख्या को पार कर लिया है। डिजिटलीकरण परियोजना का उद्देश्य इस संस्थान के पास मौजूद ऐतिहासिक दस्तावेजों को जनता के लिए और अधिक सुलभ बनाना है।
-गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय संस्कृति मंत्री

हमें एकजुट रहना है

पहलगाम हमले में शहीद हुए लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के शोकाकुल परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। अपार दुख में भी उनका हौसला और साहस देश के लिए एक संदेश है - हमें एकजुट रहना है।
-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

हॉलीवुड को प्रोत्साहन

राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा अमेरिका में आयात की जाने वाली सभी फिल्मों पर 100% टैरिफ लगाने से हॉलीवुड को अमेरिका से बाहर जाने के लिए प्रोत्साहन मिल सकता है! जो उन्होंने इरादा किया था, उसके विपरीत।
-शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

कनाडा से अलग होने दिया जनमत संग्रह का प्रस्ताव

कनाडा में अल्बर्टा प्रांत की प्रमुख ने सोमवार को कहा कि अगर नागरिकों द्वारा प्रस्तुत अर्जी पर अपेक्षित संख्या में लोगों के हस्ताक्षर सामने आते हैं तो वह अगले वर्ष कनाडा से अलग होने के मुद्दे पर जनमत संग्रह कराएंगी। सोशल मीडिया पर अपने 'लाइवस्ट्रीम' संबोधन में डैनियल स्मिथ ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से इस प्रांत के कनाडा से अलग होने का समर्थन नहीं करती हैं और उन्होंने एकजुट कनाडा के भीतर एक मजबूत और संप्रभु अल्बर्टा के लिए 'बेहतर भविष्य' की आशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'चाहे जो भी वजह हो क्या कनाडा को हमारे प्रांत पर हमला करना जारी रखना चाहिए जैसा कि बीते कुछ दशक में किया गया है, आखिरकार यह अल्बर्टावासियों को तय करना होगा।' उन्होंने कहा, 'मैं उनके (लोगों के) निर्णय को स्वीकार करूंगी।' स्मिथ की घोषणा प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी के लगातार चौथी बार संघीय सरकार बनाने के एक सप्ताह बाद आई है। यह ऐसे वक्त में भी हुआ है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार कनाडा पर शुल्क लगाने की धमकी दे रहे हैं तथा देश (कनाडा) को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात करते हैं।

ऑफ बीट

बुध ग्रह अभी भी सिकुड़ता जा रहा

ग्रह वैज्ञानिक लंबे समय से जानते हैं कि बुध अरबों वर्षों से सिकुड़ रहा है। सूर्य के सबसे निकट ग्रह होने के बावजूद, आंतरिक गर्मी निकल जाने के कारण इसका आंतरिक भाग ठंडा होता जा रहा है। इसका मतलब यह है कि जिस चट्टान (और, उसके भीतर, धातु) से यह बना है, उसका आयतन थोड़ा सिकुड़ता जा रहा है। हालाँकि, यह अज्ञात है कि ग्रह आज भी किस हद तक सिकुड़ रहा है – और, यदि यह वाकई सिकुड़ रहा है, तो यह भी कोई नहीं जानता कि यह प्रक्रिया कितने समय तक जारी रहने की संभावना है। चूँकि बुध का आंतरिक भाग सिकुड़ रहा है, इसकी सतह (परत) के पास ढकने के लिए उत्तरोत्तर कम क्षेत्र रह गया है। यह 'दबाव थ्रस्ट' विकसित करके इसका जवाब देता है – जहां क्षेत्र का एक भाग निकटवर्ती इलाके पर धकेल दिया जाता है। यह सेब के पुराने होने पर उस पर पड़ने वाली झुर्रियों की तरह है, फर्क सिर्फ इतना है कि एक सेब इसलिए सिकुड़ जाता है क्योंकि वह सूख रहा है जबकि बुध अपने आंतरिक भाग के तापीय संकुचन के कारण सिकुड़ रहा है। बुध के सिकुड़ने का पहला सबूत 1974 में सामने आया जब मेरिनर 10 मिशन ने सैकड़ों किलोमीटर तक अपना रास्ता बना चुकी कई किलोमीटर ऊंची स्कार्पियों (रैंप जैसी ढलानों) की तस्वीरें प्रसारित कीं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

MARUTI SUZUKI
NEXA
BOLDER THE MOVE.
BIGGER THE IMPACT.
Stand out from the crowd in NEXA's bold premium hatchback, the New Age Baleno.
BALENO
THE NEW AGE
BALENO
TECH GOES BOLD
1st in Segment
360 VIEW CAMERA
1st in Segment
HEAD UP DISPLAY
6 AIRBAGS^
IN-BUILT SUZUKI CONNECT
3 years 100 000 km WARRANTY*
EXTENDABLE UPTO 6 YEARS
BENEFITS UP TO ₹ 67 500**
ADDITIONAL SCRAPPAGE BONUS AVAILABLE AGAINST VALID CERTIFICATE OF DEPOSIT
SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU
E-BOOK TODAY @ WWW.NEXAEXPERIENCE.COM
Contact us at
1800-200-6392
1800-102-6392
For any bulk purchase enquiries please email to renjith.nair@maruti.co.in
** For detailed T&C kindly visit nearest dealership. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice and offers may vary across variants. Offer includes consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offer (wherever applicable) on select models/variants. Finance is at the sole discretion of financier. *3 years or 100 000 km – whichever is earlier. Scrappage offer valid for limited period only and is brought to you by Maruti Suzuki Toyotsu India Private Limited (a joint venture company between Maruti Suzuki India Ltd and Toyota Tsusho Group). **Above offers are valid till 31st May 2025. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Car color may vary due to printing on paper. #Regal Edition kit is available for ₹ 5000 in non-sigma variants.

सुरता

डा. डी. पी. देशमुख

सदा के लिए ओझल हो गए आल्हा गायक नारायण चंद्राकर

छत्तीसगढ़ अंचल में दुर्ग जिले के जामगांव आर में 14 दिसंबर 1955 को नारायण प्रसाद चन्द्राकार जी का जन्म हुआ था। आप बी एस पी उ मा वि भिलाई से भूगोल विषय के व्याख्याता के पद पर कार्य करते सेवानिवृत्त हुए। आप जीवन भर शिक्षाविद होने के साथ साथ साहित्यकार और लोक कलाकार के रूप में परिश्रम करते रहे। आपकी छत्तीसगढ़ महतारी के प्रति जीवटता का अंदाज इसी से

लगाया जा सकता है कि आप अपने पैतृक गांव में किसान और किसानिन की मूर्ति स्थापित किए। सबसे अच्छी बात यह रही कि आपके कार्यों में परिवार का हमेशा सहयोग मिला। आप जहां भी जाते धोती कुर्ता के साथ रंग बिरंगी पगड़ी आपकी विशेष पहचान रहती। आपने साक्षरता पर काम करने के साथ ही छत्तीसगढ़ी वीडियो फिल्म का भी निर्माण किया। आप गद्य और पद्य साहित्य दोनों में ही लेखन करते रहे। आपने कई पुस्तकों का प्रकाशन भी कराया। अंत में लंबे समय आल्हा गायन की शैली में हमारे विभूतियों को जन मानस में चित्रित करते रहे। आप आल्हा से संबंधित मंचीय प्रस्तुति भी देते रहे। आपकी इस प्रस्तुति के कारण आल्हा गायन के रूप में विशेष पहचान बनी। नारायण प्रसाद चन्द्राकार जी अपने जीवन में सरलता के साथ बड़े से बड़े काम को आसानी से निपटा लिया करते थे और इसी सरलता के कारण ही कला और साहित्य जगत में लोकप्रिय हुए। आप वरिष्ठ और कनिष्ठ कलाकार तथा साहित्यकारों के बीच बेहतर संतुलन बनाकर काम करते थे। साहित्यिक और लोक मंचों में आपकी उपस्थिति बराबर देखी जाती थी।

पौराणिक

डा. सत्यभामा आडिल

भानुमति ही कौशल्या नाम से प्रसिद्ध हुई

रामकथा से संबंधित प्राचीन धर्म ग्रंथों में उत्तर और दक्षिण कोसल का वर्णन मिलता है। दक्षिण कोसल प्रदेश में चंद्रखुरी ग्राम स्थित था। वहां के राजा भानुमंत की पुत्री भानुमति थी। भानुमंत का एक नाम सुकौशल और माता का नाम सुबाला था। भानुमति कौशल नरेश सुकौशल की पुत्री होने के कारण कौशल्या कही जाने लगी। अर्थात भानुमति ही कौशल्या नाम से प्रसिद्ध हुई।

विवाह से पूर्व ही कौशल्या ने वेद शास्त्रों और धर्म ग्रंथों का अध्ययन किया था। फलस्वरूप राजकुमारी कौशल्या की प्रसिद्धि चारों ओर फैलने लगी। सम्पूर्ण कोसल प्रदेश में भ्रमण करने वाले विद्वान धर्म पंडितों से युवराज दशरथ के राज्याभिषेक में सभी प्रदेशों के राजाओं के साथ साथ दक्षिण कोसल के राजा भानुमंत यानी सुकौशल को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। वे अपनी पुत्री भानुमति कौशल्या के साथ उस राज्याभिषेक में गए।

युवराज दशरथ के राज्याभिषेक समारोह में राजकुमारी भानुमति की तेजस्विता व सौम्य स्वरूप ने उन्हें आकर्षित कर लिया। राज्याभिषेक के बाद युवराज दशरथ ने राजा भानुमंत से भानुमति के साथ विवाह करने का प्रस्ताव रखा, जिसे भानुमंत से सहर्ष स्वीकार कर लिया। इसके बाद वैदिक रीति रिवाज के अनुसार विवाह सम्पन्न हुआ। लोक मान्यता है कि इस विवाह के अवसर पर कौशल्या नरेश ने अपनी पुत्री को स्त्री धन के रूप में दस हजार गांव दान में दिए थे।

गांव की कहानी

बजरंग लोहिया

कई दृष्टिकोण से महत्व का गांव केलेंडा

यह ग्राम वर्तमान सरायपाली से लगभग 22 कि मी दूर पूर्व दिशा में स्थित है। इस ग्राम में कोलडिही नामक एक पुराना बसाहट है जहां राजत्व काल में कोल जाति के लोगों में बीरकोल, परसकोल, कोलबहाल आदि ग्रामों में भी कोल जाति का निवास था। संभवतः इसी कोलडिही के नाम पर ही इस ग्राम का नाम कालान्तर में परिवर्तित होकर केलेंडा पड़ गया होगा। इस ग्राम के समीप पर्वत पर पोड़झरन, बहियाझरन, मुनिझरन प्राकृतिक स्थल है। इस ग्राम में एक जगन्नाथ मंदिर है जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की मूर्ति है। इस मंदिर के सामने गरुड़जी की एक पाषाण मूर्ति है जो काले पत्थर की बनी हुई है। इस ग्राम में पूर्व जमींदार परिवार के वंशज रहते हैं जो बिंझवार जाति के हैं। इस जमींदार परिवार की सोलह पीढ़ी ने यहां स्वामित्व किया है। इनके अधिकार में 12 ग्राम थे, जिसे बारहपलिया कहा जाता था। इस ग्राम के मिट्टी के पहले घरों को देखने से विचित्र निर्माण प्रतीत होता है जिसमें एक घर में सात आंगन होते थे। जो भूल भुलैया सा प्रतीत होता था। बताया जाता है कि सम्बलपुर से नक्शा लाकर इस तरह के मकान बनाए जाते थे जो अन्यत्र दिखाई नहीं देते।

मुगलों के आक्रमण से भारतीय परंपराएं छिन्न-भिन्न हो गई और यहां के प्रेक्षागृह जीर्ण हो गए। तब नाटकों ने दरबारों में भाण और प्रहसन का रूप ले लिया। लेकिन लोक नाट्य की परंपरा आज भी जीवित है चाहे ढोलामारू, चंदायन या लोरिकियन रूप में हो, आज भी प्रचलित है, उनका समुचित विकास मध्य युग के धार्मिक आंदोलन की छत्र छाया में हुआ।

धार्मिक आंदोलन की छत्र छाया में हुआ नाट्य कला का विस्तार

मुगलों के आक्रमण के पूर्व भारत के सभी भागों में खासकर राज प्रसादों और मंदिरों में संस्कृत और पाली प्राकृत नाटकों के लेखन और मंथन की परंपरा रही है,लेकिन उनका संबंध अभिजात्य वर्ग तक ही सीमित था। ग्रामीणजन के बीच परंपरागत लोकनाट्य ही प्रचलित थे। मुगलों के आक्रमण से भारतीय परंपराएं छिन्न भिन्न हो गई और यहां के प्रेक्षागृह जीर्ण हो गए। तब नाटकों ने दरबारों में भाण और प्रहसन का रूप ले लिया। लेकिन लोक नाट्य की परंपरा आज भी जीवित है चाहे ढोलामारू, चंदायन या लोरिकियन रूप में हो, आज भी प्रचलित है, उनका समुचित विकास मध्य युग के धार्मिक आंदोलन की छत्र छाया में हुआ। यही युग की सांस्कृतिक चेतना का वाहक बना।

आचार्य रामचंद्र ने राम कथा को और आचार्य बल्लभाचार्य ने कृष्ण लीला को प्रोत्साहित किया। अंचल में लोक नाट्य दो रूपों में विकसित हुआ। एक तो निम्न वर्ग के देवार, नट, भट आदि लोगों में आल्हा ऊदल, ढोलामारू जैसी परंपरा को तथा पंडु, कंवर और संवरा जाति में पंडवानी और पंथी को विकसित किया। छत्तीसगढ़ में इसका प्रचार प्रसार लगभग 16 वीं और 17 वीं शताब्दी के मध्य हुआ। उत्तर भारत के रास लीला और राम लीला मथुरा, वृंदावन, काशी और इलाहाबाद से सतना, रीवा, अमरकंटक होते हुए पेंड्रा, रतनपुर, शिवरीनारायण, अकलतरा, सारंगढ़, किकिरदा, मल्दा, नरियरा, बलौदा,कवर्धा और राजिम में फैल गया। इसीलिए छत्तीसगढ़ी भाषा में अवधी और ब्रज का पुट मिलता है।

लोक नाट्यः गोपाल शर्मा

आस्था : चित्ररेखा डहरिया

लोगों की आस्था माता सरई में

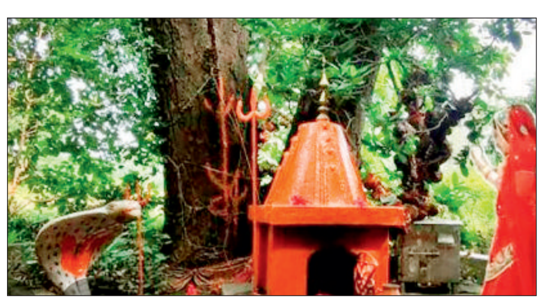

छत्तीसगढ़ का नवगठित जांजगीर चांपा जिला पुरातात्विक और नैसर्गिक कलाकृतियों के लिए प्रसिद्द है। यहां से कोरबा मार्ग पर अनेक ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व के देवी देवताओं के मंदिर देखे जा सकते हैं। ऐसे ही मंदिरों में जिला मुख्यालय से लगभग 25 कि मी दूर बलौदा कोरबा मार्ग पर डोंगरी नामक ग्राम के पास माता सरई सिंगारिनी की बगिया है। नाम से ही पता चलता है कि इस स्थान पर सरई पेड़ों का घना जंगल है। इसी घने जंगल में देवी विराजमान है। इस माता में स्थानीय निवासी कई चमत्कारी घटनाओं से भक्तों को अवगत कराते हैं। स्थानीय मान्यता के अनुसार यदि कोई इस जंगल की लकड़ी को काटने का प्रयास करता है तो उन्हें किसी न किसी दंड का भागीदारी होना पड़ता है, इस कारण कोई भी इस जंगल में लकड़ी काटने नहीं आता। इस जंगल से गुजरने वाले माता के दरबार में माथा टेकने अवश्य आते हैं। अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए भी भक्त यहां आते रहते हैं। मनोकामना पूरी होने पर भक्त नवरात्रि में जोत जवारा बोते हैं। यहां का वातावरण हरा भरा होने के कारण रमणीय लगता है।

लोक गीत

विश्वनाथ देवांगन

देवों को रिझाने के लिए गाए जाते हैं चाखना गीत

बस्तर अंचल के कांकेर क्षेत्र में धनकुल गायन के समय बीच बीच में एकरसता को तोड़ने और रस परिवर्तन के लिए मुख्य कथा से हट कर कुछ गीत गाए जाते हैं, जिन्हें चाखना गीत कहते हैं। यह गीत दो प्रकार के पहला देव चाखना और दूसरा सादा चाखना होते हैं। देव चाखना में देवी देवताओं से संबंधित गीत होते हैं, जिन पर देवी देवता रीझ जाते हैं और नृत्य करने लगते हैं, जबकि सादा चाखना इससे भिन्न होते हैं और पूरी तरह मनोरंजक। इसी तरह का देव चाखना गीत में देवी देवता से संबंधित गीत गाए जाते हैं। भोजनोपरान्त किशोर किशोरियां गांव से बाहर किसी निर्धारित स्थान पर एकत्र होकर गीत संगीत से मनोरंजन करते हैं। यह गीत प्रायः श्रृंगारिक होते हैं। दोनों पक्षों द्वारा गीत गाते नृत्य भी किया जाता है। इन गीतों को खेल गीत भी कहा जाता है। गीतों की श्रृंखला लगातार चलता रहता है। यह दृश्य काफी मनमोहक होता है।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

ऐतिहासिक

श्रीमती आशा ध्रुव

बिन्द्रानवागढ़ में राजा मारादेव की कूटनीति

छत्तीसगढ़ के बिन्द्रानवागढ़ अंचल में राजा धुरवा और राजकुमारी कचना के बीच राजा मारादेव दीवार बन कर खड़ा हो गया। मारादेव धरमतराई की राजकुमारी कचना को अपनाना चाहता था। राजकुमार धुरवा ने कचना को अपना बना लिया। इस बात की खबर मारादेव को लगने पर वह राजा धुरवा के खिलाफ उठ खड़ा हुआ।

राजा मारादेव और मारादेव के बीच घमासान युद्ध हुआ और मारादेव को मैदान छोड़ना पड़ा। मारादेव फिर से अपनी शक्ति बटोर कर राजा धुरवा के सामने युद्ध के लिए आ खड़ा हुआ। कई बार मारादेव ने धुरवा की गर्दन पर वार किया पर उसकी गर्दन धड़ से फिर जुड़ जाती। इस तरह बार बार मारादेव और धुरवा के बीच 46 युद्ध हुए। राजा धुरवा को माता जगदम्बा का आशीर्वाद प्राप्त होने व मारादेव राजा धुरवा की मृत्यु का रहस्य नहीं जानता था। मारादेव ने राजा धुरवा की मृत्यु का रहस्य जानने के लिए एक कलारिन को लालच दिया। कलारिन शराब बेचती थी। धन के लोभ में उसने मारादेव का साथ दिया। इधर राजा धुरवा माता जगदम्बा को दिए अपने वचनों को भूल बैठा। एक दिन कलारिन ने राजा धुरवा को शराब के नशे में चूर कर बड़े स्नेह से पूछा कि महाराज - आपका सिर

कट कर भी धड़ से जुड़ जाता है, क्या यह सही बात है? शराब के नशे में राजा धुरवा ने कहा -मेरा कोई बाल बांका नहीं कर सकता। क्योंकि मैंने माता जगदम्बा से वरदान प्राप्त किया है, कि मैं न थल में मर सकता हूं न ही जल में। मुझे कोई मारना चाहे तो मेरा सिर थल में हो और धड़ पानी में हो तभी मेरे सिर को काट कर थल में ही रखे और धड़ पानी में डूबा रहे तभी मेरी मृत्यु हो सकती है। मारादेव छिप कर राजा धुरवा और कलारिन की बात को सुन रहा था। उसने धुरवा की मृत्यु का रहस्य जान लिया। अब फिर एक बार मारादेव युद्ध के लिए धुरवा को ललकारा। मारादेव धुरवा को मारने के लिए अपनी योजना में सफल हो गया। उसने अपनी कूटनीति से धुरवा का वध करने के बाद कचना को अपने साथ ले जाना चाहा, परंतु कई कोशिशों के बाद भी कचना को हिलाने में भी सफल नहीं हो सका और अंत में हार कर कचना को छोड़ कर चला गया। रोते बिलखते कचना ने अपने प्राण वहीं त्याग दी।

भारत टेलीकॉम कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा

एप्पल अपने सभी मोबाइल फोन भारत में बनाएगा और यहीं से खरीदेगा : सिंधिया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कहा कि वर्तमान में भारत में निवेश करना हर मूल उपकरण विनिर्माता के लिए आर्थिक रूप से समझदारी भरा कदम है। उन्होंने इस संबंध में अमेरिकी स्मार्ट उपकरण कंपनी एप्पल के उस फैसले का उदाहरण दिया जिसमें उसने अमेरिका में बिकने वाले अधिकतर आईफोन को भारत में बनाने तथा यहां से खरीदने का निर्णय लिया है।

- भारत में निवेश करना आर्थिक रूप से समझदारी भरा कदम

'भारत टेलीकॉम' कार्यक्रम में सिंधिया ने कहा कि वर्तमान में भारत में निवेश केवल सद्भावना का कार्य नहीं है, बल्कि यह हर एक ओईएम (मूल उपकरण विनिर्माता) के लिए आर्थिक रूप से समझदारी भरा कदम है। सिंधिया ने कहा, '' एप्पल ने आने वाले वर्षों में अपने सभी मोबाइल फोन भारत में ही बनाने तथा यहीं से खरीदने का निर्णय लिया है। जब आप भारत में निवेश करते हैं, तो आप सामर्थ्य, विश्वसनीयता और मौलिकता का चयन करते हैं।''

खास बातें

- चीन अन्य बाजारों के लिए सर्वाधिक आईफोन बनाना जारी रखेगा
- भारत में एप्पल फोन बनने से 25 हजार नौकरियां हुई सृजन

एप्पल के सीईओ कुक ने कहा, आपूर्ति भारत से होगी

एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने हाल ही में कहा था कि जून तिमाही में अमेरिका में बेचे जाने वाले अधिकतर आईफोन की आपूर्ति भारत से की जाएगी। वहीं शुल्क दरों पर अनिश्चितता के बीच चीन अन्य बाजारों के लिए सर्वाधिक आईफोन बनाना जारी रखेगा।

भारत का दूरसंचार बाजार कई गुना बढ़ा

सिंधिया ने कहा कि सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना से लाभान्वित दूरसंचार उपकरण बाजार में कई गुना वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा, '' केवल 4,000 करोड़ रुपये, यानी आधा अरब डॉलर के निवेश के परिणामस्वरूप 80,000 करोड़ रुपये की बिक्री हुई है, निर्यात में 16,000 करोड़ रुपये का योगदान रहा और 25,000 नौकरियां सृजित हुई हैं।

भारत आयातक से बड़ा निर्यातक बना

दूरसंचार राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि 2014 के आसपास भारत मोबाइल फोन का एक बड़ा आयातक था, लेकिन अब वह मोबाइल फोन का एक बड़ा उत्पादक व निर्यातक बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत का मोबाइल फोन उद्योग 2014 में 60 लाख फोन बनाने और 21 करोड़ मोबाइल फोन आयात करने से बदलकर 2024 में कुल 33 करोड़ मोबाइल फोन का उत्पादन और पांच करोड़ फोन का निर्यात करने वाला बन गया है।

आईफोन उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी 15 फीसदी

पेम्मासानी ने कहा, '' इसके अलावा अगर आप वैश्विक स्तर पर आईफोन उत्पादन पर नजर डालें, तो आज उसमें 15 प्रतिशत हिस्सेदारी भारत की है।'' बाजार अनुसंधान कंपनी आईडीसी के अनुसार, एप्पल ने दुनिया भर में 23.21 करोड़ आईफोन की आपूर्ति की है।

भारतीय जमीन पर चिप का निर्माण

पेम्मासानी ने कहा कि 'सेमीकंडक्टर मिशन'.. भारत को इलेक्ट्रॉनिक, सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र में बदल रहा है। उन्होंने कहा, '' भारतीय जमीन पर सेमीकंडक्टर विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना हमारी प्रौद्योगिकी संप्रभुता में एक महत्वपूर्ण क्षण है।''

बिकने वाला है यस बैंक, जापान की कंपनी सुमितोमो के हाथ आ सकता है कंट्रोल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

मंगलवार को यस बैंक के शेयरों में खास हलचल देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में यस बैंक के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 9.6 परसेंट की उछाल के साथ 19.44 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गए. हालांकि, दोपहर के कारोबार में इसमें कुछ गिरावट देखने को मिली। बैंक के शेयर कुछ गिरावट के साथ 18.11 रुपए प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे हैं। पिछले कारोबारी सेशन में यस बैंक के शेयर 17.98 रुपए प्रति शेयर पर बंद हुए थे। दरअसल, यस बैंक में 51 परसेंट हिस्सेदारी खरीदने को लेकर जापान की सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कार्प (एसएमबीसी) की बैंक से बातचीत चल रही है। अगर डील पर बात पक्की हो जाती है, तो यह शायद भारत के बैंकिंग सेक्टर में हुआ अब तक का सबसे बड़ा सौदा माना जाएगा।

इस चीज पर फंसा हुआ है पेंच

जापान के दूसरे सबसे बड़े बैंक सुमितोमो मित्सुई फाइनेंशियल ग्रुप की यूनिट एसएमबीसी पिछले साल से ही यस बैंक के सबसे बड़े इंवेस्टर भारतीय स्टेट बैंक और रिजर्व बैंक के साथ बातचीत कर रहा है, लेकिन ओनरशिप और वोटिंग राइट्स पर बात अटकी हुई है। बताया जा रहा है कि आरबीआई की तरफ से एसएमबीसी को यस बैंक में 51 परसेंट हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी मिल गई है। यह भी बताया जा रहा है कि इस डील को फाइनल करने के लिए एसएमबीसी की एसबीआई से भी बातचीत चल रही है।

यस बैंक में जापान की कंपनी सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कार्प खरीदेगी हिस्सेदारी

जापान की कंपनी खरीदेगी 51 फीसदी हिस्सेदारी

इससे पहले साल 2020 में खराब वित्तीय हालत से जूझ रहे लक्ष्मी विलास बैंक को सिंगापुर के डीबीएस बैंक से मर्ज किया गया था। इसके बाद देश के बैंकिंग सेक्टर में इतनी बड़ी डील अब तक नहीं हुई। यदि सौदा पूरा होता है तो यस बैंक निजी क्षेत्र के बड़े बैंकों में शामिल हो जाएगा और बैंक पर सिंगापुर की कंपनी का होगा कंट्रोल।

इतने में होगा सौदा

रिपोर्ट के मुताबिक, यह डील 1.7 बिलियन डॉलर (लगभग 14,000 करोड रुपए) में वैल्यू की जा सकती है। सुमितोमो या तो सीधे 26 परसेंट से कम हिस्सेदारी खरीदेगा और शेयर स्वैप के जरिए मर्जर करेगा या 26 परसेंट हिस्सेदारी खरीदकर ओपन ऑफर लाएगा।

बुकफील्ड इंडिया रीट की आय 16 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध परिचालन आय 16 प्रतिशत बढ़कर 488.5 करोड़ रुपये हो गई है। एक साल पहले इसी अवधि में उसकी शुद्ध परिचालन आय (एनओआई) 422 करोड़ रुपये रही थी। ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट ने यूनिटधारकों को 319 करोड़ रुपये वितरित करने की घोषणा की है। शेयर बाजार को दी सूचना के अनुसार, कंपनी ने जनवरी-मार्च तिमाही के लिए अपने यूनिटधारकों को 319.1 करोड़ रुपये (5.25 रुपये प्रति यूनिट) वितरित करने की घोषणा की। जो वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही की तुलना में 10.5 प्रतिशत अधिक है। समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में एनओआई सालाना आधार पर 1,350 करोड़ रुपये से 37 प्रतिशत बढ़कर 1,854 करोड़ रुपये हो गई।

आईएचसीएल का लाभ 28 फीसदी बढ़ 562 करोड़

नई दिल्ली। टाटा समूह के स्वामित्व वाली इंडियन होटल्स कंपनी का मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 28.4 प्रतिशत बढ़कर 562.66 करोड़ रुपये हो गया। देश की सबसे बड़ी होटल कंपनी को एक साल पहले की समान अवधि में एकीकृत आधार पर 438.33 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इंडियन होटल्स ने सोमवार को शेयर बाजार को जनवरी-मार्च, 2025 तिमाही के वित्तीय नतीजों की सूचना दी। नियामकीय सूचना के मुताबिक, मार्च तिमाही में इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) का

परिचालन राजस्व एक साल पहले के 1,905.34 करोड़ रुपये से 27.3 प्रतिशत बढ़कर 2,425.14 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, आलोच्य अवधि में कंपनी का कुल खर्च एक साल पहले की समान अवधि के 1,416.77 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,764.26 करोड़ रुपये हो गया।

Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703,
Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

धारा 13(2) के तहत मांग सूचना

आप, नीचे उल्लिखित ऋणधारकों ने अनुसूची में उल्लिखित संपत्ति को बंधक रखकर ऋण लिया है और आप, नीचे उल्लिखित ऋणधारक ऋण समझौते के लिए ऋणधारक/सह-ऋणधारक जमानतदार के रूप में हैं। आपके द्वारा किए गए चूक के परिणामस्वरूप, आपके ऋण खाते को वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (संक्षेप में सरफेसी अधिनियम) के प्रावधानों के तहत 06-05-2025 को गैर -निष्पादित परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है। हम, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड ने आपके द्वारा दिए गए पते पर सरफेसी अधिनियम की धारा 13(13) के साथ धारा 13(2) के तहत मांग नोटिस जारी किया है। उक्त नोटिस 06-05-2025 को जारी किए गए हैं और इन नोटिसों में कहा गया है कि आपने आपको स्वीकृत विभिन्न ऋणों के भुगतान में चूक की है इसलिए, वर्तमान प्रकाशन सरफेसी अधिनियम की धारा 13(2) के प्रावधान और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3(1) के प्रावधान के अनुसार सूचित करने के लिए है:-

क्र. सं.	खाता, ऋणधारक (ओं) व जमानतदार (ओं) के खाते का नाम और पता	लागू की जाने वाली सुरक्षा का ब्यौरा	मांग सूचना की तारीख तक कुल बकाया प्लस अतिरिक्त ब्याज और अन्य व्यय (रु. में)
1.	विकास देवांगन, सुचेता देवांगन	मकान-248/9, मौजा सरकंडा ख.नं. 248/9 प.ह.नं. 20 तहसील एवं जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: उत्तर - विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण में -विक्रेता की शेष भूमि, पूर्व - यशोदा की जमीन, पश्चिम में - सड़क।	12,21,937
2.	अंजू गरुड़, अंजलि गरूड़	फ्लैट-46/4, प.ह.नं. 61, मौजा घुरू, खं.नं. 46/4 (टुकड़ा), प.ह.नं. 61, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व - शेष जमीन, पश्चिम - सुनील तांबे का मकान, उत्तर - सड़क, दक्षिण - सेविंग रोड।	13,21,654
3.	संदीप लाल यादव, ओशिन लाल यादव,	मकान-ख.नं. 42/129, मौजा- अमेरी, प.ह.नं. 43, प्लॉट नं.-8 गली नं. - 2, तह. तखतपुर रानि.मं.- सकरी, बिलासपुर -495001। चौहद्दी: पूर्व में - 25 फुट रोड, पश्चिम - संतोषी राजपूत का प्लॉट, उत्तर - राजेश यादव का प्लॉट, दक्षिण - 30 फुट रोड।	10,63,135
4.	अजीत आदले, अनीता आदले, हिमानी आदले	प्लॉट-ख.नं. 147/4, प.ह.नं.-41, रा.नि.मं. सकरी मौजा सईदा, तहसील सकरी एवं जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001, चौहद्दी:पूर्व सड़क, पश्चिम - सूर्यवंशी की भूमि, उत्तर - विक्रेता की भूमि, दक्षिण - विक्रेता की भूमि।	14,94,261
5.	राहुल कछवाहा, जूही खटिक	प्लॉट-खं.142/1, व 143/1, मौजा खमतराई, प.ह.नं.25, तहसील व जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: उत्तर - विक्रेता की शेष भूमि , दक्षिण - जलनिकासी मार्ग, पूर्व - पटेल की जमीन, पश्चिम - निस्तारी सड़क।	6,89,585
6.	विजय कुमार, रेशमा बंजारे	मकान-248/3 भाग, मौजा सैदा प.ह.नं.41, तहसील सकरी जिला बिलासपुर छ.ग., बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व - प्रस्तावित सड़क, पश्चिम - प्रस्तावित सड़क, उत्तर - विक्रेता की भूमि, दक्षिण - प्रस्तावित सड़क।	14,92,676
7.	राहुल टंडन, शिप्रा टंडन,	प्लॉट-ख.नं.315/8 (भाग), प.ह.नं. 22/38, मौजा कोरमी, तहसील और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व - अजय कुमार देवांगन की भूमि, पश्चिम - अन्य की भूमि, उत्तर में - 20 फीट चौड़ी सड़क, दक्षिण - सनी छाबड़ा की भूमि।	10,81,545
8.	प्रेम सिंह ध्रुव, सारिका ध्रुव,	प्लॉट- ख.नं. 278, प.ह.नं. 53, मौजा निरतू, आर.एन.एम. पेंड्री विकास खंड, तह. तखतपुर और जिला- बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व - निस्तारी रास्ता, पश्चिम - राजकुमार पटेल का प्लॉट, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट।	10,03,331
9.	रितेश कुमार यादव, राजेश यादव	प्लॉट-ख.नं. 214/2, मौजा रामगढ़, प.ह.नं. 17/30, तहसील मुंगेली, जिला मुंगेली, मुंगेली, छत्तीसगढ़-495334। चौहद्दी: पूर्व - विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम - नारायणलाल का प्लॉट, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - निस्तारी सड़क।	13,13,897
10.	सीताराम साहू, सरस्वती साहू	फ्लैट-प.ह.नं. 41,ख.नं. 41/8 भाग, मौजा सैदा, तहसील सकरी जिला बिलासपुर छ.ग., बिलासपुर, साहू, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व - विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम - निस्तारी रास्ता, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट।	13,21,347
11.	संजय साहू, रामझूल साहू, लगनी साहू,	ख.नं.-2318/8, 2318/14, प.ह.नं. 50, मौजा चोरभट्टीकला, मौजा चोरभट्टीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी : पूर्व - वीरेंद्र कौशिक का प्लॉट, पश्चिम निस्तारी रास्ता, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट।	11,70,195
12.	आकाश गंधर्व, दिव्या भारती	प्लॉट-41/9, प.ह.नं. 41, मौजा सैदा, तह- सकरी व जिला। बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी : पूर्व - जोहर भारमल भूमि, पश्चिम- सड़क, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण में - विक्रेता का प्लॉट।	9,63,344
13.	राम प्रकाश विश्वकर्मा, मानवी विश्वकर्मा, पार्वती विश्वकर्मा, सौखीलाल विश्वकर्मा	प्लॉट-खं. 56/1, प.ह.नं. 41, मौजा सैदा, रा.नि.मं. अमसेना तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी : उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट, पूर्व - सड़क, पश्चिम - सड़क।	11,68,642

आपसे अनुरोध है कि आप इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को उपरोक्त राशि ब्याज और लागत के साथ चुकाएं, अन्यथा होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड ऋणधारकों, बंधककर्ताओं और जमानतदारों की सुरक्षित संपत्तियों को अपने कब्जे में लेने सहित सभी या किसी एक या अधिक सुरक्षित संपत्तियों के खिलाफ उक्त अधिनियम के प्रावधानों के तहत आवश्यक कार्रवाई करेगी । उक्त अधिनियम के तहत होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को उपलब्ध शक्तियों में शामिल हैं-(1) ऋणधारकों /जमानतदारों की सुरक्षित संपत्तियों को कब्जे में लेने की शक्ति जिसमें सुरक्षित संपत्तियों को जारी करने के लिए पट्टे, बिक्री के असाइनमेंट के माध्यम से हस्तांतरण के अधिकार शामिल हैं (2) पट्टे, असाइनमेंट या बिक्री के माध्यम से हस्तांतरण के अधिकारों सहित सुरक्षित संपत्तियों का प्रबंधन अपने हाथ में लेना और सुरक्षित संपत्तियों को प्राप्त करना।

उक्त अधिनियम की धारा 13(13) के प्रावधानों के अनुसार, आपको होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड की पूर्व सहमति के बिना, बिक्री, पट्टे या अन्यथा (आपके व्यवसाय के सामान्य क्रम के अलावा) किसी भी सुरक्षित संपत्ति को होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को हस्तांतरित करने से प्रतिबंधित किया जाता है।

स्थान: बिलासपुर
दिनांक: 07-05-2025

द्वारा हस्ताक्षरित: प्राधिकृत अधिकारी
होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

कजारिया सेरामिक्स अपने प्लाईवुड कारोबार करेगी बंद

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

टाइल्स कारोबार की दिग्गज कंपनी कजारिया सेरामिक्स ने घाटे में चल रहे अपने प्लाईवुड कारोबार को बंद करने का फैसला किया है। कंपनी के निदेशक मंडल ने पूर्ण-स्वामित्व वाली अनुषंगी इकाई कजारिया प्लाईवुड के परिचालन को बंद करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

- कंपनी ने निवेश और ऋण को पूरी तरह चुका दिया

कंपनी ने मंगलवार को इस फैसले की सूचना शेयर बाजार को दी। कंपनी ने प्लाईवुड कारोबार में किए गए 112.38 करोड़ रुपये के निवेश और ऋण को पूरी तरह से चुका दिया है और 30 जून, 2025 तक इसे बंद कर दिए जाने की उम्मीद है। जनवरी-मार्च तिमाही में कजारिया सेरामिक्स का एकीकृत लाभ 58.6 प्रतिशत घटकर 43.18 करोड़ रुपये रह गया जो एक साल पहले की समान अवधि में 104.27 करोड़ रुपये था।

कजारिया सेरामिक्स के चेयरमैन अशोक कजारिया ने बयान में कहा, ''मार्च तिमाही में हमारा शुद्ध लाभ एक साल पहले के 102 करोड़ रुपये की तुलना में 43 करोड़ रुपये रहा। ऐसा प्लाईवुड कारोबार के संयुक्त उद्यम भागीदारों और विक्रेताओं के साथ समझौते के लिए अतिरिक्त प्रावधान किए जाने से हुआ है।''

समूचे वित्त वर्ष के लिए कंपनी का लाभ घटा

आलोच्य तिमाही में कंपनी का परिचालन राजस्व मामूली रूप से 1.13 प्रतिशत बढ़कर 1,221.85 करोड़ रुपये हो गया। समूचे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी का लाभ 30.57 प्रतिशत घटकर 300.02 करोड़ रुपये रहा, जबकि कुल राजस्व 3.6 प्रतिशत बढ़कर 4,635.07 करोड़ रुपये हो गया।

स्केचर्स का नौ अरब डॉलर में 3 जी कैपिटल करेगी अधिग्रहण

न्यूयॉर्क। फुटवियर बनाने वाली दिग्गज अमेरिकी कंपनी स्केचर्स का नौ अरब अमेरिकी डॉलर में अधिग्रहण किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। निवेश फर्म 3जी कैपिटल स्केचर्स का अधिग्रहण करने वाली है लेकिन वह उसे एक निजी कंपनी बनाने जा रही है। इसका मतलब है कि कंपनी शेयर बाजार में सूचीबद्ध नहीं होगी। स्केचर्स के निदेशक मंडल ने सर्वसम्मति से इस अधिग्रहण सौदे को मंजूरी दे दी है। बयान के मुताबिक, यह सौदा 63 अमेरिकी डॉलर प्रति शेयर की पेशकश पर हुआ है, जो शेयर के 15 दिनों के औसत मूल्य से 30 प्रतिशत अधिक है।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
''मिनी रत्न कम्पनी''
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

सूचना

एसईसीएल कोरबा के प्रस्तावित अंबिका ओपन कॉस्ट परियोजना के ग्राम-करतली के प्रभावित भू-विस्थापितों को एसईसीएल में नौकरी प्रदान करने की प्रक्रिया आरंभ है, जिसमें से निम्नलिखित 06 भू-विस्थापितो/नामांकित व्यक्तियों के नाम में अंतर पाया गया है। इसका विवरण इस प्रकार है :-

क्रं.	घटते क्रम की सूची क्रमॉक	खातेदार का नाम/पिता का नाम	अर्जित खसरा न.	अर्जित रकबा (एकड़)	नामांकित व्यक्ति का नाम/पिता का नाम नामांकन फार्म में	संबंध	सीबीए स्टटमेंट V	बी-1 (वर्ष 2010-11 से 2014-15)	पी-2 (वर्ष 2010-11 से 2014-15)	नामांकन फार्म में खातेदार का नाम	सहमति/शपथ पत्र	वंशवृक्ष	आधार कार्ड	जाति प्रमाण पत्र	निवास प्रमाण पत्र	शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र
1	118	नैनसिंह पिता रामचरण	586/2	0.72	अमन जगत पिता नैनसिंह	पुत्र	नैनसिंह/रामचरन	नैनसिंह पि. रामचरन	नैनसिंह पि. रामचरन	नैन सिंह पि. रामचरन	अमन जगत पिता नैनसिंह, नैनसिंह पिता राम चरण, विकास जगत पिता नैनसिंह	नैनसिंह पिता रामचरण, अमन जगत, विकास जगत पिता नैनसिंह	नैनसिंह आत्मज रामचरण सिंह, विकास जगत पिता नैनसिंह जगत, अमन जगत पिता नैनसिंह	अमन जगत पिता नैनसिंह	अमन जगत आत्मज नैनसिंह	अमन जगत पिता नैनसिंह
2	38	चमरू पिता रामसिंह	188/24 195/16 168/6 168/13 188/22 188/14	1.71	गजेन्द्रपाल पि. चमरू सिंह	पुत्र	चमरू/रामसिंह	चमरूसिंह व. रामसिंह गौड़	चमरू व. रामसिंह	चमरू सिंह पि. रामसिंह	चमरू सिंह पिता रामसिंह, गजेन्द्रपाल पिता चमरू सिंह, गंगा राम फुलेशर पिता चमरू राम फुलेशर, ना. बा. अजीत कुमार, ना. बा. कु. स्नेह, बलीमा झुलबाई पिता चमरू सिंह	चमरू सिंह पिता रामसिंह, गंगाराम फुलेशर, गजेन्द्रपाल, ना. बा. अजित कुमार, ना.बा. कु. स्नेहा पिता चमरू सिंह	गजेन्द्र पाल आत्मज चमरू सिंह, चमरू सिंह आत्मज रामसिंह, गंगा राम फुलेशर पिता चमरू राम फुलेशर, अजीत कुमार आत्मज चमरू सिंह, कु. स्नेहा आत्मज चमरूसिंग	गजेन्द्रपाल पिता चमरू सिंह	गजेन्द्रपाल पिता चमरू सिंह	गजेन्द्र पाल पिता चमरू सिंह
3	68	अमृता बाई पति दयाल सिंह	185/3	1.18	अक्षय कुमार/भागवत सिंह	पोता	अमृता बाई/दयाल सिंह	-	अमृताबाई	अमृता बाई पिता स्व. दयाल सिंह	भागवत सिंह, गीता बाई, राधेश्याम, उत्तरा कुमार, अनिता पिता स्व. लक्ष्मण सिंह, लक्ष्मीन बाई, सेवक, संतोषी, सतरूपा पिता भागवत सिंह अक्षय कुमार पिता भगवत सिंह, अमृता बाई पिता स्व. दयाला सिंह	अमृता बाई स्व. दयाल सिंह, भागवत सिंह, गीता बाई, राधेश्याम, उतराकुमार, अनिता माँ अमृता बाई पि स्व. दयाल सिंह, लक्ष्मीन बाई, सेवक, संतोषी, अक्षय कुमार (नामांकित), सतरूपा पिता भागवत सिंह	अमरिता बाई गोड़ अर्धांगिनी लक्ष्मण सिंह गोड़, अक्षय कुमार आत्मज भागवत सिंह, भागवत सिंह गौड़ आत्मज लक्ष्मण सिंह, गीता बाई श्याम अर्धांगिनी चन्दन सिंह श्याम, राधेश्याम गौड़ आत्मज लक्ष्मण सिंह गौड़, उत्तरा कुमार गौड़ आत्मज लक्ष्मण सिंह गौड़, अनिता अर्धांगिनी अर्जुन सिंह, लक्ष्मीन बाई अर्धांगिनी हरी सिंह, सतरूपा कुमारी/आशीष कुमार मरकाम, सेवक कोरम आत्मज भागवत कोरम, संतोषी/ विनय कुमार	अक्षय आत्मज भागवत सिंह	अक्षय आत्मज भागवत	अक्षय पिता भागवत सिंह
4	25	हरीभजन सिंह पिता फत्ते सिंह	189/3 558/1 581/1 521/1 529/2	2.05	रामू सिंह पिता हरिभजन सिंह	पुत्र	हरि भजन/ फत्ते सिंह	हरिभजनसिंह पिता फत्तेसिंह गौड़	हरिभजन पि. फत्ते सिंह	हरिभजन सिंह पिता फत्ते सिहं (फौत) बने वारिस राहुल सिंह, रामू सिंह/ हरिभजन, चंद्रकली बे, हरिभजन	राहुल सिंह टेकाम पिता स्व. श्री हरिभजन सिंह टेकाम, चंद्रकली पति स्व. श्री हरिभजन सिंह, रामू सिंह पिता हरिभजन सिंह	हरिभजन पिता फत्ते सिंह, राहुल सिंह, रामू सिंह पिता हरिभजन	हरिभजन सिंह टेकाम आत्मज फत्ते सिंह टेकाम, चंद्रकली टेकाम अर्धांगिनी हरिभजन सिंह, राहुल सिंह टेकाम आत्मज हरिभजन	रामू सिंह पिता हरिभजन सिंह	रामू सिंह पिता हरिभजन सिंह	रामू सिंह हरिभजन सिंह
5	116	बलराम सिंह पिता शिवप्रसाद	168/17 188/2 ग,1 94/7 195/6	0.72	अरविंद कुमार पिता बलराम सिंह	पुत्र	बलराम सिंह/ शिवप्रसाद	बलराम व. शिवप्रसाद	बलराम सिंह पिता शिवप्रसाद	बलराम सिंह पिता शिवप्रसाद	बलराम पिता श्री शिव प्रसाद, आरती पिता बलराम, ना.बा. माईकलेशबली पिता बलराम, बलराम पिता श्री शिव प्रसाद	बलराम सिंह पिता शिवप्रसाद, आरती, अरविंद कुमार, माईकलेश पिता बलराम सिंह	अरविंद कुमार आत्मज बलराम सिंह, बलराम सिंह आत्मज शिवप्रसाद	अरविन्द कुमार पिता बलराम	अरविन्द कुमार पिता बलराम	अरविन्द कुमार पिता बलराम
6	117	छत्तरपाल सिंह पिता देवचरण	586/3	0.72	वैभव जगत पिता छत्रपाल सिंह	पुत्र	छत्रपाल सिंह पिता देवचरन	छत्रपाल सिंह व. देवचरण	छत्तरपाल सिंह पिता देवचरन	छत्रपाल सिंह पिता देवचरण	वैभव कुमार पिता छत्रपाल सिंह, छत्रपाल सिंह पिता श्री देवरण सिंह, वैष्णवी, वैशाली पिता छत्रपाल जगत, छत्रपाल सिंह पिता श्री देवचरण	छत्रपाल सिंह पिता देवचरण, वैभव, वैष्णवी, वैशाली पिता छत्रपाल सिंह	वैभव कुमार आत्मज छत्रपाल, छत्रपाल सिंह जगत आत्मज देवचरण सिंह, वैष्णवी आत्मजा छत्रपाल, वैशाली आत्मजा छत्रपाल जगत	वैभव कुमार आत्मज छत्रपाल सिंह	वैभव पिता छत्रपाल सिंह	वैभव पिता छत्रपाल सिंह

उपरोक्त वर्णित नामों के अंतर एवं भू-स्वामियों द्वारा रोजगार हेतु नामित उम्मीदवार के संदर्भ में यदि किसी को आपत्ति है तो अपनी आपत्ति प्रकाशन तिथि के सात (07) दिवसों के अंदर इस कार्यालय को सूचित करें। समय-सीमा समाप्त होने पर किसी प्रकार की आपत्तियों को स्वीकार नही किया जायेगा।

SECL/25-26/30

महाप्रबंधक, एसईसीएल, कोरबा क्षेत्र

पानी पर बसा है ये अनोखा गांव, नाव पर ही लगता है बाजार

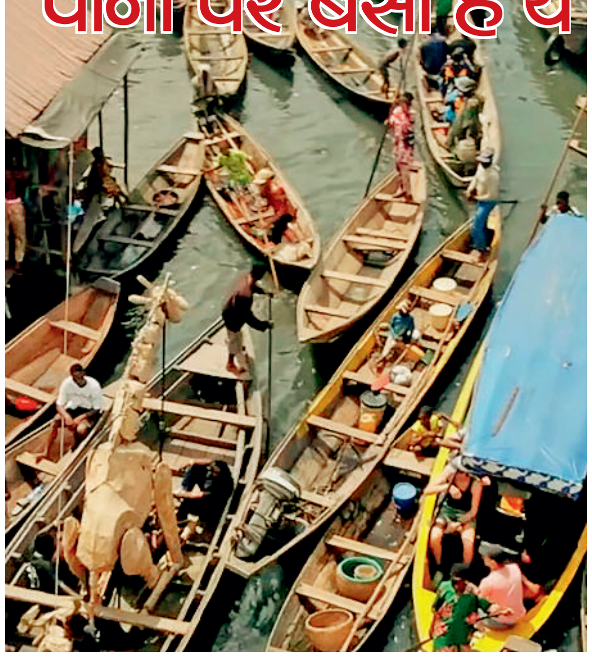

जोहानबर्ग। दुनिया में आपने कई अनोखे गावों के बारे में सुना और पढ़ा होगा। इन गावों के अलग-अलग खासियत और पहचान होती है। लेकिन, क्या आपने कभी पानी पर तैरते गांव के बारे में सुना है? नहीं तो आज हम आपको एक गांव के बारे में बताएंगे, जो पानी पर बसा हुआ है। अफ्रीका में एक बस्ती है, जिसका गनवी है। यह स्लम बेनिन में स्थित है। इसे अफ्रीका का वेनिस भी कहा जाता है। यहां के जलमार्ग पर खूबसूरत नाव चलती हैं। यह देखने में वेनिस की तरह लगता है, लेकिन यहां के घर उससे बिल्कुल लग हैं।

क्या हैं गांव में सुविधाएं?

इस गांव में हाथों से बने सामान बिकते हैं। यहां पर पानी पर तैरता बाजार भी है। टाउनशिप में जमीन भी है, जहां पर यहां रहने वाले बच्चों के लिए स्कूल बनाया गया है। यहां पर एक बैंक, डाकघर, एक चर्च, मस्जिद और मेडिकल सुविधा भी है। सबसे बड़ी बात है कि कब्रिस्तान बनाने के लिए ग्रामीणों को बड़ी मात्रा मिट्टी लानी पड़ती है।

यहां रुपए नहीं, 'राम नाम' की जमा होती है संपत्ति, अब तक 55 करोड़ बार लिखा गया भगवान का नाम

छतरपुर। दुनिया में आपने कैश, क्रिप्टो, सोना-चांदी वाला बैंक तो खूब देखा होगा, लेकिन क्या कभी ऐसा बैंक सुना है जहां संपत्ति के नाम पर सिर्फ 'श्री सीताराम' लिखा जाता है? छतरपुर जिले के प्रताप सागर तालाब के पास एक अनोखा बैंक चल रहा है श्री सीताराम बैंक, जो भक्ति और श्रद्धा की जमा-पूंजी का खाता रखता है। कोरोना काल में जब दवा और दौलत दोनों ने जवाब दे दिया था, तब इस बैंक की नींव रखी गई थी। इसका

उद्देश्य एक ही था ईश्वर के नाम से बड़ा कोई धन नहीं! इस खास पहल की शुरुआत बागेश्वर धाम के पंडित धीरेन्द्र शास्त्री और अन्य संतों ने की थी। इस बैंक में 250 से अधिक भक्तों ने खाता खुलवाया है। इन खातों में पैसों की बजाय 'राम नाम' लिखा जाता है। हर सप्ताह, हर पखवाड़े, या महीने में भक्त पासबुक लेकर आते हैं और जो रामनाम लिखा होता है, उसे जमा करते हैं। बैंक प्रबंधन उसका रिकॉर्ड रखता है।

रोचक खबरें

शादी के बाद भी नहीं भुला सकी पहला प्यार! पति को छोड़ खुद बारात लेकर पहुंच गई प्रेमी के घर

जौनपुर। यूपी के जौनपुर जिले से शादी का अजब-गजब मामला सामने आया है। जौनपुर जिले के तेजीबाजार क्षेत्र में एक युवती अपने प्रेमी से शादी करने के लिए खुद बारात लेकर उसके घर पहुंच गई। युवती की तीन महीने पहले ही शादी हुई थी। मामला भटौली गांव का है, जहां निवासी बनवारी लाल गौतम के पुत्र अजय कुमार गौतम और खुटहन थाना क्षेत्र के बड़सरा पिलकिछा गांव की रहने वाली शिवकुमारी के बीच प्रेम संबंध थे। अजय की बहन की शादी शिवकुमारी के गांव में हुई थी, जिसके चलते अजय का वहां आना-जाना लगा रहता था। इसी दौरान शिवकुमारी और अजय के बीच नजदीकियां बढ़ीं और धीरे-धीरे यह रिश्ता गहरे प्रेम में तब्दील हो गया। हालांकि, जब दोनों ने शादी का इरादा जताया तो लड़की के परिजनों ने इसका विरोध किया। जानकारी के अनुसार, पिछले महीने शिवकुमारी की शादी किसी और जगह कर दी गई, लेकिन पुराना प्रेम उसे चैन से जीने नहीं दिया। शादी के महज तीन महीने बाद ही वह अपने ससुराल से मायके लौट आई और अपने पहले प्रेमी अजय से दोबारा संपर्क किया। शिवकुमारी की जिद और प्रेम को देखते हुए उसके परिजनों ने अंततः अजय से शादी कराने का फैसला लिया, लेकिन लड़के पक्ष ने बारात ले जाने से साफ इनकार कर दिया।

डांस करते-करते दुल्हन ने तोड़ा दम अचानक मुंह के बल धड़ाम से गिरी

बदायूं। शादी की खुशियां उस समय मातम में बदल गई, जब हल्दी की रस्म के दौरान डांस करती हुई दुल्हन दीक्षा की अचानक तबीयत बिगड़ गई और कुछ ही पलों में उसकी मौत हो गई। यह दिल दहला देने वाली घटना बदायूं के इस्लामनगर थाना क्षेत्र के नूरपुर पिनौनी गांव की है, जहां आज बारात आनी थी, लेकिन उससे पहले ही घर से बेटी की डोली की बजाय उसकी अर्थी उठी। दीक्षा अपने घर में चार भाइयों में इकलौती और सबसे बड़ी संतान थी। वह इस्लामनगर के एक डिग्री कॉलेज से बीए की पढ़ाई कर रही थी। रविवार को हल्दी की रस्म के दौरान वह अपनी बहनों और रिश्तेदारों के साथ खुशी-खुशी डांस कर रही थी। तभी उसे अचानक घबराहट हुई और वह वॉशरूम चली गई। कुछ ही मिनटों बाद जब वह बाहर नहीं आई, तो परिवार ने दरवाजा तोड़कर देखा दीक्षा ज़मीन पर बेसुध पड़ी थी और उसकी सांसें थम चुकी थीं। परिजनों ने तुरंत गांव के चिकित्सक को बुलाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। दीक्षा की मां सरोज देवी ने बताया कि जब उन्होंने बेटी को उठाया, उसकी गर्दन अकड़ चुकी थी। मौके पर पहुंचे डॉक्टर ने दिल का दौरा (हार्ट अटैक) बताया। दीक्षा पहले से दिल की बीमारी से पीड़ित थी और उसका इलाज दिल्ली से चल रहा था। दुल्हन की मौत की खबर से घर में कोहराम मच गया। जहां बारात के स्वागत की तैयारियां होनी थीं, वहीं हर तरफ मातम और सन्नाटा पसर गया।

19 साल बाद बोर हुए पति-पत्नी, एक दूसरे की मर्जी से चलाया अफेयर!

ब्रासीलिया हवे। भारतीय परंपरा में शादी सिर्फ दो लोगों का मिलन नहीं है, बल्कि दो आत्माओं का मिलन है। ये जन्मों-जन्मों का साथ होता है मगर विदेशों में शादी को मजाक बना दिया गया है। लोग लंबे वक्त तक एक दूसरे के साथ रहते-रहते बोर हो जाते हैं। अब तो एक नए किस्म का चलन शुरू हुआ है। विदेशों में पति-पत्नी एक दूसरे की अनुमति के साथ अफेयर करते हैं और शादी में रहते हुए गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड भी बना लेते हैं। एक ब्राजील की फैमिली ने भी कुछ ऐसा ही किया, जिसने कभी को हैरान कर दिया है।

संचालनालय कृषि, छत्तीसगढ़
इन्द्रावती भवन, ब्लॉक-2, प्रथम एवं द्वितीय तल, नवा रायपुर, अटल नगर- 492002
E mail ID : diagricg.cg@nic.in Phone No. 0771-2511630

क्रमांक/स्था./अ- 1 - ब (1) / सी. भ. -05-2023/772
रायपुर दिनांक 6/5/2025

विज्ञापन

कृषि विभाग के अंतर्गत अनुरेखक के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, रायपुर द्वारा दिनांक 18.02.2024 को आयोजित परीक्षा का परिणाम विभाग को प्राप्त हो चुका है। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, रायपुर द्वारा जारी परीक्षा परिणाम में उल्लेखित सरल क्रमांक (कम्बाईन्ड रैंकिंग) के आधार पर उत्तीर्ण आवेदकों के मूल प्रमाण पत्रों की जांच दिनांक 13.05.2025 को प्रातः 10:30 बजे से संचालनालय कृषि (स्थापना कक्ष) ब्लॉक-2, द्वितीय तल, इंद्रावती भवन, नवा रायपुर, अटल नगर - 492002 में की जावेगी। इस हेतु सूचना / निर्देश विभाग की वेबसाईट https://agriportal.cg.nic.in/agridept/AgriHi/ पर उपलब्ध है।

कृपया निर्धारित तिथि एवं समय तथा स्थान पर आवेदक स्वयं विज्ञापन में दर्शित अर्हताओं एवं वांछित दस्तावेजों के आधार पर मूल प्रमाण पत्रों तथा उक्त प्रमाणपत्रों की 02 सेट स्वप्रमाणित छायाप्रति के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

संयुक्त संचालक कृषि
संचालनालय कृषि छ.ग. रायपुर
जी. 252600707/2

कार्यालय खण्ड चिकित्सा अधिकारी
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र
तखतपुर, जिला- बिलासपुर (छ.ग.)
Tele-7415190965 email: bpmutakhatpur2@gmail.com

क्रमांक/एन.एच.एम./2025/809 तखतपुर, दिनांक 02/05/2025

निविदा आमंत्रण सूचना 2025-26

विकासखण्ड तखतपुर जिला बिलासपुर (छ.ग.) के लिये, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) अंतर्गत चलने वाली वाहन (07 सीटर) प्रदाय करने हेतु अधिकृत फर्म, संस्था, से मोहर बंद लिफाफा निम्नानुसार आमंत्रित किया जाता है। नियमों व शर्तों का अवलोकन कार्यालय की सूचना पटल पर किया जा सकता है।
टेण्डर फार्म की कीमत – रू. 1000.00 वापसी अयोग्य, डी.डी. (डीमांड ड्राफ्ट) जो कि राष्ट्रीय कृत बैंक का हो एवं NRHM FUND MAIN A/C TAKHATPUR के नाम से देय हो अदाकर निविदा प्रपत्र कार्यालय से प्राप्त किया जा सकेगा।
अमानत राशि– रू. 30000 तीस हजार।
निविदा फार्म प्राप्ति, टेण्डर प्रकाशित होने की तिथि से– 30/05/2025 तक।
निविदा लिफाफा प्राप्ति की अंतिम तिथि– 30/05/2025 (दो. 3.00 बजे तक)
निविदा खोलने की तिथि– 30/05/2025 (दो. 4.00 बजे)

खण्ड चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तखतपुर
जिला – बिलासपुर (छ.ग.)
संवाद- 43771

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग रायगढ़ जिला - रायगढ़ (छ.ग.)

ई- प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 27-05-2025 समय 17 :30 तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है:-

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत (लाख में)	आमंत्रण का क्रमांक
167762	03/ व.ले.लि. / 2025-26 दिनांक 05.05.2025	रायगढ़ जिले के विकासखण्ड पुसौर अंतर्गत झलमला जलाशय का जीर्णोद्धार कार्य।	194.06	प्रथम आमंत्रण

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साईट https://eproc. cgstate.gov.in पर दिनांक 13.05.2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।
नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेवसाईट पर https://eproc.cgstate.gov.in नामांकित/ पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग रायगढ़
जिला - रायगढ़ (छ.ग.)
जी. 252600700/3

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सुचना

जिला जल एवं स्वच्छता सरगुजा की ओर कार्यपालन अभियंता सदस्य सचिव, जिला जल एंव स्वच्छता मिशन द्वारा एकीकृत पंजीयन व्यवस्था के अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित (पम्प स्थापना, टंकी निर्माण एंव पाईप लाईन कार्य तथा अन्य कार्य) हेतु पत्रक "अ" (प्रतिशत दर) ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	सिस्टम क्रमांक	ब्लॉक	ग्राम	लागत (रू. लाख में)
1	05/28.04.2025 (द्वितीय आमंत्रण)	167318	सीतापुर	सहनपुर	126.43
2	06/28.04.2025 (द्वितीय आमंत्रण)	167319	सीतापुर	देवगढ़	64.19
3	07/28.04.2025 (द्वितीय आमंत्रण)	167320	सीतापुर	आमाटोली	138.50
4	08/28.04.2025 (द्वितीय आमंत्रण)	167409	बतौली	घोघरा	152.75

बिड संबमिशन की अंतिम 16.05.2025 समय :- 17:30 बजे तक।
उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा के सामान्य शर्तें धरोहर राषि विस्तृत निविदा विज्ञाप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल (https://eproc.cgstate.gov.in) पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियन्ता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड अम्बिकापुर
जी. 252600702/2

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता, महानदी परियोजना, जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

ई- प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)
सिस्टम निविदा क्र. 167678/ निविदा सूचना क्र. 02/ व. ले.लि. / 2025-26 दि. 02.05.2025

निम्नलिखित कार्य के लिए दिनांक 23.05.2025 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है।
कार्य का नाम– राजीव समोदा निसदा व्यपवर्तन योजना के मुख्य नहर (फेस-2) के कि.मी. 61.30 से कि.मी. 69.28 तक मिट्टी का शेष कार्य एवं 12 नग मेसनरी स्ट्रक्चर्स का निर्माण कार्य।
अनुमानित लागत – रू. 1498.33 लाख
(एस.ओ.आर. दिनांक 01.08.2010 से प्रचलित (यथा संशोधित दिनांक 22.08.2022 तक))
अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ की शासन ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 09.05.2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।
नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
म.ज.प. द्वितीय चरण कार्य संभाग रायपुर
कृते मुख्य अभियंता महानदी परियोजना
जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)
जी. 252600672/4

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर (केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in
निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है:-

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/ दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रूपये लाख में)
1	167681 प्रथम आमंत्रण 28.04.2024	नगरदा में शासकीय महाविद्यालय भवन का निर्माण कार्य, वा.स. से. फि. एवं विद्युतीकरण सहित।	431.79
2	167558 तृतीय आमंत्रण 28.04.2024	कलमी नहरपार से बेल्हाडीह मार्ग व्हाया चिखली, छोटेकोट, बड़ेकोट, सिंघरा मार्ग लंबाई 12.80 कि.मी. का निर्माण कार्य।	1188.93
3	167556 प्रथम आमंत्रण 28.04.2024	जिला गरियाबंद अंतर्गत शासकीय नवीन महाविद्यालय भवन गोहरापदर का निर्माण कार्य जल प्रदाय, सेनेटरी फिटिंग्स एवं विद्युतीकरण कार्य सहित। (गरियाबंद संभाग) नाबार्ड पोषित योजना।	463.39
4	167622 प्रथम आमंत्रण 29.04.2024	नाबार्ड पोषित योजनांतर्गत जिला महासमुंद के शासकीय महाविद्यालय भवन पिरदा का निर्माण कार्य, जल प्रदाय, विद्युतीकरण सहित। (जमा मद कार्य) महासमुंद संभाग।	462.32
5	167557 द्वितीय आमंत्रण 30.04.2024	जिला बिलासपुर के शनिचरी - चांटीडीह मार्ग में अरपा नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	1110.56

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क्र. 02 दिनांक 13.05.2025 सं.क्र. 05 दिनांक 19.05.2025 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 23.05.2025 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता, केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर
जी. 252600683/1

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, मनियारी जल संसाधन संभाग मुंगेली, जिला- मुंगेली (छ.ग.)

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
निविदा सूचना क्र. 01 / व. ले.लि. / 2025-26 समूह क्रमांक 01 एवं 02 दिनांक. 02.05.2025
निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 23.05.2025, समय 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है
समूह क्रमांक 01, कार्य का नाम – मुंगेली जिले के विकासखण्ड मुंगेली अंतर्गत आगर नदी में ग्राम बुधवारा के पास बुधवारा एनीकट का निर्माणतथा सोलर संयंत्र एवं लिफ्ट एरिगेशन का निर्माण कार्य।
(प्रथम आमंत्रण) सिस्टम निविदा क्र. 167750,
अनुमानित लागत– रू.388.28 लाख
(दिनांक 22.08.2022 के संशोधित नये एस. ओ. आर. अनुसार)
समूह क्रमांक 02, कार्य का नाम – मुंगेली जिले के विकासखण्ड पथरिया अंतर्गत खैरझिटी एनीकट का निर्माण कार्य ।
(प्रथम आमंत्रण) सिस्टम निविदा क्र. 167751,
अनुमानित लागत– रू.617.91 लाख
(दिनांक 22.08.2022 के संशोधित नये एस. ओ. आर. अनुसार)
अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 09.05.2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है ।
नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है ।

कार्यपालन अभियंता
मनियारी जल संसाधन संभाग
मुंगेली, जिला मुंगेली (छ.ग.)
जी. 252600679/5

कार्यालय अधिष्ठाता, पं.ज.ने.स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)
क्रमांक/चिकि./बायोटेक / 9104 / 2025 रायपुर, दिनांक 05/05/2025

प्रवेश सूचना
एम.एस-सी. मेडिकल बायोटेक्नालाजी कोर्स सत्र 2025-26
आवेदन फार्म प्राप्त करने की अंतिम तिथि - 30.06.2025
आवेदन फार्म जमा करने की अंतिम तिथि - 30.06.2025

चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर द्वारा बायोकेमेस्ट्री विभाग में संचालित एम.एस-सी. मेडिकल बायोटेक्नालॉजी कोर्स में सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु 10 विद्यार्थियों का चयन किया जाना है। उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु छत्तीसगढ़ राज्य का मूल निवासी होना अनिवार्य है। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता एम.बी.बी.एस., बी.एस-सी. बायोटेक्नालॉजी / बी.एस-सी. लाइफ साइंस / एलाएड विषय रखी गई है। पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा आयोजित होगी, जिसके प्राप्तांक की मेरिट सूची के आधार पर काउंसिलिंग के माध्यम से प्रवेश दिया जायेगा। अधिकतम 10 सीटों में प्रवेश हेतु छत्तीसगढ़ शासन के आरक्षण नियमानुसार 5 सीट अनारक्षित (04 मुक्त, 01 महिला), 1 सीट अनुसूचित जाति, 3 सीट अनुसूचित जनजाति एवं 1 सीट अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए निर्धारित है, जो कि छ.ग. शासन समान्य प्रशान विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, अटल नगर के पत्र क्रमांक एफ 13-1/2023/आ.प्र./ 1-3 नवा रायपुर, दिनांक 03.05.2023 के अनुसार सभी नियुक्तियाँ और चयन परीक्षा माननीय उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली के S.L.P. (C) Si. No.19668/2022 के अंतिम आदेश के अधीन रहेगी।
प्रवेश प्रक्रिया:- 1. प्रवेश आवेदन फार्म 15 मई, 2025 से 30 जुन, 2025 के सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक विभागाध्यक्ष, बायोकेमेस्ट्री विभाग, चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर में शासकीय अवकाश दिवसों को छोड़कर प्राप्त किया जा सकता है। 2. प्रवेश फार्म शुल्क: अनारक्षित वर्ग के लिए रू. 400/- नगद भुगतान अथवा डाक द्वारा रू. 450 / - (50रू. डाक खर्च) का डिमांड ड्राफ्ट भेजकर प्राप्त किया जा सकता है। आरक्षित वर्ग के लिए रू. 200/- नगद भुगतान अथवा डाक द्वारा रू.250/- (50 रू. डाक खर्च) का बैंक ड्राफ्ट भेजकर प्राप्त किया जा सकता है। बैंक ड्राफ्ट अधिष्ठाता एवं मुख्यकार्यपालन अधिकारी, चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर (Dean & C.E.O., Pt. J. N. M. Medical College, Raipur) के नाम पर देय होगा । 3. आवेदन पत्र, अधिष्ठाता, पं. ज.ने.स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) के कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि 30 जून, 2025 रखी गई है। आवेदन पत्र के साथ प्रवेश परीक्षा शुल्क रू.1500/- (अनारक्षित वर्ग हेतु) अथवा रू. 750/- (आरक्षित वर्ग हेतु) का बैंक ड्राफ्ट जो अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर के नाम पर देय हो, जमा करना होगा। लिफाफे के ऊपर "एम.एस-सी. मेडिकल बायोटेक्नालॉजी कोर्स सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु आवेदन" लिखना अनिवार्य है। (स्पष्ट पता एवं फोन नं. / मोबाइल नं. / ईमेल को आवेदन में अनिवार्य रूप से दर्शावे)। प्रवेश परीक्षा 08 जुलाई, 2025 (मंगलवार) को प्रात: 11.00 से 01.00 बजे तक पं.ज.ने. स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर में आयोजित होगी। प्रावीण्य सूची, काउंसिलिंग एवं प्रवेश संबंधित जानकारी की सूचना अलग से दी जाएगी। प्रवेश परीक्षा संबंधी अन्य जानकारियाँ प्रवेश विवरणिका में उद्धृत है। 5. चयनित विद्यार्थियों को निर्धारित शुल्क प्रवेश के समय जमा करना अनिवार्य है।
डाक से फार्म मंगाने हेतु अपना पता स्पष्ट देते हुए कोर्स प्रभारी, एम.एस-सी. मेडिकल बायोटेक्नालॉजी पाठ्यक्रम, बायोकेमेस्ट्री विभाग, पं. ज.ने. स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) को पत्राचार करें। डाक सेवा से आवेदन फार्म का गुम होने या विलम्ब होने की दशा में विभाग की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

अधिष्ठाता
पं. ज.ने.स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)
जी. 252600697/2

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र. - 1, बिलासपुर (छ.ग.)

ज्ञाप क्र. - 2969/NIT-2/2025-26/व.ले.लि. दिनांक 02.05.2025
निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि- 09.05.2025 अपरान्ह 5.30 बजे
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि- 15.05.2025 अपरान्ह 5.30 बजे
निविदा खोलने की तिथि- 16.05.2025 अपरान्ह 11.30 बजे
प्रत्येक निविदा प्रपत्र की क्रय राशि रू.- 750/-
निविदाकरों की श्रेणी- ई-पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी "द" से "अ" तक

ए.आई.टी. क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम एवं No. of Calls कार्य की अवधि	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानती राशि (रू. में) बैंक साल्वेंसी (रू. में)
02 T0008	वर्ष 2025-26 के वार्षिक संधारण मद अंतर्गत उपसंभाग क्र बिलासपुर में पेटी बाजार सप्लाई कार्य। (प्रथम आमंत्रण) 04 माह वर्षा ऋतु सहित।	10.00 7500.00 150000.00
02 T0009	वर्ष 2025-26 के वार्षिक संधारण मद अंतर्गत उपसंभाग क्र. 2 बिलासपुर में पेटी बाजार सप्लाई कार्य। (प्रथम आमंत्रण) 04 माह वर्षा ऋतु सहित।	10.00 7500.00 150000.00
02 T0010	वर्ष 2025-26 के वार्षिक संधारण मंद अंतर्गत उपसंभाग कोनी बिलासपुर में पेटी बाजार सप्लाई कार्य। (प्रथम आमंत्रण) 02 माह वर्षा ऋतु सहित।	5.00 3750.00 75000.00
02 T0011	वर्ष 2025-26 के वार्षिक संधारण मद अंतर्गत उपसंभाग क्र. 2 बिलासपुर के आवासीय भवनों में मरम्मत कार्य। (प्रथम आमंत्रण) 04 माह वर्षा ऋतु सहित।	10.00 7500.00 150000.00
02 T0012	वर्ष 2025-26 के वार्षिक संधारण मद अंतर्गत उपसंभाग क्र. 2 बिलासपुर के गैर आवासीय भवनों में मरम्मत कार्य। (प्रथम आमंत्रण) 04 माह वर्षा ऋतु सहित।	10.00 7500.00 150000.00
02 T0013	वर्ष 2025-26 के वार्षिक संधारण मद अंतर्गत उपसंभाग कोनी बिलासपुर के आवासीय / गैर आवासीय भवनों में मरम्मत कार्य (प्रथम आमंत्रण) 04 माह वर्षा ऋतु सहित।	10.00 7500.00 150000.00
02 T0014	वर्ष 2025-26 के वार्षिक संधारण मद अंतर्गत उपसंभाग क्र. 1 बिलासपुर के उपखंड क्र. 1 के आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में मरम्मत कार्य। (प्रथम आमंत्रण) 04 माह वर्षा ऋतु सहित।	10.00 7500 150000.00
02 T0015	वर्ष 2025-26 के वार्षिक संधारण मद अंतर्गत उपसंभाग क्र. 1 बिलासपुर के उपखंड क्र. 2 के आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में मरम्मत कार्य। (प्रथम आमंत्रण) 04 माह वर्षा ऋतु सहित।	10.00 7500.00 150000.00
02 T0016	वर्ष 2025-26 के वार्षिक संधारण मद अंतर्गत उपसंभाग क्र. 2 बिलासपुर के आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं डिस्टेम्परिंग कार्य। (प्रथम आमंत्रण) 04 माह वर्षा ऋतु सहित।	10.00 7500.00 150000.00
02 T0017	वर्ष 2025-26 के वार्षिक संधारण मद अंतर्गत उपसंभाग क्र. 2 बिलासपुर के गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं डिस्टेम्परिंग कार्य। (प्रथम आमंत्रण) 04 माह वर्षा ऋतु सहित।	10.00 7500.00 150000.00
02 T0018	वर्ष 2025-26 के वार्षिक संधारण मद अंतर्गत उपसंभाग क्र. 2 बिलासपुर के जजेस कालोनी में रंगाई पोताई एवं डिस्टेम्परिंग कार्य। (प्रथम आमंत्रण) 04 माह वर्षा ऋतु सहित।	10.00 7500.00 150000.00
02 T0019	वर्ष 2025-26 के वार्षिक संधारण मद अंतर्गत उपसंभाग कोनी बिलासपुर के उपखंड रतनपुर के आवासीय / गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं डिस्टेम्परिंग कार्य। (प्रथम आमंत्रण) 04 माह वर्षा ऋतु सहित।	10.00 7500.00 150000.00
02 T0020	वर्ष 2025-26 के वार्षिक संधारण मद अंतर्गत उपसंभाग कोनी बिलासपुर के मुख्यालय उपखंड के आवासीय / गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं डिस्टेम्परिंग कार्य। (प्रथम आमंत्रण) 04 माह वर्षा ऋतु सहित।	10.00 7500.00 150000.00
02 T0021	वर्ष 2025-26 के वार्षिक संधारण मद अंतर्गत उपसंभाग कोनी बिलासपुर के उपखंड रमतला के आवासीय / गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं डिस्टेम्परिंग कार्य। (प्रथम आमंत्रण) 04 माह वर्षा ऋतु सहित ।	10.00 7500.00 150000.00
02 T0022	वर्ष 2025-26 के वार्षिक संधारण मद अंतर्गत उपसंभाग क्र. 1 बिलासपुर के उपखंड क्र. 1 के आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं डिस्टेम्परिंग कार्य । (प्रथम आमंत्रण) 04 माह वर्षा ऋतु सहित।	10.00 7500.00 150000.00
02 T0024	वर्ष 2025-26 के वार्षिक संधारण मद अंतर्गत उपसंभाग क्र. 1 बिलासपुर के उपखंड क्र. 2 के आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं डिस्टेम्परिंग कार्य । (प्रथम आमंत्रण) 04 माह वर्षा ऋतु सहित।	10.00 7500.00 150000.00
02 T0025	वर्ष 2025-26 के वार्षिक संधारण मद अंतर्गत उपसंभाग क्र. 1 बिलासपुर के उपखंड क्र. 3 के आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं डिस्टेम्परिंग कार्य। (प्रथम आमंत्रण) 04 माह वर्षा ऋतु सहित।	10.00 7500.00 150000.00
02 T0026	वर्ष 2025-26 के वार्षिक संधारण मद अंतर्गत उपसंभाग क्र. 1 बिलासपुर के उपखंड बिल्हा एवं मस्तूरी के आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं डिस्टेम्परिंग कार्य। (प्रथम आमंत्रण) 04 माह वर्षा ऋतु सहित	10.00 7500.00 150000.00

निविदा संबंधी शर्ते विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि., संभाग क्र.-1 बिलासपुर (छ.ग.)
जी. 252600706/2

युक्तियुक्तकरण से पहले शिक्षकों की पदोन्नति और स्थानांतरण किए जाएं

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

कर्मचारी फेडरेशन और संयुक्त शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने स्कूल शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी एवं संचालक लोक शिक्षण संचालनालय ऋतुराज रघुवंशी से मुलाकात कर शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की विसंगतियों को दूर करने की मांग की है। शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण से पहले लंबित पदोन्नति और स्थानांतरण करने की मांग रखी है। फेडरेशन ने कहा, युक्तियुक्तकरण लागू होने के बाद स्थानांतरण पर बेन हटाने व पदोन्नति करने से स्कूलों में शिक्षकों के पद पुनः रिक्त हो जाएंगे। यदि स्थानांतरण और पदोन्नति पहले की जाती है, फिर युक्तियुक्तकरण की सारी चीजें व्यवस्थित होंगी।

- कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन और शिक्षक संघ ने की स्कूल शिक्षा सचिव और डीपीआई

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रदेश संयोजक कमल वर्मा के नेतृत्व में छग संयुक्त शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष केदार जैन, जागरूक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जाकेश साहू एवं सर्व शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप पांडेय ने अपनी टीम के साथ मंगलवार को शिक्षा सचिव और डीपीआई से मुलाकात की। उन्होंने मांग की है कि 2008 के सेटअप के आधार पर युक्तियुक्त करण की मांग फेडरेशन ने की, जिसके तहत प्राथमिक शालाओं में अधिकत 60 दर्ज संख्या पर एक प्रधान पाठक सहित दो सहायक शिक्षकों को पदस्थ करने की मांग की गई। इसी प्रकार मिडिल स्कूलों में एक प्रधान पाठक सहित पांच शिक्षक पदस्थ करने ज्ञापन व मांगपत्र दिया।

अफसरों ने दिया आश्वासन

इस पर विचार करने की बात कहते हुए डीपीआई ने कहा, जिन जिलों में पदोन्नति का मामला न्यायलयीन कारणों से बाधित नहीं है। इसके बावजूद जहां पर पदोन्नति की प्रक्रिया नहीं की जा रही है, वहां की जानकारी मुझे दीजिए, ताकि मैं इस दिशा में पहल कर सकूं। शिक्षकों ने युक्तियुक्तकरण के मुद्दे पर सेटअप 2008 सहित तमाम बिंदुओं को गंभीरता से रखा, जिस पर अधिकारियों ने विचार करने की बात कही।

दूध में बड़ा खेल, किसानों से 33 में लेकर 68 रुपए लीटर तक में बेच रहीं कंपनियां

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

तीन साल से किसानों से लेने वाले दूध की कीमत नहीं बढ़ी, लेकिन बेचने वाले दूध के दस रुपए बढ़ गए दाम

दूध बेचने वाली कंपनियां ग्राहकों के साथ बड़ा खेल कर रही हैं। उत्पादक और कारोबारी पूरा सिंडीकेट बनाकर दाम तय करके ग्राहकों को लूटने में लगे हैं। दूध में अपने राज्य के साथ देशभर में नकली महंगाई का उबाल आया हुआ है। दूध बेचने वाली कंपनियां कभी भी दाम बढ़ा देती हैं। इस माह से फिर से दूध के दाम दो रुपए बढ़ गए हैं। सोचने वाली बात है किसानों से जो दूध 33 रुपए लीटर में लिया जाता है, उसको 68 रुपए तक में बेचा जा रहा है। तीन साल में किसानों से लिए जाने वाले दूध के दाम तो नहीं बढ़े हैं, लेकिन कंपनियों द्वारा बेचे जाने वाले दूध के दाम दस रुपए बढ़ गए हैं। जो साधारण दूध तीन साल पहले 48 रुपए था, वह अब 58 रुपए हो गया है। फैट वाले दूध के दाम 62 से 68 रुपए तक हैं। सबसे सस्ता भले देवभोग का दूध है, लेकिन किसानों से सबसे ज्यादा दूध भी देवभोग दुग्ध महासंघ को मिलता है।

छत्तीसगढ़ में देवभोग दुग्ध महासंघ किसानों से 33 रुपए लीटर में दूध ले रहा है। तीन साल पहले इसके दाम 31 रुपए थे, लगातार किसानों के दबाव के बाद जनवरी 2023 में दो रुपए कीमत बढ़ाई गई थी। अब 33 रुपए में दूध लिया जा रहा है। तीन साल से दूध के दाम बढ़े ही नहीं है। यहां के किसानों से इसी कीमत पर वचन और गाया भी दूध ले रहे हैं। किसान अमूल को दो सीधे दूध नहीं बेच रहे हैं, कहा जाता है, देवभोग से अमूल को पिछले दरवाजे से जरूर दूध बेचा जाता है।

दाम 58 से 68 रुपए लीटर

प्रदेश में देवभोग दुग्ध संघ प्रदेश के किसानों से 33 रुपए लीटर में दूध लेकर 62 रुपए लीटर में बेच रहा है। देवभोग के अलग-अलग ब्रांड के दाम भी अलग-अलग हैं। फैट वाला सुप्रीम दूध जहां 62 रुपए लीटर है, वह गोरस के दाम 57 रुपए हैं। पॉवर दूध के दाम 56 रुपए हैं। अन्य कंपनियों की बात करें तो अमूल का फैट वाला गोल्ड दूध सबसे महंगा 68 रुपए लीटर है। ज्यादातर कंपनियों के फैट वाले दूध के दाम 66 से 68 रुपए हैं। बिना फैट वाले दूध के दाम ही सबसे कम हैं। यही दूध सबसे ज्यादा बिकता है। इस दूध के दाम सभी कंपनियों के 58 रुपए लीटर हैं।

दस रुपए तक बढ़े दाम

तीन साल में दूध के दाम दस रुपए तक बढ़े हैं। लेकिन जहां तक किसानों के दूध के दाम का सवाल है को उसके दाम अब तक नहीं बढ़े हैं। छत्तीसगढ़ दुध उत्पादक संघ के अध्यक्ष साधराम पटेल का कहना है कि किसानों से कम दाम पर दूध लेकर ज्यादा दाम पर बेचते हैं, लेकिन किसानों के दाम नहीं बढ़ाए जाते हैं। लंबे समय से दाम बढ़ाने की मांग कर रहे हैं, पर दाम नहीं बढ़ाए जा रहे हैं।देवभोग को कम दूध 2018-19 में देवभोग को किसान एक लाख लीटर दूध से ज्यादा देते थे, लेकिन जहां किसानों को दूध की कीमत सही नहीं मिलती थी, वहां पैसे भी दो से ढाई माह में मिलते थे। ऐसे में किसानों ने हाथ खड़े कर दिए और देवभोग को दूध देना कम कर दिया। अब जबकि देवभोग दूध का नेशनल डेयरी में विलय हो गया है तो दूध के पैसे 10 से 20 दिनों में मिलने के कारण किसान अब देवभोग को करीब 60 से 70 हजार लीटर दूध बेच रहे हैं। बाकी दूध किसान सीधे दूसरे कंपनियों को बेच रहे हैं। वचन को रोज 20 से 30 हजार लीटर दूध सीधे बेचा जा रहा है। इसकी कीमत 33 रुपए मिल रही है, लेकिन यह कीमत तत्काल मिल जाती है। इसी के साथ गाया तो रोज पांच से दस हजार लीटर दूध किसान दे रहे हैं।

फैट कम तो दाम आधे

किसानों का दूध लेते समय कंपनियां दूध की जांच करती है। अगर फैट कम पाया जाता है तो कीमत सीधे आधी कर दी जाती है। ऐसा दूध 15 से 16 रुपए में लिया जाता है। जानकारों का कहना है, किसानों के दूध में फैट कम होने की बात कहते हुए भी कंपनी के अधिकारी कम कीमत पर दूध ले लेते हैं और ये दूध दूसरी कंपनियों को बेच दिया जाता है।

तीन साल से 33 रुपए दाम

किसानों से पिछले तीन साल से 33 रुपए लीटर में ही दूध लिया जा रहा है। लगातार मांग के बाद भी दाम नहीं बढ़ाए जा रहे हैं, जबकि कंपनियां दूध के दाम कभी भी बढ़ा देती हैं।

– **साधराम पटेल**, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ दूध उत्पादक संघ

विचाराधीन कैदी की संदिग्ध मौत, परिजनों ने मारपीट का आरोप लगाकर किया हंगामा

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

रायपुर सेंट्रल जेल में बंद एक विचाराधीन कैदी की मौत हो गई। जेल प्रशासन जहां कैदी की मौत का कारण तबीयत बिगड़ना बता रहा है, वहीं मृतक के परिजनों का आरोप है कि जेल में उसके साथ मारपीट की गई है, जिसमें उसकी जान चली गई। मृतक के परिजनों का यह भी आरोप है कि कैदी की मौत की खबर को जेल प्रशासन ने छिपाने का प्रयास किया है, इसलिए मौत की सूचना तक परिजनों को नहीं दी गई। इस मामले में परिजनों ने आंबेडकर अस्पताल में भी जमकर हंगामा किया। उनका कहना है कि जब तक घटना की जांच नहीं की जाएगी, तब तक शव को अपने साथ ले नहीं जाएंगे।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को दोपहर में जेल में हत्या की सजा में बंद विचाराधीन कैदी मोहम्मद शादाब 35 वर्ष की मौत हो गई। उसकी मौत के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए चीरघर लाया गया। इधर कैदी की मौत की खबर मिलते ही मृतक के परिजन भी तत्काल चीरघर पहुंचे और उसकी मौत के लिए जेल प्रशासन की लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। मृतक के भाई मो. सरवर का कहना है कि जेल में उसके भाई के साथ मारपीट की गई है, जिसके निशान उसकी बॉडी पर भी है, जिसका विडियो भी बनाया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जेल प्रशासन द्वारा शादाब की मौत की खबर तक उन्हें नहीं दी गई है। दूसरे लोगों से इसकी सूचना मिली। इस तरह जेल प्रशासन द्वारा उसकी मौत की खबर भी छुपाई जा रही थी। सरवर का कहना है कि जब तक इस घटना की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं होगी, तब तक वे शव को अपने साथ नहीं ले जाएंगे। इधर इस घटना पर जेल प्रशासन के अधिकारियों ने भी चुप्पी साधी हुई है। इस मामले में जेल अधीक्षक से मोबाइल पर संपर्क भी साधा गया, लेकिन कोई रिस्पांस नहीं मिला। हालांकि दबी जुबान में यह बात जरूर कही जा रही है कि कैदी की मौत हृदय घात से हुई है। बहरहाल शव का पोस्टमार्टम होना अभी बाकी है। बताया जा रहा है कि मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का खुलासा होगा। इधर मृतक के परिजन इस घटना की जांच की मांग को लेकर मुख्यमंत्री, गृहमंत्री, राज्यपाल सहित कलेक्टर, एसपी को आज ज्ञापन सौंपेंगे। इसकी जानकारी मृतक के भाई ने दी।

नियमित वालों के प्रमोशन की संभावना से संविदा डाक्टरों को टेंशन, एक सीनियर डाक्टर ने छोड़ी नौकरी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

बीस साल से मेडिकल कालेज में दे रहे थे सेवा, पदोन्नति प्रक्रिया से समाप्त हो जाएगा

चिकित्सा शिक्षा विभाग में नियमित डाक्टरों की भविष्य में होने वाली पदोन्नति की संभावना के बाद संविदा आधार पर सेवा देने वाले चिकित्सकों का टेंशन बढ़ गया है। प्रमोशन के दौरान संबंधित पद पर नियमित डाक्टर मिलने से उनकी नियुक्ति स्वतः समाप्त हो जाएगी। इस परेशानी को ध्यान में रखते हुए रायपुर मेडिकल कालेज के एक सीनियर डाक्टर ने इस्तीफा दे दिया है। तर्क यह भी दिया जा रहा है कि वेतन बढ़ाए जाने की घोषणा के बाद भी संविदा चिकित्सकों को अपनी भविष्य की चिंता सता रही है, जिसकी वजह से संविदा डाक्टरों की भर्ती की प्रक्रिया को बड़ी सफलता नहीं मिल पा रही है।

जानकारी के अनुसार शासकीय मेडिकल कालेज के बायो केमेस्ट्री विभाग में प्रोफेसर के रूप में सेवा देने वाले चिकित्सक डा. पीके खोडियार करीब बीस साल से संविदा आधार पर अपनी सेवा दे रहे थे। उनके साथ काम करने वाले कनिष्ठ चिकित्सक जो नियमित हैं, वे प्रमोशन के पात्र हो चुके हैं और आने वाले दिनों में प्राध्यापक बनाए जाने के बाद डा. खोडियार की संविदा वाला पद स्वतः समाप्त हो जाता है। लंबे समय से सेवा देने के बाद भी उन्हें और ऐसे कई चिकित्सकों नियमित नहीं किया गया है। पीएससी के माध्यम से जिनकी सीधी भर्ती हुई है, उन्हें प्रमोशन का लाभ मिलेगा, जिसके बाद संविदा वालों के कई पद समाप्त हो जाएगा। इसकी वजह से भविष्य को लेकर चिंतित संविदा डाक्टर बेहतर विकल्प की तलाश में हैं। चिकित्सकों की कमी को पूरा करने स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग संविदा आधार पर भर्ती प्रक्रिया पूरी करता है, मगर आवेदकों की संख्या कम होने की वजह से पर्याप्त संख्या में डाक्टर की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। इसका एक उदाहरण रायपुर मेडिकल कालेज में संविदा आधार पर भर्ती के लिए आयोजित होने वाला इंटरव्यू है। राज्य में सीधी भर्ती की प्रक्रिया पिछले दो साल से लोक सेवा आयोग द्वारा पूरी नहीं की गई है। सूत्रों के अनुसार डीकेएस सुपरस्पेशलिटी विभाग में सेवा देने वाले 80 फीसदी चिकित्सा संविदा आधार पर अपनी सेवा दे रहे हैं। वहां भी भर्ती के लिए लगातार प्रयास होते हैं मगर पूरी फैकल्टी की व्यवस्था नहीं हो पाती है। वहीं निजी अस्पतालों में सेवा देने बड़े पैकेज का ऑफर मिलने पर अक्सर संविदा चिकित्सक अपनी नौकरी छोड़ देते हैं। आंबेडकर अस्पताल में भी इस्तीफे का मामला पूर्व में सामने आ चुका है। तर्क यह भी दिया जा रहा है कि संविदा डाक्टरों को अगर नियमित किया जाता है कि तो फैकल्टी की कमी काफी हद तक पूरी की जा सकती है। इधर स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए संविदा आधार पर पिछले 16 माह में 520 संविदा चिकित्सकों की भर्ती की गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जनवरी 2024 से अप्रैल 2025 तक 88 विशेषज्ञ चिकित्सक, 432 चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती की गई है। इसके अलावा 344 स्टाफ नर्स, 87 एएनएम, 75 लैब टेक्नीशियन, 279 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी और 878 अन्य पदों पर संविदा नियुक्तियाँ की गई हैं।

गुमशुदा

नाम **अमन जयसवाल**, पिता गोरख जयसवाल, उम्र 23 वर्ष, कद 5'6 इंच रंग गेहुंआ, दिनांक 05/04/2025 को घर से बिना बताए कही चले गया है। अमन जयसवाल तुम जहां कहीं भी हो जल्दी घर वापस आ जाओ, पिताजी बहुत परेशान हो रहे है। किसी सज्जन को कहीं दिखे तो कृपया सूचित करें।

गोरख जयसवाल
पताः ब्लॉक नं. 69/जे, केम्प-1, 18 नं. रोड, चार ब्रेकर के पास, भिलाई
मो- 8319255183

नई औद्योगिक नीति में 10 करोड़ के पूंजी निवेश पर मिलेगा 1 करोड़ तक अनुदान

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति 2024-30 के तहत बने छत्तीसगढ़ राज्य अंश पूंजी अनुदान नियम के तहत वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने वाली इकाइयों की स्थापना के लिए 10 करोड़ तक का निवेश करने वाले उद्यमियों को 1 करोड़ रुपयों तक का अनुदान मिल सकता है। खास बात ये है कि इन नियम के तहत कोर सेक्टर के उद्यमों को छोड़कर महिला उद्यमी, भारतीय सेना से सेवानिवृत्त सैनिक, सेवा निवृत्त अग्निवीर, नक्सलवाद से प्रभावित व्यक्ति, निःशक्तजन वर्ग के उद्यमियों साथ एससी, एसटी वर्ग के उद्यमी इसके लिए पात्र होंगे।

ये हैं शर्तें नए नियम में

यह अनुदान हासिल करने के लिए ईकाई में वाणिज्यक उत्पादन प्रारंभ होने पर वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ होने के दिनांक से न्यूनतम पांच साल की अवधि तक अकुशल श्रमिकों, में न्यूनतम 100 प्रतिशत, कुशल श्रमिकों में न्यूनतम 70 प्रतिशत, तथा प्रबंधकीय-प्रशासकीय पदों पर न्यूनतम 40 प्रतिशत रोजगार राज्य के मूल निवासियों को देना होगा, लेकिन इसके साथ ही यदि भारत शासन, राज्य शासन या इसके किसी निगम, बोर्ड, मंडल, आयोग या वित्तीय संस्था, बैंक से अंश पूंजी अनुदान प्राप्त किया गया हो तो इस अनुदान की पात्रता नहीं होगी।

कैट छत्तीसगढ़ की नई कार्यकारिणी गठित, परमानंद जैन बने प्रदेश अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

कैट छत्तीसगढ़ को नया नेतृत्व मिला है। परमानंद जैन कैट की छत्तीसगढ़ इकाई के प्रदेश अध्यक्ष बनाये गये हैं। इसी तरह नई कार्यकारिणी में सुरिंदर सिंह को प्रदेश महामंत्री और अजय अग्रवाल को प्रदेश कोषाध्यक्ष बनाया गया है कैट छत्तीसगढ़ चेप्टर की बैठक मंगलवार को दोपहर 3 बजे प्रदेश कार्यालय में आयोजित हुई। इस महत्वपूर्ण बैठक में आगामी दो वर्षों के लिए प्रदेश कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा कैट राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी को नई प्रदेश कार्यकारिणी गठन के लिए अधिकृत किया गया था। श्री पारवानी के मार्गदर्शन में बैठक प्रारंभ हुई, जिसमें तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोषी ने परमानंद जैन के नाम का प्रस्ताव प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए प्रस्तुत किया। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने इस प्रस्ताव का सर्वसम्मति से समर्थन करते हुए परमानन्द जैन को छत्तीसगढ़ प्रदेश का नया अध्यक्ष निर्वाचित किया।

युवक ने की आत्महत्या, दो दिन पहले दिलाया था नीट एग्जाम

रायपुर। मेडिकल की पढ़ाई के लिए दो दिन पहले नीट की परीक्षा में शामिल हुए युवक ने आत्महत्या कर ली। नयापारा में सुबह-सुबह हुई इस घटना के बाद परिवार सदमे में है। आशंका जताई जा रही है कि कड़ी तैयारी के बाद भी उसका पेपर संतोषजनक नहीं बना था। गोलबाजार थाने की पुलिस ने मर्ग कायम कर संदेह के आधार पर मामले की जांच कर रही है। नयापारा फूल चौक के समीप रहने वाले अरविंद साहू का 18 वर्षीय पुत्र प्रशांत मेडिकल की पढ़ाई के लिए कड़ी मशक्कत कर रहा था। घर में पढ़ाई के साथ वह टिकरापारा के एलेन संस्थान में कोचिंग भी ले रहा था। दो दिन पहले उसने मेडिकल कालेजों में प्रवेश की पात्रता के लिए नीट का एग्जाम दिलाया था। सूत्रों के अनुसार इस बार आयोजित परीक्षा के सवाल काफी कठिन थे। आशंका जताई जा रही है कि प्रशांत का पेपर संतोषजनक तरीके से हल नहीं हुआ था। इसे लेकर वह तनाव में था।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

"सार्वजनिक अधिसूचना" प्रोफार्मा 10-01

रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपभोक्ताओं को एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि रेलवे के निम्नलिखित खण्ड पर 25000 वोल्ट, 50 हर्टज एसी सिन्गल फेजशिरोपरी कर्षण तारों को खण्ड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या बाद मे उर्जित किया जायेगा । उस तारीख पर और उस तारीख से शिरोपरी कर्षण लाईन को सब समय विद्युन्मय माना जायेगा और कोई अनाधिकृत व्यक्ति उस शिरोपरी लाईन की सामीप्यता में दाखिला होने या काम करने नहीं जायेगा ।

कार्य का विवरण खण्ड / स्टेशन	मण्डल	तारीख
विद्युत निर्माण विभाग (बिलासपुर) द्वारा किरोड़ीमलनगर यार्ड एवं किरोड़ीमलनगर - भूपदेवपुर सेक्शन के इलेक्ट्रिफिकेशन के संबंध में 4 th लाइन पर 25 केवी, सिंगल फेज एसी, 50 हट्र्ज, ट्रैक्शन ओएचई की शुरूआत के लिए सार्वजनिक अधिसूचना।	बिलासपुर द.पू.म. रेलवे	15.05.2025

प्रोफार्मा 10-02
एसी 25 केवी कर्षण को चालू करना
"सडक उपयोक्ताओं को चेतावनी"

जन साधारण की सूचना के लिए अधिसूचित किया जाता है कि द. पू. मध्य रेलवे, बिलासपुर मण्डल के अंतर्गत विद्युत निर्माण विभाग (बिलासपुर) द्वारा **किरोड़ीमलनगर यार्ड एवं किरोड़ीमलनगर भूपदेवपुर सेक्शन** के इलेक्ट्रिफिकेशन के संबंध में 4th लाइन पर 25 केवी, सिंगल फेज एसी, 50 हट्र्ज, ट्रैक्शन ओएचई की शुरूआत के लिए सार्वजनिक अधिसूचना । सभी समपारों पर सड़क सतह से 4.78 मी की स्पष्ट ऊँचाई पर ऊँचाई गेजें लगाई है ताकि बहुत अधिक ऊँचाई वाले लोड को विद्युन्मय कर्षण तार की खतरनाक सन्निकटता या सम्पर्क में आने से रोका जा सके।

जन साधारण को एतद् द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वाहनों के लदान के प्रयोजन के लिए उक्त विनिर्दिष्ट ऊँचाई का पालन करें और यह देखें कि सड़क वाहन में ढोये जा रहे लोड़ से किसी भी स्थिति में ऊँचाई गेजों का अतिलंघन न करें।

अत्यधिक ऊँचाई के लोड के **खतरा** निम्नानुसार हैं :-

(I) ऊँचाई गेज के लिए खतरा और उसके फलस्वरुप सड़क और रेल्वे लाइन पर बाधा । (ii)वाहन पर ले जाये जा रही सामग्रियों या उपस्कर को खतरा । (iii) चालकों की खतरनाक सामीप्यता या संपर्क के कारण आग का खतरा और जीवन की हानि का खतरा।

दिनांक : 05.05.2025
सीपीआर/10/AM/44

उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण)
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर.

South East Central Railway @secrail

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION COMPANY LIMITED
(A Govt. of C.G. Undertaking)

No. 03-03/TN-58/25-26/1467 Raipur, Dtd 02/05/2025

E- TENDER NOTICE No. TN-58

Online bids are invited by the undersigned through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from Experienced & reputed contractors for Supply/ work as mentioned below: -

S. No.	Tender no. /RFx no.	Description	Date & time for bid submission
1.	HP-84/25-26 8100042942 (With RLA)	Procurement of Metallic Expansion Joint for Flue Gas & Hot Air ducts of Unit # 4, HTPS, Korba West.	28.05.2025 Up-to 15:00 Hrs
2.	HP-85/25-26 8100042943 (With RLA)	Supply and installation of CW Duplex Strainer -300 NB for unit no. 01, 02 and 03 of 3x40 MW, Hydro T -G unit at HBHPS, Machadoli, Korba.	28.05.2025 Up-to 15:00 Hrs
3.	EW-91/25-26 8100042980 (With RLA)	Work contract for daily & continuous cleaning of various conveyor system covered under part- I, II, & III and cleaning of chutes during wet season at CHP: Internal (4x210 MW), HTPS, Korba West.	26.05.2025 Up-to 15:00 Hrs
4.	EW-92/25-26 8100042979 (Without RLA)	Deployment of skilled manpower for "Day to day preventive & routine maintenance of electrical machines, auxiliaries & equipments of CHP-INT, 1x500 MW, HTPS, Korba (West)".	26.05.2025 Up-to 15:00 Hrs

The details of NIT can be viewed from our website www.cspc.co.in and the Tender Documents can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal:– https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal
Any amendment/corrigendum, if required, will be displayed on our website only.

SAVE ELECTRICITY

EXECUTIVE DIRECTOR (S&P:GEN)
CSPGCL::RAIPUR

राशिफल

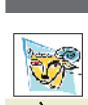
मेष किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेंगी।

वृष मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट होगा।

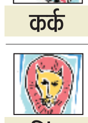
सिंह व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

शब्द पहेली - 5859

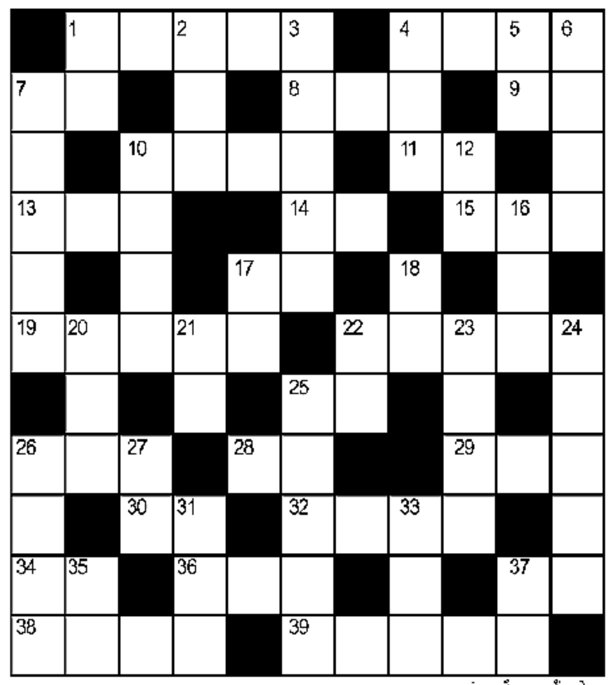

बाएँ से दाए-
1. दयालु, उदार-5
4. गगन, आकाश-4
7. सरिता-2
8. चोगा, गाऊन-3
9. छुट्टी, अवकाश-2
10. आबे हयात, काबा कूप-4
11. रिहा-2
13. खाना, भोजन करना-3
14. जिद-2
15. हिम्मत, बल-3
17. कारागार-2
19. रईसे आजम, सूरी-5
22. दुत्कारना, डांटना-5
25. सराबोर-2
26. भोर, सवेरा-3
28. मूल्य, कीमत-2
29. महीन, बहुत छोटा-3
30. फूंक, दम, सुट्टा -2
32. झंकार, प्रतिध्वनि-4
34. उष्णता, ज्वर-2
36. ओट, चिलमन-3
37. छोटा टुकड़ा-2
38. सराबोर, सना हुआ-4
39. निर्माता, रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. कैदी, बंधक-2
2. मुलायम-3
3. यात्री पोत, तैरता होटल-5
4. उर्दू में अभिवादन-3
5. पिटाई, चोट-2
6. नाजुकता-4
7. नया जीवन-5
10. मर्यादा-4
12. खाली, रिक्त-2
16. लाईन, पंक्ति-3
17. गर्मी का महीना-2
18. उदर-2
20. दीनहीन, दरिद्र-3
21. लश्कर, फौज-2
22. नष्ट, अद्वैतभाव-2
23. व्यवसाय, धंधा-4
24. नाम रखना -2,3
25. होशियार-5
26. सुर आलाप-2,2
27. अधिकार-2
31. प्रतिज्ञा-3
33. आकांक्षा, अभिलाषा-3
35. राह, मार्ग-2
37. टैक्स, हाथ-2

■ मंगल सेनाचा, बेंगलोर

शब्द पहेली - 5858 का हल

सूडोकु नवताल - 5869

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5868 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

06- MAY- K&C- MAIN- Pg- 10 CLASSI-SEHSH_Layout 1 5/7/2025 4:51 AM Page 1

प्रथम पृष्ठ का शेष

प्रदेश के मुख्यमंत्री....

सरकार को, इस समय में हमने मोदी की गारंटी को पूरा करने का काम किया है। हमने अधिकांश बड़े-बड़े वादे पूरे करने का काम किया है। प्रधानमंत्री आवास, किसानों का 31 सौ में धान खरीदने का काम, किसानों को दो साल का बोनस देना, पीएससी घोटाले की सीबीआई जांच, महतारी वंदन में महिलाओं को एक हजार रुपए देने का काम, तेंदूपत्ता की कीमत बढ़ाई है। बोनस भी दे रहे हैं। हम सुशासन की बात करते हैं। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जहां पर सुशासन अभिसरण विभाग का गठन किया गया है। हम पारदर्शी सरकार चलाना चाहते हैं, उसका क्रियान्वयन निचले स्तर से होना चाहिए। इसलिए हम लोग भरी गर्मी में भी गांवों तक जाकर देख रहे हैं। शासन-प्रशासन देख रहा है कि गांव तक योजना किस तरह से पहुंच रही है।

- जब आपने अभियान की योजना तैयार की तो आपके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने क्या कहा?

- भाजपा जो कहती है, वह करती है। पहले भी लगातार 15 साल तक भाजपा की सरकार में मुख्यमंत्री रहे डॉ. रमन सिंह भी सुराज अभियान चलाते थे। डॉ. रमन भी भरी गर्मी में जाते थे, कहीं भी बिना बताए जाते थे। इसका बड़ा फर्क पड़ता है, हम लोग योजनाओं को गांवों तक पहुंचाने में सफल होते हैं। उसी परंपरा को हम निभा रहे हैं।

- डेढ़ साल में सुशासन के माध्यम से क्या कर पाए जो लगा अब सुशासन तिहार मना सकते हैं?

- सबसे बड़ी बात यह है कि हमने मोदी की गारंटी के सभी बड़े वादे पूरे कर दिए हैं। इसके पहले कांग्रेस की सरकार थी, उसको भी बड़ा जनादेश मिला था। कांग्रेस ने बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन अपने वादों को पूरा नहीं किया। उनके घोषणापत्र में 36 वादे थे, लेकिन इसमें से एक भी वादा पूरा नहीं किया। छत्तीसगढ़ की जनता के साथ धोखा तो किया है, साथ ही पूरे छत्तीसगढ़ को अपराध का गढ़ बना दिया। भ्रष्टाचार का भी गढ़ बना दिया। उसके पांच साल के शासनकाल में अनेकों घोटाले हुए। कोयला, शराब, महादेव से लेकर घोटाले ही घोटाले किए। उनके कई नेता और सहयोगी आज जेल में हैं। पीएससी के साथ भी खिलवाड़ किया गया। कांग्रेस ने प्रदेश की जनता का विश्वास खोया, उसी का नतीजा रहा कि 2023 में जनता ने भाजपा पर भरोसा करके उसको ऐतिहासिक जीत दिलाकर सत्ता में वापस आने का मौका दिया। अब हमको जनता के भरोसे पर खरा उतरते हुए अच्छा काम करके दिखाना है।

0 कांग्रेस सरकार में जिस तंत्र के रहते घोटाले हुए, उसी तंत्र के अधिकारियों के साथ आपकी सरकार को भी काम करना पड़ रहा है, कितना मुश्किल हो रहा है सुशासन के साथ काम करना?

00 इंजन ठीक रहता है तो गाड़ी ठीक चल जाती है। हम लोगों की नीति और नीयत दोनों साफ है। ऐसा नहीं है कि उस समय के सारे अधिकारी भ्रष्ट थे, उस समय भी अच्छे अधिकारी थे। अगुवा लोग ही भ्रष्ट थे, तो बाकी लोगों की भी मजबूरी में करना पड़ता था। लेकिन आज वो बात नहीं है।

0 40 लाख आवेदन आए हैं, उसको लेकर कितने परेशान हैं?

00 ज्यादातर आवेदनों में मांग है। सबसे ज्यादा प्रधानमंत्री आवास की मांग है। गैस सिलेंडर, पेयजल इनकी मांग है। शिकायतें बहुत कम है। यह इस बात का प्रमाण है कि हम लोगों का सुशासन प्रदेश में है। प्रधानमंत्री ने 25-26 के बजट में भी तीन करोड़ मकानों का प्रावधान किया है। 13 मई को हमारे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान आ रहे हैं। साढ़े तीन लाख पीएम आवास की सौगात प्रदेश वासियों को मिलेगी। आने वाले समय में प्रधानमंत्री आवास की जो भी मांग आई है, उसको पूरा करने में सफल होंगे। उज्जवला योजना और पेयजल की मांग भी हम पूरी करने वाले हैं। डबल इंजन की सरकार में इसका लाभ मिलेगा।

0 पहली उड़ान डॉ. चरण दास महंत के इलाके में इसकी कोई खास वजह?

00 इसकी कोई खास वजह नहीं है, विकास तो पूरे प्रदेश का करना है। चाहे वह सक्ती हो, कोरबा हो या बस्तर हो, सभी स्थानों पर जाएंगे।

0 नक्सल मोर्चे पर अचानक इतना आक्रामक रूख और आंकड़े सरकार के पक्ष में कैसे दिखाई दे रहे हैं?

00 छत्तीसगढ़ के विकास में एक बड़ी बाधा नक्सलवाद है। पहले भी हमारी सरकार लड़ती रही है। अब डबल इंजन की सरकार है तो नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई और मजबूती से लड़ी जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ आकर सरकार के साथ जवानों का भी हौसला बढ़ाने का काम किया है तो हमारी सरकार और जवान मजबूती के साथ नक्सलवाद के खिलाफ लड़ रहे हैं। हमारे गृह मंत्री का मार्च 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त करने का संकल्प जरूर पूरा होगा।

0 नक्सलियों को स्थानीय स्तर पर मदद मिलने में कोई बदलाव आया है क्या?

00 जरूर बदलाव आया है। हम लोग जनता का भरोसा जीतने में सफल रहे हैं। इसका बड़ा प्रमाण है कि बस्तर में ज्यादा से ज्यादा सुरक्षा कैंप खुल रहे हैं। जहां भी कैंप खुल रहे हैं, वहां उनके अंदर जो भी गांव है, वहां पर सरकार की योजनाओं पहुंचा रहे हैं। नियद नेल्ला नार योजना भी चल रही है। इसका मतलब है आपका सुंदर गांव। सड़कें बन रही है, बिजली, पानी पहुंच रहा है। राशन कार्ड बन रहे हैं। विकास के सारे काम हो रहे हैं वहां पर बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया गया। इसमें एक लाख 65 हजार ने भाग लिया। बस्तर पंडुम महोत्सव में भी 47 हजार ने भाग लिया। यह सब इस बात का प्रमाण है कि क्षेत्र की जनता विश्वास सरकार के प्रति बढ़ा है। नक्सलवाद की समाप्ति बस्तर की जनता भी चाहती है।

0 केंद्रीय मंत्री रहे, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रहे, अब मुख्यमंत्री हैं, असल मजा किसमें आया?

00 हमको पार्टी जो भी काम देती है, उसको निष्ठा और ईमानदारी के साथ करते हैं। हम तो गांव के किसान के बेटे हैं, हम तो दस साल में अनाथ हो गए थे। हमारे पिता का निधन हो गया था। हम कभी सोचे नहीं थे, विधायक, सांसद, मंत्री बनेंगे, हम तो सरपंच का कभी नहीं सोचे थे। घर में बड़े थे तो घर परिवार को संभालने के साथ खेती-बारी भी संभालने का काम किया। सोचते थे भाईयों को पढ़ा लिखाकर बड़ा आदमी बनाएंगे। पढ़ाई छोड़कर हम घर में बैठे तो उस समय पंचायत चुनाव चल रहा था तो गांव वालों के हमको पंच बना दिया। पांच साल बाद गांव वालों ने सरपंच बना दिया। विधानसभा का चुनाव आया तो भाजपा ने हमको विधायक का प्रत्याशी बना दिया। मात्र 26 साल की उम्र में हम विधायक बन गए। इसके बाद से ये सफर चल रहा है। विधायक के बाद सांसद, प्रदेशाध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री और अब मुख्यमंत्री के रूप में काम करने का मौका मिला है। हमको तो आज भी नहीं लगता है कि हम सीएम हैं। हम तो जनता के सेवक हैं। वैसे मुख्यमंत्री के रूप में काम करने में ज्यादा आनंद आ रहा है और संतुष्टि भी हो रही है। मुख्यमंत्री के रूप में हम ज्यादा लोगों की सेवा कर सकते हैं।

0 मंत्रिमंडल विस्तार कब होगा?

00 विस्तार तो होना है, समय का ही सवाल है। निगम, मंडल को लेकर भी ऐसी बातें होती थीं, निगम, मंडल का गठन हम लोगों ने कर दिया है। मंत्रिमंडल का विस्तार भी हो ही जाएगा।

नर्स की नौकरी...

जीता। शकुंतला का मानना है कि अगर हमें अपनी मंजिल हासिल करनी है तो उसके लिये हमें खुद को अनुशासित करना होगा। खुद के लिये नियम बनाने होंगे। शकुंतला कहती हैं कि महिलाओं को अपने परिवार का तो ध्यान रखना ही चाहिये लेकिन अगर उनके भीतर कोई विशेष दक्षता है तो उसे निखारने के लिये स्वयं प्रयास करना चाहिये। स्वयं को फिट रखने के लिये नियमित व्यायाम व योग करें। फॉस्ट फूड खाने से बचे। अपने भोजन में हरी सब्जियाँ, सलाद व फलों को जरूर शामिल करें। इसके अलावा शिक्षा पर जरूर ध्यान दें।

कुछ दिन बैसाखी के....

रोज मैदान में घण्टों समय बिताने लगी, फिर जिम ज्वाइन किया। यहां से उनका वेटलिफ्टिंग का जो दौर शुरू हुआ वो अब भी चल रहा है। कमला देवी मंगतानी अब तक 60 से ज्यादा स्पर्धाओं में हिस्सा ले चुकी हैं। देश ही नहीं विदेश में भी कमला ने भारत का झंडा बुलंद करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। अब तक उन्होंने 120 से ज्यादा मेडल जीते हैं। हाल दुबई में आयोजित 11वें अंतरराष्ट्रीय खेल समारोह में उन्होंने स्विमिंग, वेटलिफ्टिंग, तवा फेंक और गोला फेंक में भाग लिया. जिनमें तीन गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जीता।

सड़क हादसे के...

अधिसूचना के अनुसार, राज्य सड़क सुरक्षा परिषद उस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के लिए योजना के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी होगी और निर्दिष्ट अस्पतालों को शामिल करने, पीड़ितों के उपचार, उपचार पर निर्दिष्ट अस्पताल को भुगतान एवं संबंधित मामलों के लिए पोर्टल को अपनाने तथा उपयोग के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के साथ समन्वय करने को लेकर जिम्मेदार होगी।

एक बार मिली ...

से संबंधित था। याचिकाकर्ता का नाम ड्राइवर के पद के लिए अनुशंसित किया गया था, लेकिन अंतिम नियुक्ति माली के पद पर की गई थी। याचिकाकर्ता ने असहमति के बावजूद 14 सितंबर 2020 को विरोध के तहत उक्त पद पर कार्यभार ग्रहण किया। इस मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट द्वारा पारित आदेश में अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित महत्वपूर्ण बात कही गई है।

हाईकोर्ट ने आदेश में कही ये बात- अनुकंपा नियुक्ति कोई अधिकार नहीं है, बल्कि मृतक सरकारी कर्मचारी के परिवार के सामने आने वाले तत्काल वित्तीय संकट को कम करने के लिए सेवा न्यायशास्त्र के तहत दी गई रियायत है।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्या. जशपुर (छ.ग.)

क्र./का.यंत्री/सं.सं./ सा./ सू.प्र./243 जशपुर, दिनांक 06.06.2025

सूचना

समस्त सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि जशपुर/ खुटेरा (बगीचा) अति उच्चदाब लाइनों में आकस्मिक सुधार कार्य हेतु नीचे दर्शायी गई तिथि एवं समय में विद्युत आपूर्ति बन्द रहेगी। सम्माननीय उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिए खेद है।

क्रमांक	दिनांक	समय	प्रभावित क्षेत्र
01	07.05.2025	सुबह 08:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक	132 के. व्ही. उपकेन्द्र जशपुर/ खुटेरा (बगीचा) के अंतर्गत आने वाले सभी क्षेत्र।

नोट:- उपरोक्त अवधि में आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया जा सकता है।

"स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें"
"विद्युत देयकों का पूर्ण भुगतान कीजिए और 50% छूट का लाभ उठाइये"
"विद्युत चोरी दण्डनीय अपराध है।"

संवाद- 43758 कार्यपालन यंत्री (सं./सं.) संभाग, छ.रा.वि.वि.कं. मर्या. जशपुर

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है,
यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

हर्बल लेप
शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुनः लगा दें।

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

Education INSTITUTIONS

कोटा स्टडी सर्कल
भिलाई / रायपुर

विवेक कुमार वर्मा 568/720
NEET, IIT-JEE PET/PAT
विशेषताएं
- कोटा ट्रेन्ड टीचर्स
- हिन्दी तथा अंग्रेजी माध्यम के प्रथक प्रथक बैचस
- गर्ल्स एवं बॉयस के लिए अलग होस्टल
रायपुर कोटा सेंटर
भाटिया कॉम्पलेक्स, नियर राजकुमार कॉलेज के सामने जीई रोड रायपुर
9301547784
भिलाई कोटा सेंटर
बिल्डिंग नं. 150 न्यू सिविक सेंटर, भिलाई
9098534927

आवश्यकता है
आया बाई
(हॉस्पिटल एवं घरेलु कार्य हेतु)
नर्सिंग स्टॉफ
काउंटर स्टाफ
अग्रवाल चिल्ड्रन हॉस्पिटल
मगरपारा रोड, बिलासपुर
संपर्क करें:- सुबह 11 से 01 बजे तक
07752-226296, 402543

आवश्यकता है

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में कार्य करने हेतु युवक, युवतियों की वसूली एवं माल निकालने हेतु आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सन ट्रेडर, मेडिकल काम्पलेक्स तेलीपारा बिलासपुर (37661)

आवश्यकता है- मेडीकल एजेन्सी में पैकिंग कार्य हेतु, सेल्समेन, पेमेन्ट कलेक्शन, टेलीकालर,अनुभवी, फ्रेशर लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सिटी केमिस्ट 19 (केमिस्ट भवन के पास) मेडीकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर (37662)

आवश्यकता है- रेस्टोरेंट में तन्दूर ब्वॉय, वेटर लड़की, लड़का, किचन हेल्पर चाहिए वेतन योग्यता अनुसार, खाना रहना फ्री फ्रेशर लड़के लड़कियां भी सम्पर्क करें- रेस्टोरेंट मुर्ग मसल्लम मंदिर चौक जरहाभाठा बिलासपुर 7879121999 (37660)

आवश्यकता है- मैनेजर-1 की आवश्यकता है। वेतन 10000/- प्रतिमाह। 30वर्ष से ऊपर के ओरिजनल आईडी, बायोडाटा सहित योग्य स्वयं आकर दोपहर 12बजे के बाद मिले- प्रबंधक अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 9827940898 (37657)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- भारत बैग हाउस तेलीपारा बिलासपुर (37658)

आवश्यकता है- गोवा, पुणे, मुम्बई, नासिक, नागपुर, कम्पनी हेल्पर, ITI, सुपरवाइजर, हाउस किपिंग, वेटर, किचन हेल्पर, टेबल ब्वॉय की आवश्यकता है सेलरी 10000 से 30000 रहना, खाना सम्पर्क करें- 9825376097 (37635)

आवश्यकता है- पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर में गोट फार्म (बकरी फार्म) हेतु लड़के/ लड़कियाँ और पति पत्नी (जोड़े) की आवश्यकता है। रहना फ्री। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7869523344, 7301717175 (37659)

आवश्यकता है-लड़की स्टाफ चाहिए ऑफिस कार्य हेतु टाइम सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे तक सैलरी 7000 से 8000 सम्पर्क करें- 93012 64242 (37628)

आवश्यकता है-दुकान की साफ सफाई हेतु 18 से 30वर्ष के लड़के की आवश्यकता केवल जूना बिलासपुर, कतियापारा नारियल कोठी, दयालबन्द, बस स्टैण्ड के आस पास रहने वाला ही सम्पर्क करें- 9407649113 (37636)

आवश्यकता है-रेस्टोरेंट में वेटर लड़का, लड़की, हेल्पर मिस्त्री, रोटी बनाने, बर्तन धोने वाली एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए खाने, रहने की सुविधा पेमेंट योग्यतानुसार पता पाण्डेय स्वीट्स एंड नमकीन, सरकंडा बिलासपुर 9907748408 (37632)

आवश्यकता है-UTN Shop में मार्केटिंग कार्य हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन 10000 से 150000 सम्पर्क करें- शॉप नं.-16 फर्स्ट फ्लोर सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7806007192, 79995 94790, 07752491771 (37643)

आवश्यकता है-कार शोरूम में दो कार ड्राइवर (कार शोरूम अनुभवी), एक सेल्समैन (कार शोरूम अनुभवी) एवं दो कार साफ करने वाले (कार वाश अनुभवी) चाहिए। पता- कृष्णा सेल्स रिंग रोड नं.-2, महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 93006 74767 (37644)

आवश्यकता है-(1) कंस्ट्रक्शन ऑफिस में कार्य हेतु साइट सुपरवाइजर, साइट इंजीनियर (2) रियल एस्टेट टेलीकालिंग, सेल्स अनुभवी एक्जीक्यूटिव युवती की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क- 97707 70000, 9827072000 (37450)

आवश्यकता है-ऑफिस में कार्य हेतु मेहनती लड़कों, टेलीकालर अकाउंटेंट ईरिक्शा चालक चाहिए (इंटरव्यू सुबह 10बजे से 2बजे तक) जिसको काम की जरूरत हो वही कॉल करें- अग्रसेन चौक बिलासपुर 7805884040, 62326 72839 (37647)

आवश्यकता है-बुकिंग में इनोवा, क्रिस्टा कार चलाने हेतु 5वर्ष अनुभवी ड्रायवर चाहिए जो आटोमेटिक गाड़ी चलाना जानता हो फिक्स वेतन 16000 या 12000+ 100 भत्ता+ 100 नाईट, बाहरी के रहने की व्यवस्था सम्पर्क-सक्षम टूर एण्ड ट्रेवल्स 6264125145, 9301588883 (37512)

आवश्यकता है-एकाउंट एक्जीक्यूटिव, टेलीकॉलिंग एक्जीक्यूटिव, फील्ड एक्जीक्यूटिव, सेल्स एक्जीक्यूटिव की आवश्यकता है। इंटरव्यू सुबह 10:30 से शाम 5.30 सम्पर्क करें- वरुण सुजुकी राजीव गांधी चौक, रायपुर रोड, बिलासपुर 9174734567 (37652)

आवश्यकता है-मेडिकल एजेन्सी में पैकिंग करने तथा माल ट्रांसपोर्ट लेजाने और आर्डर, वसूली करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9111000629 (पढ़ाई बाध्य नहीं है) (37639)

आवश्यकता है-ढाबा में काम करने हेतु वेटर, तन्दूर मास्टर, हेड मिस्त्री, हेल्पर, बर्तन धोने वाले की आवश्यकता है सम्पर्क करें- नया हाईकोट के पास, रायपुर रोड बिलासपुर 7000942962, 90989 76666 (37642)

आवश्यकता है-परसदा (भरनी) में बिल्डर के नेतृत्व में मकान बनाने (सिविल कार्य) हेतु ठेकेदार की आवश्यकता है जिसके पास स्वयं की सेंट्रिंग हो, लेआउट डालना आता हो सम्पर्क करें- 9827404638, 9039104638 (37640)

आवश्यकता है-सिविल कार्य हेतु सिविल इंजीनियर एवं सुपरवाइजर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। केवल अनुभवी व्यक्ति ही सम्पर्क करें- आर्किटेक्ट सुमित अग्रवाल, बिलासपुर 99934 93390 (37629)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड, सुपरवाइजर, फिल्ड अधिकारी, कम्प्यूटर ऑपरेटर, योग्यता 10वीं से स्नातकोत्तर, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- Alert SGS Private Limited, भर्ती कार्यालय- साकरा चौक सिलतरा रायपुर, सिटी ऑफिस- 434 चतुर्थ तल प्रोग्रेसिव पॉइंट लालपुर रायपुर (छ.ग.) 7746000016, 7747000019, 77470 00016, 7746000019 (074)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड 50 उंचाई 5'-5" योग्यता 5वी से 12वीं वेतन 12000 से 19500 तक ESIC, PF, Bonus और रहना फ्री खाने की सुविधा दस्तावेज आधार कार्ड, पेन कार्ड, 10वीं अंक सूची बैंक पास बुक 8 पासपोर्ट फोटो सम्पर्क करें- शाप नं-8 प्रथम तल कमला सुपर बाजार तेलघानी चौक, रायपुर (छ.ग.) 077140 36689, 97703 04037, 8120957510 (046)

आवश्यकता है-ऑटोमोटिव बैट्री एवं टायर सेल्स हेतु मार्केटिंग/ सेल्समेन, ड्राइवर, बैट्री टेक्नीशियन, वेतन- योग्यता अनुसार 12000 से 20000+ इंसेंटिव, सम्पर्क करें- सिंघानिया इंटरप्राइजेस श्रीराम टॉवर के पास, व्यापार विहार बिलासपुर 7049016518, 7974811410 (7334)

आवश्यकता है-होटल में काम करने के लिए इंडियन चाइनीज शेफ ऑल राउंडर (कुक) (male, female) की आवश्यकता है आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- जगमल चौक बिलासपुर 7000078931 (37641)

आवश्यकता है-मंथली बेसिस में गाड़ी चलाने के लिए ड्राइवर, ऑफिस कार्य हेतु लड़के, लड़कियां एवं च्वाइस सेन्टर के अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9300672005 80947 30100 (37570)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु 10वी, 12वी पास लड़कों की आवश्यकता है जो कटनी, ग्वालियर में काम कर सके वेतन- 10000+ कमीशन +बोनस, रहना खाना फ्री ट्रेनिंग बाद 15000 से 20000 महीने। सम्पर्क करें- 8982690021, 9340613449 (331)

आवश्यकता है- लिमिटेड कंपनी को जरूरी अनपढ़ से 12 वी पास लड़कों की एयरपोर्ट जॉब ग्राउंड स्टाफ, हेल्पर, लोडर, ड्राइवर, सुपरवाइजर, सिक्योरिटी, डाटा एंट्री, सैलरी 18500/- से 45500/- (रहना+खाना फ्री पक्की नौकरी) 08920930586 (856)

आवश्यकता है-प्लाईवुड शोरूम में फील्ड सेल्स कार्य हेतु मार्केटिंग पर्सन-2 शिक्षित, अनुभवी लड़के चाहिए वेतन 10000 से 40000+ बोनस+ कमीशन +पेट्रोल, बाइक अनिवार्य, रिज्यूम 9608777772 पर Whats App करें, अनुभवी व्यक्ति सम्पर्क करें- SS Plywood महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 9589687772 (37454)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य के लिए युवक/ युवती की आवश्यकता है समय सुबह 10 से शाम 5.30 तक वेतन 6000 से 6500 सम्पर्क करें-अरुण आइसक्रीम के पास कुदुदंड बिलासपुर 9303002278 (7332)

आवश्यकता है-रायगढ़, रायपुर में गार्ड की नौकरी हेतु 5, 8, 10 पास हाईट 5'-6" इंच, 4 फोटो आधार कार्ड सहित मिले रहने खाने की सुविधा वेतन 14500 से 19000 सम्पर्क करें-81090 70600 (7086)

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000- 45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें - 8922962153 (855)

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000- 45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें - 8935818259 (861)

आवश्यकता है- छत्तीसगढ के सभी जिला व. ग्रामीण क्षेत्र से अनुभवी व फ्रेसर Candidate की 8वीं से12 वी पास ग्राउन्ड स्टाफ, हेल्पर, लोडर, ड्रायवर, सुपरवाइजर, वेतन-18500/- से 55000/- रहना+खाना फ्री 08588 080514 (862)

बेचना है

बेचना है-तखतपुर मेन रोड पर पुराना बस स्टैण्ड पर स्थित 20×70 वर्गफीट में बना सर्व सुविधा युक्त मकान एवं टिकरीपारा तखतपुर में 82 डिसमिल जमीन अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 79990 75751 (37645)

बेचना है-हर्ष-फिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड- 49, बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 3BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफॉर्डेबल फ्लैट, T&C रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (36177)

बेचना है-ब्रिलियंट स्कूल के पास बहतराई बिलासपुर में सीसी रोड, नाली, बिजली, डायवर्सन कॉलोनी में प्लॉट एवं मकान उपलब्ध हैं रेल्वे स्टेशन अपोलो हॉस्पिटल SECL मुख्यालय से मात्र 5 मिनट की दूरी सम्पर्क करें- 8319251951, 78282 25044 (054)

बेचना है- मंगला लोखण्डी मुख्य मार्ग पर कमर्शियल 850/- वर्गफीट एवं आवासीय डाइवर्टेड प्लाट मात्र 7 लाख एवं मकान 22लाख से प्रारंभ (बुकिंग कराने पर) बैंक द्वारा फाइनेन्स सम्पर्क करें 97136 66001 (37654)

बेचना है- लगरा में RTO आफिस के पास मेन रोड पर 13700 वर्गफीट का कमर्शियल प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 6267186441, 97552 21821, 8224985058 (37653)

बेचना है- बिलासपुर, सिरगिट्टी के गोविन्द नगर में 3225 वर्गफीट प्लाट और व्यापार विहार में दुकान के लिए एक प्लाट बेचना है संपर्क करें 9630083740, 97706 76030 (37655)

बेचना है-50×105= 5225 वर्गफुट मेन रोड पर कमर्शियल डाइवर्टेड, तोरवा रेड डाइमंड होटल के आगे अग्रवाल धर्म कांटा के बगल में बाउंड्रीवाल किया बेचना है कीमत 7500/- फुट सम्पर्क- 98279 38236, 8770963388 (37646)

बेचना है-प्लाट साइज 60×24= 1440 कंशट्रक्शन एरिया 3550 किराया 30000 माह (तीन फ्लोर) वॉलफोर्ट के समीप रिंग रोड-1, भाटागांव रायपुर नये बस स्टैण्ड के समीप मूल्य 90लाख सम्पर्क करें- 9575086006 (7313)

बेचना है-बिलासपुर रायपुर मेन रोड न्यू बस स्टेण्ड के सामने अम्बे प्लाजा शॉप नं.- G1, तिफरा में 16.5×27.5= 454 वर्गफीट की दुकान बेचना है सम्पर्क करें- 98274 95135 (37649)

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारंभ-प्रवेश प्रारंभ- फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी निश्चित सफलता के साथ पास करे B.Ed, B.A, B.Com, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.Com, M.Sc, MBA, MSW, B.Lib, M.Lib, DCA, PGDCA, Polytechnic, B.Tech, (अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करें) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा संपर्क- Bharti Education Academy, Sector-6, Bhilai 98261 96515, 9826896515 (7179)

Medicare Specialists

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

गुप्त रोगो का सफल ईलाज

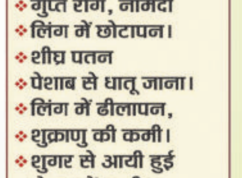

- गुप्त रोग, नामर्दी
- लिंग में छोटापन।
- शीघ्र पतन
- पेशाब से धातू जाना।
- लिंग में ढीलापन,
- शुक्राणु की कमी।
- शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
- जड़ीबुटी द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
- चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।
निःसंतान दम्पति आज ही मिलें
आज ही संपर्क करें
स्टेशन रोड, सीमरन होटल के सामने रायपुर, छ.ग.
9826038170

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

CLASSIFIED RATE CARD
01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/ Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sqcm
Bhilai+Durg Edition	440	560	520	150/- Sqcm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sqcm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sqcm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sqcm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sqcm
All CG+MP	1280	1750	1600	330/- Sqcm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sqcm

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4
COLOUR 20% Extra Charge For Disply

SCHEME
(Running) 3+1, 5+2, 10+6, 20+14, 30+25, 50+50
Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25
1. Pick of the day 15% extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100 Rs. EXTRA.

ADVT. Booking Time 10.30 am to 4.00 pm.
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL- Fix Size 10x3 Scheme

EDITION	RATE	Scheme
Raipur City	3000	2+1 5+3 10+10 15+18
Bhilai + Durg Edition	2800	
Raipur Edition	4400	
Bilaspur City	2500	
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500/- 1 Sunday	800/- 1 Sunday
900/- 2 Sunday	1200/- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE — 10X1 FIX SIZE

	(30 Days)	(60 Days)	(90 Days)
Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur
Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778
E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur.
Mob.: 9826782100
E-mail- hbclassified375@gmail.com

भारत की निगाह फाइनल में जगह बनाने पर, उम्मीद जीवंत रखने उतरेगा दक्षिण अफ्रीका

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

भारत महिला त्रिकोणीय एकदिवसीय क्रिकेट श्रृंखला में बुधवार को यहां जब दक्षिण अफ्रीका की टीम से भिड़ेगा तो वह पिछले मैच में श्रीलंका से मिली हार से उबरकर फाइनल में अपनी जगह पक्की करने को उत्सुक होगा। हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम का आठ मैचों की जीत का सिलसिला रविवार को मेजबान श्रीलंका से हार के साथ समाप्त हो गया। भारतीय टीम हालांकि अब भी अपने बेहतर रन रेट के कारण फाइनल में पहुंचने की प्रबल दावेदार है लेकिन वह अपने अगले मैच में जीत हासिल करके इस मुकाम पर पहुंचना चाहेगी।

भारतीय टीम अंक तालिका में शीर्ष पर

भारतीय टीम तीन मुकाबलों में चार अंक हासिल करके अंक तालिका में शीर्ष पर है। वे दूसरे स्थान पर मौजूद श्रीलंका से आगे हैं, जिसके भी चार अंक हैं लेकिन उसका नेट रन रेट -0.166 है। भारत का नेट रन रेट 0.433 है। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने अभी तक कोई मैच नहीं जीता है लेकिन उसे अभी दो मैच खेलने हैं और इनमें जीत हासिल करने पर वह भी फाइनल में जगह बना सकती है।

बल्लेबाजी रही भारत का सकारात्मक पक्ष

इस श्रृंखला में भारत की बल्लेबाजी एक बड़ा सकारात्मक पक्ष रही है। सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल दो अर्धशतक सहित 163 रन बनाकर सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। अन्य बल्लेबाजों ने भी इसमें योगदान दिया है। स्नेह राणा ने तीन मैचों में 4.25 की इकोनॉमी से गेंदबाजी करते हुए 11 विकेट लिए हैं। राणा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में पांच विकेट लिए थे और वह उस प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगी। इस मैच में ऑलराउंडर काशवी गौतम केवल पांच ओवर करने के बाद मैदान से बाहर चली गई थी।

दक्षिण अफ्रीका आठ मैच हार चुकी है

जहां तक दक्षिण अफ्रीका का सवाल है तो उसकी टीम संघर्ष करती हुई नजर आ रही है। उसे पिछले नौ एकदिवसीय मैचों में से आठ में हार का सामना करना पड़ा है, जिसमें इस श्रृंखला के दोनों मैच भी शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका ने अपने पहले मैच में भारत के सामने कड़ी चुनौती पेश की थी लेकिन अगले मैच में उसे श्रीलंका से बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा। श्रीलंका की भीषण गर्मी से निपटने का संघर्ष उनकी मुसीबतों को और बढ़ा रहा है।

खास खबर

बुमराह नहीं तो कौन होगा उप-कप्तान पंत, गिल या फिर जायसवाल....!

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है। यह सीरीज इंग्लैंड के पांच अलग-अलग मैदानों पर खेली जाएगी। इस सीरीज से पहले एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसके मुताबिक बीसीसीआई इस दौरे के लिए जसप्रीत बुमराह को नेतृत्व से दूर रखने का फैसला कर सकती है। बोर्ड का मानना है कि बुमराह अपनी पीठ की पुरानी चोट के कारण सभी पांचों टेस्ट मैचों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे, इसलिए उन्हें ऐसे उप-कप्तान की जरूरत होगी, जो सभी मैच खेले। ऐसे में बुमराह की जगह कौन इंग्लैंड दौरे के लिए भारत का उप-कप्तान होगा फिलहाल अभी यह तय नहीं है फिर भी इन तीन खिलाड़ियों की चर्चा चल रही है।

ऋषभ पंत : साल 2017 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले ऋषभ पंत ने नेशनल टीम के लिए बीते 8 सालों में कमाल का प्रदर्शन किया है। विकेटकीपर बल्लेबाज ने साल 2022 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ होम टी20। सीरीज में भारत की कप्तानी की हैं। उनके पास 54 बार आईपीएल मैचों में दिल्ली के लिए 43 मैच और लखनऊ के 11 मैच में कप्तानी का अनुभव हैं। लीडरशिप में उनके अनुभव को देखते हुए वह फ्यूचर में भारत का टेस्ट कप्तान बनने के बेहतर विकल्प हैं।

शुभमन गिल : अंडर-19 विश्व कप 2018 में शुभमन गिल ने टीम की कप्तानी की थी। उनके पास भारत की कप्तानी का 5 मैचों का अनुभव हैं। जब पिछले साल जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने पांच टी20। मैचों की कप्तानी की थी और भारत को सीरीज में 4-1 से जीत दिलाई। 2019 में 25 साल के गिल ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अरुणाचंल और हैदराबाद के खिलाफ पंजाब की कप्तानी की।

यशस्वी जायसवाल : यशस्वी जायसवाल को इंग्लैंड दौरे के लिए भारत का उप-कप्तान बनाया जा सकता हैं। उनके पास किसी भी फॉर्मेट में कप्तानी का अनुभव नहीं हैं, लेकिन साल 2023 में वेस्टइंडीज दौरे के दौरान उन्होंने डेब्यू के बाद जो प्रदर्शन किया, उसकी खूब चर्चा हो रही है। जायसवाल ने भारतीय टेस्ट टीम और टी20 इंटरनेशनल में शानदार प्रदर्शन किया। उन्हें अब माना जा रहा है कि इंग्लैंड दौरे पर भारत का उप-कप्तान मनाया जा रहा है।

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथः अप्रैल के लिए बेन समेत 3 खिलाड़ी नामांकित

दुबई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अप्रैल 2025 महीने के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज बेन सीयर्स को नामित किया है। उनके साथ-साथ जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी और बांग्लादेश मेहदी हसन मिराज भी इस पुरस्कार के लिए नामांकित हुए हैं। बता दें कि इन तीनों खिलाड़ियों ने अप्रैल 2025 में अच्छा प्रदर्शन किया था। दूसरी तरफ महिलाओं में स्कॉटलैंड की कैथरीन ब्राइस, वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज और पाकिस्तान की फातिमा सना को नामित किया गया है। मुजरबानी अप्रैल में बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों में 20.50 की औसत से 10 विकेट लेकर सीरीज में जिम्बाब्वे के शीर्ष विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
बेंगलुरु	11	8	3	16
पंजाब	11	7	3	15
मुंबई	11	7	4	14
गुजरात	10	7	3	14
दिल्ली	11	6	4	13
कोलकाता	11	5	5	11
लखनऊ	11	5	6	10
हैदराबाद	11	3	7	7
राजस्थान	12	3	9	6
चेन्नई	11	2	9	4

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
505 रन
बेंगलुरु

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
19 विकेट
गुजरात

खबर संक्षेप

जोविक और नवा को फ्रेंच ओपन का वाइल्ड कार्ड

ऑरलैंडो (फ्लोरिडा)। सत्रह वर्षीय इवा जोविक और 23 वर्षीय एमिलियो नवा को 25 मई से पेरिस में शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है।

आईपीएल : कोलकाता के ईडन गार्डन स्टेडियम में मैच आज शाम 7.30 बजे से

चेन्नई के पास खोने को कुछ नहीं, कोलकाता के लिए करो या मरो जैसा आज का मुकाबला

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पांच बार की चैंपियन चेन्नई की टीम प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है। चेन्नई की टीम के लिए अब खोने के लिए कुछ भी नहीं है और वह इस मैच में अधिक स्वच्छंद होकर खेलेगी लेकिन कोलकाता के लिए यह मैच करो या मरो जैसा है क्योंकि उसे प्लेऑफ की अपनी उम्मीद बरकरार रखने के लिए बाकी बचे तीनों मैच में जीत हासिल करनी होगी। कोलकाता के अभी 11 अंक हैं और अगले तीनों मैच में जीतने पर उसके 17 अंक हो जाएंगे। यहां पहुंचने पर भी उसकी प्लेऑफ में सीट पक्की हो जाएगी यह कहा नहीं जा सकता क्योंकि अन्य टीमों के परिणाम पर भी काफी कुछ निर्भर करेगा और ऐसे में नेट रन रेट पर भी मामला अटक सकता है। कोलकाता के ईडन गार्डन स्टेडियम में मैच आज शाम 7.30 बजे से शुरू होगा।

गुजरात ने मुंबई को 3 विकेट से हराया

6 बॉल पर 15 रन का रिवाइज्ड टारगेट मिला था, दीपक चाहर डिफेंड नहीं कर सके। 56वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस को एक ओवर में 15 रन का टारगेट दिया गया है। गुजरात ने 18.5 ओवर में 7 विकेट पर 146 रन बना लिए हैं। राहुल तेवतिया क्रीज पर हैं। दीपक चाहर ने जेराल्ड कूट्जी को कैच आउट कराया। वानखेड़े स्टेडियम में बारिश के कारण दो बार खेल रोकना पड़ा है, इस कारण गुजरात को संशोधित टारगेट मिला है। टॉस हारकर बैटिंग कर रही मुंबई ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 155 रन बनाए थे।

सुशासन तिहार जनाकांक्षाओं का समाधान

सरकारी योजनाओं की स्वीकारोक्ति और लोकप्रियता पर जनता की मोहर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में चल रहा सुशासन तिहार जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण और शासकीय योजनाओं के लाभ को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम बन रहा है। 8 अप्रैल से 31 मई 2025 तक तीन चरणों में आयोजित यह अभियान पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसंवाद को बढ़ावा दे रहा है, जिसका उद्देश्य शासन को जन-केंद्रित बनाना, जनसरोकार, जनविश्वास को मजबूत करना और विकास कार्यों की जमीनी हकीकत का मूल्यांकन करना है।

हर नागरिक तक शासन की योजना का पहुंचे लाभ

" हमारा संकल्प है कि राज्य के हर नागरिक तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचे और कोई भी पात्र हितग्राही वंचित न रहे। सुशासन तिहार जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण बन गया है। यह अभियान केवल आवेदन संग्रह या समस्या निराकरण का माध्यम नहीं है, बल्कि यह राज्य के शासन-प्रशासन और जनता के बीच का सेतु बन गया है।"
- विष्णुदेव साय, मुख्यमंत्री (छत्तीसगढ़ शासन)

पहले चरण में जनता जनार्दन से उनकी समस्याओं और मांगों के संबंध में 8 से 11 अप्रैल तक समाधान पेटी, ऑनलाइन पोर्टल और शिविर के माध्यम से आवेदन एकत्र प्राप्त किये गए। सुशासन तिहार के पहले चरण में मिले 40 लाख 31 हजार 77 आवेदनों का तेजी से निराकरण किया जा रहा है। जिसमें मांग से संबंधित 39 लाख 49 हजार 733 आवेदन और शिकायत से संबंधित मात्र 81 हजार 344 आवेदन शामिल हैं। द्वितीय चरण में इन आवेदनों का जिला प्रशासन द्वारा तत्परता से निराकरण किया गया। तृतीय चरण में 5 से 31 मई तक समाधान शिविरों में मुख्यमंत्री, मंत्री और जनप्रतिनिधि जनता से रू-ब-रू हो रहे हैं। यह अभियान न केवल समस्याओं का समाधान कर रहा है, बल्कि राज्य के मैदानी इलाके से लेकर बस्तर जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी जनता का विश्वास जीत रहा है। इस अभियान के उद्देश्य स्पष्ट और व्यापक हैं। जनता की शिकायतों का समयबद्ध निराकरण, शासकीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही स्थापित करना और जनता-शासन के बीच संवाद का सेतु बनाना।

पीएम आवास योजना हितग्राही सोनाई के घर पहुंचे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 5 मई को सक्ति जिले के ग्राम करिगांव में उतरे। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की लाभार्थी सोनाई बाई के निर्माणाधीन आवास पर पहुंचकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता देखी। परिवार से बातचीत करते हुए योजना से प्राप्त लाभों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री साय ने हितग्राही से पूछा कि क्या उन्हें महतारी वंदन योजना के अंतर्गत मिलने वाली सहायता राशि मिल रही है। इस पर श्रीमती सोनाई बाई ने बताया कि उन्हें नियमित रूप से यह राशि प्राप्त हो रही है, जिससे उनके परिवार को आर्थिक सहयोग मिल रहा है।

सामाजिक बहिष्कार का दंश झेल रहे पांच लोगों को समाज ने फिर से अपनाया

सुशासन तिहार के माध्यम से एक ओर जहां लोगों की मांगों और समस्याओं का तत्परता से निराकरण हो रहा है वहीं दूसरी ओर इसके जरिए सामाजिक सरोकार को भी बढ़ावा मिल रहा है। ऐसा ही एक मामला रायगढ़ जिले के ग्राम पंचायत बूटीपाली के आश्रित ग्राम हेड़सपाली में देखने और सुनने को मिला। इस गांव में लंबे समय से सामाजिक बहिष्कार का दंश झेल रहे पांच लोगों को सुशासन तिहार में ग्रामीणों की सहमति से पुनः समाज की मुख्यधारा में शामिल किया गया। सुशासन तिहार के चलते इस गांव में पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष जब यह मामला आया तो गांव के सरपंच सहित बड़े बुजुर्गों की बैठक में इस पर विचार-विमर्श किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों और गांव के वरिष्ठजनों ने संबंधित पक्षों को आपसी रंजिश और गलती को भुलाकर भाईचारे के साथ रहने की अपील की। जिससे समाज से बहिष्कृत लोगों को फिर से समाज में मिला लिया गया।

फुलेश्वरी को मिला मनरेगा जॉब कार्ड, माना आभार

सुशासन तिहार ग्रामीणों के लिए मील का पत्थर साबित हो रहा है। समाधान शिविरों में ग्रामीणों का तात्कालिक समाधान हो रहा है। इसी क्रम में 5 मई को जनपद पंचायत कांकेर की ग्राम पंचायत बेवरत्ती में प्रथम जिला स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में पहुंची श्रीमती फुलेश्वरी जैन ने बताया कि उन्हें शिविर स्थल में तत्काल मनरेगा जॉब कार्ड बनाकर वितरित किया गया। मौके पर ही मनरेगा जॉब कार्ड पाकर गद्गद् श्रीमती जैन ने कहा कि उम्मीद से जल्दी उन्हें जॉब कार्ड मिल गया।

बुजुर्ग तेजराम को मिला छड़ी का सहारा

बालोद जिले के गुरुर विकासखण्ड के ग्राम डांडेसरा के बुजुर्ग तेजराम साहू को, जिन्होंने सुशासन तिहार में अपने चलने-फिरने की समस्या के समाधान के लिए छड़ी की मांग की थी। उनके आवेदन पर समाज कल्याण विभाग द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए विभाग द्वारा उन्हें एक मजबूत और आरामदायक छड़ी उपलब्ध कराई गई। यह छड़ी उनके लिए सिर्फ एक उपकरण नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और सम्मान का प्रतीक बनी। जब तेजराम ने पहली बार छड़ी के सहारे कदम बढ़ाए, तो उनके चेहरे पर संतुष्टि और खुशी की मुस्कान थी। अब मैं गाँव में आसानी से घूम-फिर सकता हूँ।

सुशासन तिहार की चमक क्रेडा ने लौटाई गांवों की रौनक

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में लोगो की मांग, शिकायत और समस्या संबंधी आवेदनों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। शासकीय कामकाज में पारदर्शिता लाने और योजनाओं तथा कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेश सहित धमतरी जिले में भी सुशासन तिहार मनाया जा रहा है। इस दौरान लोगों की अधिकांश आवेदनों पर तत्परता से कार्रवाई की जा रही है। विभिन्न विभागों सहित क्रेडा को मिले हाई मास्ट लाइट सुधार के संबंध में दो आवेदन, सोलर पम्प में सुधार करने संबंधी दो आवेदन सहित ड्यूल पम्प के खराब गेट वॉल्व बदलने जैसे आवेदनों का निराकरण किया गया।

सुशासन तिहार में धमतरी विकासखण्ड के ग्राम डांगीमाचा के कमलेश्वर उईके ने गांव में लगे जल जीवन मिशन के तहत सोलर ड्यूल पम्प के खराब गेट वॉल्व को बदलने संबंधी आवेदन दिया था। इस पर विभागीय मैदानी अमले द्वारा सोलर ड्यूल पम्प का निरीक्षण कर तत्काल संयंत्र सुधार किया गया और अब सोलर ड्यूल पम्प क्रियाशील हो गया। इससे ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है। ग्राम किशनपुरी के पांचूराम ने भी गांव में लगे सोलर हाईमास्ट लाईन को सुधारने के लिए आवेदन किया। क्रेडा विभाग के मैदानी कर्मचारियों ने संयंत्र में खराब बैटरियों और लाइट के स्थान पर नई सामग्री लगाकर पूरी तरह क्रियाशील कर दिया है, जिससे ग्रामीणों को सोलर हाईमास्ट के माध्यम से रात के समय में प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित हो रही है।

पहलगाम हमले के 3 दिन पहले मोदी को भेजी गई थी इंटेलिजेंस रिपोर्ट

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का बड़ा दावा, खुफिया रिपोर्ट के चलते रद्द किया था पीएम ने कश्मीर दौरा!

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

■ 22 अप्रैल को पहलगाम अटैक में मारे गए थे 26 सैलानी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि हमले के तीन दिन पहले ही पीएम मोदी को एक इंटेलिजेंस रिपोर्ट भेजी गई थी और उस रिपोर्ट के बाद उन्होंने अपना कश्मीर दौरा केंसिल कर दिया था। झारखंड के रांची में संविधान बचाओ रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पहलगाम हमले को इंटेलिजेंस फेलियर बताया। उन्होंने कहा, सरकार ने इसे माना है और वे इसमें सुधार करेंगे। उन्होंने कहा, अगर उन्हें यह पता था, तो उन्होंने कुछ क्यों नहीं किया? मुझे जानकारी मिली है कि हमले से 3 दिन पहले, प्रधानमंत्री मोदी को एक खुफिया रिपोर्ट भेजी गई थी और इसलिए उन्होंने कश्मीर जाने का अपना कार्यक्रम रद्द कर दिया था। मैंने यह एक अखबार में भी पढ़ा। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से सवाल किया कि जब इंटेलिजेंस आपकी सुरक्षा के लिए ये कहते है कि वहां जाना सही नहीं है तो आप ने वह बात आम लोगों की सुरक्षा के लिए वहां के बॉर्डर फोर्स, पुलिस को क्यों नहीं कही। केंद्र ने आतंकी हमले पर खुफिया रिपोर्ट होने के बाद भी पहलगाम में अधिक सुरक्षा कर्मी तैनात क्यों नहीं किए।

केंद्र सरकार ने खुद माना था ये इंटेलिजेंस फेलियर

खड़गे ने आगे कहा, जब केंद्र ने खुफिया नाकामी स्वीकार की है तो क्या पहलगाम हमले में लोगों की मौत के लिए उसे जवाबदेह नहीं ठहराया जाना चाहिए। हालांकि उन्होंने ये भी कहा, कांग्रेस पार्टी ने सरकार से कहा है कि आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ इस लड़ाई में हम पूरी तरह से उनके साथ हैं। अगर सरकार पाकिस्तान के खिलाफ कोई भी कदम उठाती है, तो हम उनके साथ खड़े हैं।

नाम और धर्म पूछकर लोगों को मारी थी गोली

बता दें, जम्मू-कश्मीर के मिनी स्वीटजरलैंड कहे जाने वाले पहलगाम में आतंकियों ने वहां घूमने गए लोगों को उनका नाम और धर्म पूछकर गोली मारी थी। 22 अप्रैल को हुए अटैक में 26 सैलानी मारे गए थे।

भाजपा बोली- यह सुरक्षाबलों का मनोबल कम करना

भाजपा के झारखंड अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा, 'खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना सुरक्षा एजेंसियों का मनोबल गिराने के इरादे से की है। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई निर्णायक चरण में है।' जब पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़ा है। उन्होंने दावा किया, 'कांग्रेस को गंदी राजनीति में लिप्त नहीं होना चाहिए और खड़गे की टिप्पणी अनुचित है।'

बयान दुर्भाग्यपूर्ण और पीड़ादायकः रविशंकर प्रसाद

भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद ने मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर कहा , "मल्लिकार्जुन खड़गे क्या-क्या बोल रहे हैं? वे एक तरफ मीटिंग में कहते हैं कि हम देश के साथ खड़े हैं और दूसरी तरफ देश को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। इस समय प्रधानमंत्री मोदी के बारे में ऐसा कहना कि वे कश्मीर नहीं गए क्योंकि उन्हें पता था कि हमला होने वाला है। इससे बड़ा कोई गैर जिम्मेदाराना वक्तव्य नहीं हो सकता है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और पीड़ादायक है।

खबर संक्षेप

मुर्मू रचेंगी इतिहास, 19 को जाएंगी सबरीमाला मंदिर

नई दिल्ली। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 मई को इतिहास रचने जा रही हैं. वो देश की पहली राष्ट्रपति बनने जा रही हैं जो केरल के प्रसिद्ध सबरीमाला श्री अयप्पा मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगी। त्रावणकोर देवस्वम् बोर्ड (टीडीबी) जो कि इस मंदिर का संचालन करता है, उसने राष्ट्रपति के दौरे की पुष्टि करते हुए कहा कि यह मंदिर और देश दोनों के लिए ऐतिहासिक होने जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का केरल दौरा दो दिनों के लिए होगा। 18 मई को वह केरल जाएंगी और 19 मई को सबरीमाला मंदिर. 18 मई को राष्ट्रपति किसी प्राइवेट समारोह में जाएंगी।

वक्फ बोर्ड को तुरंत भंग करे केंद्रः अविमुक्तेश्वरानंद

हरिद्वार। धार्मिक मामलों में राजनीतिक दलों और सरकार के हस्तक्षेप को तुरंत बंद किए जाने की वकालत करते हुए ज्योतिर्पीठ बदरीनाथ के शंकराचार्य स्वामी अविभमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मंगलवार को केंद्र से वक्फ बोर्ड को तुरंत भंग करने की मांग की। शंकराचार्य ने यहां कनखल स्थित अपने मठ में यह भी कहा कि पाकिस्तान से उसके कब्जे वाले कश्मीर को मुक्त कराने का यह सही समय है।

हवाई हमलों से यमन के मुख्य हवाई अड्डे तबाह

यरूशलम। इजराइली सेना ने मंगलवार को बताया कि बल द्वारा यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को निशाना बनाकर किये गये हवाई हमलों में राजधानी सना में देश का मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पूरी तरह से तबाह हो गया। सेना ने यह भी बताया कि हवाई हमलों से क्षेत्र में कई बिजली संयंत्रों को नुकसान पहुंचा है। इजराइली टेलीविजन पर प्रसारित फुटेज में सना के प्रभावित क्षेत्रों में धुएं का घना काला गुबार उठता हुआ देखा जा सकता है।

यूएनएससी में पाकिस्तान की गजब फजीहत

पहलगाम हमले पर अमेरिका ने लताड़ा, चीन ने भी नहीं दिया साथ

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की सैन्य तैयारियों को देखकर पाकिस्तान को हर पल हमले का खौफ सता रहा है। इसी वजह से पाकिस्तान पूरी तरह से बौखलाया हुआ और दुनिया के अन्य देशों से मदद की गुहार लगा रहा है। पाकिस्तान ने इसी वजह से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में इस मुद्दे पर एक क्लोज डोर मीटिंग बुलाई थी ताकि अपना दुखड़ा रोकर बाकी देशों की सहानुभूति बंटोर सके, लेकिन वहां भी पड़ोसी देश की जमकर फजीहत हो गई है। संयुक्त राष्ट्र में इस क्लोज डोर मीटिंग के बाद पाकिस्तान के स्थाई प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद ने झूठ फैलाते हुए कहा कि इस बैठक से जो हासिल करने का मकसद था वह पूरा हो गया है। उन्होंन यह भी दावा किया कि इस मीटिंग में जम्मू कश्मीर के मुद्दे को सुलझाने पर भी चर्चा हुई है। लेकिन जैसे-जैसे तस्वीर पूरी तरह साफ हुई तो पाकिस्तान की पोल खुलने लगी।

न कोई प्रस्ताव आया, न बयान

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की इस क्लोज डोर मीटिंग का कुछ भी नतीजा नहीं निकला बल्कि इससे पाकिस्तान की थू-थू जरूर हो गई। इस बैठक के बाद किसी भी देश की ओर से न तो कोई प्रस्ताव लाया गया और न ही किसी ने इस पर कोई बयान दिया है। सिर्फ पाकिस्तान ही है जो दुनिया के सामने झूठ परोसने की विफल कोशिशों में जुटा है।

मीटिंग के बाद खुली पाक की पोल, पहलगाम हमले के बाद है तनावपूर्ण स्थिति

सदस्यों देशों ने बताया इसे द्विपक्षीय मुद्दा

सूत्रों के मुताबिक बैठक में सदस्य देशों की ओर से न सिर्फ पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गई, बल्कि धर्म पूछकर पर्यटकों को निशाना बनाने का मुद्दा भी उठाया गया। कुछ देशों ने पाकिस्तान की ओर से किए गए मिसाइल टेस्ट और परमाणु हथियारों की धमकी पर भी सवाल उठाए और इसे उकसावे की कार्रवाई बताया है। पाकिस्तान इस मुद्दे पर किसी तीसरे की दखल के अपने पुराने ढर्रे पर चलना चाहता था। लेकिन सदस्यों देशों ने इसे द्विपक्षीय मुद्दा बताते हुए किसी तरह की दखल से इनकार कर दिया।

पाकिस्तान से पूछे गए थे तीखे सवाल

इस क्लोज डोर मीटिंग में पहलगाम हमले को लेकर पाकिस्तान से तीखे सवाल पूछे गए थे। यहां तक कि पहलगाम हमले के पीछे आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की भूमिका को लेकर भी पाकिस्तान को फटकार लगाई गई है। क्लोज डोर मीटिंग के दौरान यूएनएससी के सदस्य देशों ने भारत को लेकर पाकिस्तान की ओर से फैलाए जा रहे फाल्स फ्लैग नैरेटिव को भी पूरी तरह खारिज कर दिया, जिसके जरिए पाकिस्तान खुद को विक्टिम दिखाकर भारत पर निशाना साध रहा है।

चीन का भी नहीं मिला साथ

सबसे हैरानी की बात यह रही कि यूएनएससी के स्थाई सदस्य अमेरिका, फ्रांस, रूस और ब्रिटेन ने पाकिस्तान से तीखे सवाल किए, साथ ही पाकिस्तान के 'दोस्त' चीन ने भी उसका साथ नहीं दिया, जिसके भरोसे पड़ोसी मुल्क उछल रहा था। पाकिस्तान यूएनएससी का अस्थाई सदस्य है और इसी हैसियत से उसने क्लोज डोर मीटिंग बुलाने का आग्रह किया था।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने की थी अपील

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बीते दिनों दोनों पक्षों से बात कर तनाव कम करने की अपील की थी और इसी के बाद यह क्लोज डोर मीटिंग बुलाई गई थी। दरअसल पाकिस्तान को किसी भी वक्त भारत की ओर से जवाबी हमले के डर सता रहा है। इसी खौफ में सैन्य कार्रवाई से बचने के लिए पाकिस्तान ने आनन-फानन में यूएनएससी की मीटिंग बुलाने की अपील की थी। उसकी कोशिश थी कि क्लोज डोर मीटिंग के जरिए बाकी देश भारत से संयम बरतने के लिए कहेंगे। पाकिस्तान ने साउथ एशिया में पैदा हो रहे तनाव को कम करने का हवाला देकर यह बैठक बुलाई थी।

अमेरिकी संसद के स्पीकर का ऐलान

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को देंगे संसाधन

एजेंसी ▸▸ वॉशिंगटन

अमेरिकी संसद के स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा है कि अमेरिका, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत का पूरा समर्थन करेगा। उन्होंने भारत को कई मायनों में अमेरिका का 'बहुत महत्वपूर्ण' साथी बताया है। अमेरिकी संसद कैपिटल हिल में सोमवार को एक ब्रीफिंग में जॉनसन ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर भी बात की और उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता कामयाब होगी। अमेरिकी संसद के स्पीकर से कार्यक्रम के दौरान पूछा गया था कि दशकों से सीमा पार आतंकवाद का सामना कर रहे भारत के लिए उनका क्या संदेश है? इस सवाल पर माइक जॉनसन ने कहा, 'देखिए, हमें वहां जो हो रहा है उससे बहुत सहानुभूति है और हम अपने सहयोगियों के साथ खड़े रहना चाहते हैं। मुझे लगता है कि भारत कई मायनों में हमारा एक बहुत महत्वपूर्ण भागीदार है। यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण रिश्ता है और इतना बड़ा देश है। भारत को भी वहां आतंकवाद के खिलाफ खड़ा होना होगा।'

ट्रंप प्रशासन करेगा मदद

ट्रंप प्रशासन स्पष्ट रूप से उस रिश्ते के महत्व को समझता है और आतंकवाद के खतरे के महत्व को भी समझता है। इसलिए मुझे लगता है कि अगर वह खतरा बढ़ता है, तो मुझे लगता है कि आप ट्रंप प्रशासन को खड़ा देखेंगे।' उन्होंने आगे कहा कि 'मेरा मानना है कि वे उस खतरे से निपटने में मदद करने के लिए ज्यादा ऊर्जा, संसाधन और समय के साथ मदद करेंगे, निश्चित रूप से हमारी यही उम्मीद है।' अमेरिकी स्पीकर ने खास तौर पर संसाधन का जिक्र किया, जिसका मतलब हथियारों से होने की संभावना है। अमेरिकी स्पीकर से पहले अमेरिका की इंटेलिजेंस चीफ तुलसी गबार्ड, एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल भी आतंकवाद के खिलाफ भारत का पूरी तरह से साथ देने का ऐलान कर चुके हैं।

वक्फ धोखाधड़ी मामला : गुजरात में नौ स्थानों पर की छापेमारी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

■ ईडी का बड़ा एक्शन

ईडी ने मंगलवार को गुजरात में कुछ वक्फ संपत्तियों में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग की जांच की। एजेंसी ने सलीम खान जुम्मा खान पठान, मोहम्मद यासर अब्दुलहमिया शेख, महमूद खान जुम्मा खान पठान, फेजमोहम्मद पीर मोहम्मद चोबदार और साहिद अहमद याकूभाई शेख के खिलाफ अहमदाबाद पुलिस की एफआईआर का संज्ञान लिया और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने घोटाले के सिलसिले में 20 अप्रैल को पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। कांच नी मस्जिद ट्रस्ट की जमीन पर बनी संपत्तियों के किराएदार मोहम्मद रफीक अंसारी ने बताया कि आरोपियों में से कोई भी किसी वक्फ या ट्रस्ट का सदस्य नहीं है।

कांच नी मस्जिद ट्रस्ट और शाह बड़ा कसम ट्रस्ट से जुड़ा है मामला

गायकवाड़ हवेली पुलिस स्टेशन में दर्ज धोखाधड़ी और जालसाजी के लिए प्राथमिकी के अनुसार, आरोपियों ने कांच नी मस्जिद ट्रस्ट और शाह बड़ा कसम ट्रस्ट की जमीन पर लगभग 100 घरों और दुकानों से किराया वसूला। दोनों ट्रस्ट गुजरात वक्फ बोर्ड में पंजीकृत हैं। 2008 से 2025 के बीच पठान और अन्य ने कथित तौर पर दोनों ट्रस्टों से संबंधित 5,000 वर्ग मीटर भूमि पर अवैध निर्माण किया। लगभग 100 संपत्तियां (घर और दुकानें) बनाईं और किराया वसूला।

हादसा...खाई में बस...

बालासोर। ओडिशा के बालासोर जिले में मंगलवार को को एक बस ट्रैक्टर से टकराने के बाद सड़क किनारे पानी से भरी खाई में गिर गई, जिसके बाद बचाव कार्य जारी है। इस दुर्घटना में कम से कम 20 लोग घायल हुए हैं।

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

■ 15 घंटे की मैराथन प्रेस कॉन्फ्रेंस, जेलेंस्की को भी छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। मुइज्जू ने लगातार 15 घंटे तक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के 14 घंटे के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह मैराथन प्रेस कॉन्फ्रेंस शनिवार सुबह 10 बजे शुरू हुई और रात 12:55 बजे तक चली।

इस दौरान मुइज्जू ने सिर्फ नमाज के लिए छोटे-छोटे ब्रेक लिए। 46 साल के राष्ट्रपति मुइज्जू ने कुल 14 घंटे और 54 मिनट तक लगातार प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उनके कार्यालय ने इसे 'वर्ल्ड रिकॉर्ड' बताते हुए गर्व का क्षण बताया। मोहम्मद मुइज्जू ने इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों के सवालों का जवाब दिया और प्रेस की निष्पक्षता पर जोर दिया। उनके कार्यालय के बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति ने समाज में मीडिया की अहम भूमिका को रेखांकित किया। हालांकि, इस दौरान भारत को लेकर उनके कुछ बयानों ने विवाद खड़ा कर दिया।

पहली बार सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक

सीजेआई खन्ना के पास है डेढ़ करोड़ की संपत्ति

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

न्यायपालिका में पारदर्शिता और जनता का विश्वास बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने न्यायाधीशों की संपत्तियों का ब्योरा पब्लिक कर दिया है। इतिहास में यह पहली बार है कि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संपत्ति की घोषणा सार्वजनिक की गई है। इसी के तहत सीजेआई संजीव खन्ना की संपत्ति की जानकारी भी सामने आई है। उनकी संपत्ति में 55 लाख रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट और 1 करोड़ रुपये का पब्लिक प्रोविडेंट फंड शामिल है।

गवई के अकाउंट में इतने रुपए

14 मई को सीजेआई का पदभार संभालने वाले जस्टिस बीआर गवई के बैंक अकाउंट्स में 19.63 लाख रुपये और पीपीएफ खाते में 6.59 लाख रुपये हैं। साथ ही उनकी संपत्ति में साउथ दिल्ली में दो बेडरूम का डीडीए फ्लैट और कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज में चार बेडरूम का फ्लैट शामिल है। गुरुग्राम में चार बेडरूम के फ्लैट में भी उनकी 56 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं उनकी बेटी के पास बाकी 44 फीसदी हिस्सा है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में विभाजन से पहले के एक पुश्तैनी घर में भी उनकी हिस्सेदारी है। जस्टिस गवई को महाराष्ट्र के अमरावती में एक घर के अलावा मुंबई और दिल्ली में आवासीय अपार्टमेंट भी मिले हैं। उन्हें अमरावती और नागपुर में एग्रीकल्चर लैंड भी विरासत में मिली है। उन्होंने 1.3 करोड़ रुपये की देनदारी भी घोषित की है। सोमवार रात सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर 33 में से 21 जजों की संपत्ति की जानकारी दी गई। इसी तरह, जस्टिस ओका, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी, जस्टिस विक्रम नाथ सहित 21 जजों ने संपत्ति का ब्योरा दिया है।

नियुक्ति प्रक्रिया को भी किया सार्वजनिक

सुप्रीम कोर्ट ने एचसी/एससी जजों की नियुक्ति के लिए मूल्यांकन मानदंड ऑनलाइन कर दिया है। साथ ही नियुक्ति प्रक्रिया को सार्वजनिक कर दिया है ताकि जनता को जानकारी और जागरूकता मिल सके। 9 नवंबर 2022 से 5 मई 2025 की तक हाईकोर्ट के जजों के रूप में नियुक्तियों के लिए सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के प्रस्तावों को भी अपलोड किया है।

फ्रेडरिक मर्ज बने जर्मनी के चांसलर

बर्लिन। फ्रेडरिक मर्ज मंगलवार को संसद में दूसरे दौर के मतदान में जीत दर्ज करके जर्मनी के चांसलर बन गए। हालांकि, मतदान के पहले दौर में उन्हें ऐतिहासिक हार का सामना करना पड़ा। रूढ़िवादी नेता फ्रेडरिक से उम्मीद थी कि वह पहले दौर के मतदान में आसानी से जीत दर्ज करके द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी के 10वें चांसलर बनेंगे।

KALDA HOSPITAL
कालड़ा हॉस्पीटल
यूनिट ऑफ कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी सेंटर
• प्लास्टिक सर्जरी एवं बर्न केयर
• कटे होंठ एवं तालु का ईलाज
• कॉस्मेटिक सर्जरी
• हेयर ट्रांस्प्लांट
• लाइपोसक्शन
• अंगों का प्रत्यारोपण
पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड
कलर्स माल के पास, रायपुर
Mobile 9827143060
Ajay Advt.

ओम हॉस्पिटल
NABH Entry Level
जनरल एवं लोप्रोस्कोपिक विभाग
• हर्निया • चर्बी की गांठ • फिस्टुला
• अपेंडिक्स गठान स्तन में बनने वाली गांठ
• दूरबीन से होने वाली समस्त सर्जरी
• पेट से संबंधित समस्त सर्जरी • पाइल्स
• लेजर द्वारा बवासीर का ईलाज
• दूरबीन से हर्निया व गॉल ब्लैडर सर्जरी
शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, BSKY, ESIC, CSEB, TPA एवं INSURANCE से फ्री में ईलाज
एच.पी.पेट्रोल पंप के पास, महादेवघाट रोड, रायपुरा चौक, रायपुर (छ.ग.), मो. 8370008551
खरोरा रोड़, तिल्दा (छ.ग.), मो. 9302734809
स्व.राजा वीरेंद्र सिंह शासकीय महाविद्यालय के पास, एनएच रोड,सरायपाली (छ.ग.), मो.8370008558
प्रताप देव वार्ड नं. 11, हटा गांधी मैदान के सामने जगदलपुर (छ.ग.), मो. 9131753200
ओम डेन्टल हॉस्पिटल, समता कॉलोनी,रायपुर (छ.ग.) मो. 8305948040
#Rajesh

SHREE NARAYANA HOSPITAL
Quality Health Care for All..
NABH ACCREDITED
रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी
• परफेक्ट एलायमेंट एवं सॉफ्ट टिश्यूज बैलेंसिंग
• मिनीमली इन्व्हेसिव सबवेस्टॉस टेक्निक से फॉस्ट रिकवरी
• रोबोट द्वारा गोल्ड नी रिप्लेसमेंट (ज्वाइंट की लाइफ बढ़ाने)
• मिनिमम पेन के लिये एडेक्टर केनॉल ब्लॉक द्वारा पेन मैनेजमेंट
• पेशेंट का 6 घंटे पश्चात चलना फिरना प्रारंभ
• सर्जरी के तीसरे दिन ही डिस्चार्ज
सभी कार्पोरेट, शासकीय योजनाओं एवं इंश्योरेंस से मान्यता प्राप्त
डॉ. प्रीतम अग्रवाल
Robotic Joint Replacement Surgeon & Arthroscopic Surgeon
देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)
www.snh.org.in
9300373737

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com